प्रयागराज, रविवार 03 अगस्त 2025 से 09 अगस्त 2025 तक
वर्ष-13 , अंक-31
पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

नगर संस्करण
13
डाक पंजीयन नं. 99/2018-20
E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

ट्रम्प बोले-सुना है भारत रूस से तेल खरीदना बंद करेगा:भारत ने कहा- हम अपनी जरूरतों के हिसाब से फैसले करते हैं

वॉशिंगटन डी सी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि भारत की सरकारी रिफाइनरियों ने रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया है। ट्रम्प ने इन खबरों का स्वागत किया है और इसे अच्छा कदम बताया। हालांकि ट्रम्प ने कहा कि उन्हें इन खबरों की सटीकता पर यकीन नहीं है। इससे पहले मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि भारत ने अमेरिकी दबाव में रूस से ऑयल खरीदना बंद कर दिया है। इसके बाद शुक्रवार शाम भारतीय विदेश मंत्रालय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। हालांकि इसमें यह स्पष्ट नहीं किया गया कि इस दावे में कितनी सच्चाई। अमेरिका रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच रूस की आय को कम करने के लिए दबाव बना रहा है। रूस 2022 में यूक्रेन युद्ध के बाद लगे पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण कम कीमत पर तेल बेचता है। भारत, जो दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है, इस सस्ते तेल से अपनी ऊर्जा लागत कम करता है। साथ ही तेल आपूर्ति के लिए सऊदी अरब, इराक जैसे देशों पर निर्भरता कम करता है।हाल ही में खबरें आईं थी कि भारतीय तेल कंपनियों जैसे इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम ने रूसी तेल की खरीद रोक दी है, क्योंकि छूट कम हो रही है और शिपिंग में दिक्कतें आ रही हैं। रॉयटर्स ने अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया था कि पिछले एक सप्ताह में रूस से कच्चे तेल की मांग नहीं की गई है। रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से बताया कि भारतीय रिफाइनरीयां रूसी कच्चे तेल से हाथ खींच रही हैं, क्योंकि छूट 2022 के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई है। अब रिफाइनरियों को डर है कि रूस पर लगे नए प्रतिबंधों से विदेशी व्यापार में मुश्किलें आ सकती है। यूरोपीय यूनियन ने 18 जुलाई को रूस पर नए प्रतिबंध लगाए थे। जिसमें रूसी तेल और ऊर्जा उद्योग को और अधिक नुकसान पहुंचाने के उपाय भी शामिल हैं। यूरोपीय यूनियन रूसी तेल की कीमत बाजार मूल्य से 15फीसदी कम रखने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, एएनआई ने इस रिपोर्ट का खंडन किया। एएनआई ने कहा, ' भारतीय तेल रिफाइनरीयां रूसी आपूर्तिकर्ताओं से तेल लेना जारी रखे हुए हैं। 'ट्रम्प प्रशासन ने 30 जुलाई को भारत से आयात पर 25फीसदी टैरिफ और अतिरिक्त जुर्माना लगाया था। ये टैरिफ 7 अगस्त से लागू होगा। ट्रम्प ने भारत के रूस से तेल खरीदने और पुराने व्यापारिक प्रतिबंधों को इसका कारण बताया। इसके अलावा, ट्रम्प ने इस हफ्ते भारत और रूस की अर्थव्यवस्थाओं को डेड इकोनॉमी कहकर तीखी आलोचना की थी। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'मुझे परवाह नहीं कि भारत रूस के साथ क्या करता है। वे अपनी डेड इकोनॉमी को साथ ले डूबें, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता।'

राहुल बोले- भारत का इलेक्शन सिस्टम मर चुका है,लोकसभा चुनावों में अगर 15 सीटों पर धांधली न होती, तो मोदी भारत के पीएम नहीं होते

नयी दिल्ली। राहुल गांधी ने पिछले 10 दिनों में तीसरी बार इलेक्शन कमीशन पर निशाना साधा है। राहुल ने शनिवार को कहा, भारत का इलेक्शन सिस्टम मर चुका है। हम आने वाले कुछ दिनों में आपको साबित कर देंगे कि लोकसभा चुनाव में कैसे धांधली हो सकती है और हुई भी। भारत के पीएम के पास बहुत कम बहुमत है। अगर 10-15 सीटों पर भी धांधली न होती तो वे भारत के प्रधानमंत्री भी नहीं होते। राहुल ने ये बातें दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एनुअल लीगल कॉन्क्लेव- 2025 में कहीं। इससे पहले राहुल ने 1 अगस्त को कहा था कि, चुनाव आयोग में जो भी वोट चुराने का काम कर रहे हैं, उन्हें हम छोड़ेंगे नहीं। वहीं 24 जुलाई को राहुल बोले थे कि आपके अधिकारी सोचते हैं कि वे बच जाएंगे, तो ये आपकी गलतफहमी है। हम आपको बच के जाने नहीं देंगे।' राहुल की स्पीच, 4 आरोप लगाए- 2014 से ही मुझे इलेक्शन सिस्टम पर संदेह रहा है। भाजपा का इतनी बड़ी जीत हासिल करना आश्चर्यजनक था। मैं बिना सबूत के कुछ नहीं कह सकता था, लेकिन अब मैं बिना किसी संदेह के कहता हूं कि हमारे पास सबूत हैं। लोकसभा में, हम चुनाव जीते। और फिर चार महीने बाद, हम न केवल हारे, बल्कि पूरी तरह से खत्म हो गए। हमने पाया कि महाराष्ट्र में, लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच एक करोड़ नए मतदाता जुड़े। इनमें से ज्यादातर वोट भाजपा को जाते हैं। संविधान की रक्षा करने वाली संस्था को मिटाकर उस पर कब्जा कर लिया गया है। हमारे पास ऐसे सबूत हैं जो पूरे देश को दिखा देंगे कि चुनाव आयोग जैसी संस्था का कोई अस्तित्व ही नहीं है। यह गायब हो गई है। चुनाव आयोग जैसी संस्था ठीक से काम नहीं करती। आपको जानकर हैरानी होगी कि चुनाव आयोग जो दस्तावेज

उपलब्ध कराता है, उन्हें स्कैन या कॉपी नहीं किया जा सकता। चुनाव आयोग मतदाता सूची पर स्कैन और कॉपी प्रोटेक्शन क्यों लागू करता है? इलेक्शन कमीशन पर लगातार निशाना साध रहे राहुल गांधी को चुनाव आयोग ने शुक्रवार को जवाब दिया था। इलेक्शन कमीशन ने एक बयान जारी करते हुए कहा था कि चुनाव आयोग ऐसे निराधार आरोपों को नजरअंदाज करता है। लगातार दी जा रही धमकियों के बावजूद, हम सभी चुनाव अधिकारियों से कहना चाहते हैं कि वे पहले की तरह निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से काम करें। गैरजिम्मेदाराना बयानों को नजरअंदाज करें।राहुल के निशाने पर चुनाव अधिकारी, 2 मामले- राहुल ने आगे कहा कि मैं इसे हल्के में नहीं, बल्कि सौ प्रतिशत प्रमाण के साथ कह रहा हूं। जैसे ही हम इसे जारी करेंगे, पूरे देश को पता चल जाएगा कि चुनाव आयोग भाजपा के लिए वोट चुराने का काम कर रहा है। हमें मध्य प्रदेश चुनाव, लोकसभा चुनाव में शक था, महाराष्ट्र चुनाव के दौरान हमारा शक और बढ़ गया। 24 जुलाई 2025: आप सोचते हैं कि बच जाएंगे, ये आपकी गलतफहमी है राहुल ने कहा, 'चुनाव आयोग ने कर्नाटक की एक सीट पर धोखाधड़ी कराई। हमारे पास इसके 100फीसदी सबूत हैं। एक ही निर्वाचन क्षेत्र में 50, 60 और 65 साल के हजारों नए वोटरों को सूची में जोड़ा गया है और 18 साल से ज्यादा उम्र के वोटरों को सूची से हटा दिया गया है।' कांग्रेस सांसद ने कहा, 'हमे अभी एक सीट की जांच में यह गड़बड़ी मिली। मुझे पूरा यकीन है कि हर सीट पर यही नाटक चल रहा है। मैं चुनाव आयोग को एक मैसेज देना चाहता हूं। अगर आपको लगता है कि आप इससे बच निकलेंगे, तो ये आपकी गलतफहमी है। बिहार वोटर वेरिफिकेशन पर राहुल सहित पूरा विपक्ष हमलावर बिहार वोटर वेरिफिकेशन को लेकर राहुल सहित पूरा विपक्ष इलेक्शन कमीशन की आलोचना कर रहा है। संसद के बाहर और अंदर विपक्ष विरोध प्रदर्शन कर रहा है। इस बीच बिहार में चुनाव आयोग की ओर से आज यानी शुक्रवार को वोटर लिस्ट का नया ड्राफ्ट पॉलिटिकल पार्टी को जारी किया गया है। बिहार में वोटर लिस्ट पुनरीक्षण के पहले चरण के आंकड़े- चुनाव आयोग के बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन के पहले चरण के आंकड़े के अनुसार, कुल मतदाताओं की संख्या घटकर 7.24 करोड़ रह गई है, जबकि पहले यह आंकड़ा 7.89 करोड़ था। यानी करीब 65 लाख मतदाताओं के सूची से हटाए गए हैं। वोटर लिस्ट से हटाए गए नामों में वे लोग शामिल हैं, जो अब इस दुनिया में नहीं हैं। इसके अलावा स्थायी रूप से किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित हो चुके हैं या जिनके नाम दो बार दर्ज थे। आंकड़ों के अनुसार, 22 लाख मतदाताओं की मौत हो चुकी है, 36 लाख मतदाता अन्य स्थानों पर स्थानांतरित पाए गए हैं और 7 लाख लोग किसी नए जगह स्थायी निवासी बन चुके हैं। एसआईआर 24 जून 2025 को शुरू किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य था फर्जी, दोहराए गए और स्थानांतरित मतदाताओं को सूची से हटाना और नए योग्य मतदाताओं को जोड़ना।

काशी में मोदी बोले- सिंदूर के बदले का वचन पूरा,भारत पर वार करने वाला पाताल में भी नहीं बचेगा, कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर को तमाशा कहा

वाराणसी। पीएम नरेंद्र मोदी ने काशी में कहा- मैंने बेटियों के सिंदूर का बदला लेने के लिए जो वचन

दिया था, वो पूरा हो गया। ये महादेव के आशीर्वाद से ही पूरा हुआ। मैं ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को उनके चरणों में समर्पित करता हूं। अगर पाकिस्तान ने फिर कोई पाप किया तो हमारी मिसाइलें आतंकियों को तबाह कर देंगीं। उन्होंने कहा- भारत पर वार करने वाला दुश्मन पाताल में भी नहीं बचेगा। ऑपरेशन सिंदूर में भारत के स्वदेशी हथियारों की ताकत पूरी दुनिया ने देखीं। ड्रोन, मिसाइलें, एयर डिफेंस ने आत्मनिर्भर भारत की ताकत को साबित किया। पाकिस्तान में तो इतना खौफ है कि ब्रह्मोस की आवाज भी आ जाए तो पाकिस्तान को नींद नहीं आती है। कांग्रेस और सपा पर निशाना साधते हुए पीएम ने कहा- कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर को तमाशा कहा है। क्या सिंदूर को कोई तमाशा कह सकता है। हमारी सेना का पराक्रम और बहनों के सिंदूर का बदला... तमाशा कहने की ये हिम्मत...ये निर्लज्जता...वोटबैंक और तुष्टीकरण की इस राजनीति में सपा भी पीछे नहीं है। सपा के नेता सांसद में कह रहे थे कि पहलगाम के आतंकियों को अभी क्यों मारा? अब बताइए, मैं फोन करके इनसे पूछूं। ये वही लोग हैं जब यूपी में सत्ता में थे तो आतंकियों को क्लीनचिट देते थे। बम धमाके करने वालों से मुकदमे वापस लेते थे। मैं काशी की धरती से कहना चाहता हूं। ये नया भारत है।भोलेनाथ को भी पूजता है। दुश्मनों के सामने काल भैरव भी बन जाता है। विरोधी संसद में कह रहे थे कि पहलगाम के आतंकियों को क्यों मारा? क्या सपा वालों को फोन करूं क्या? क्या आतंकियों को भागने का मौका देना चाहिए था?मोदी ने कहा- हम उन चीजों को खरीदेंगे, जिसे बनाने में किसी न किसी भारतीय

कश्मीर के कुलगाम में लश्कर आतंकी ढेर,14 लोकल टेररिस्ट्स की लिस्ट में था

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में कुलगाम के अखल जंगल में सुरक्षाबलों ने शनिवार को लश्कर-

ए-तैयबा के एक आतंकवादी को मार गिराया है। उसका शव भी बरामद हुआ है। आतंकी की पहचान पुलवामा के हारिस नजीर डार के रूप में हुई है। हारिस उन 14 लोकल आतंकियों की लिस्ट में था, जिनके नाम सरकार ने पहलगाम हमले के बाद 26 अप्रैल को जारी किए थे। हारिस सी-कैटेगरी का आतंकी था। उसके पास से एके-47 राइफल, मैगजीन और ग्रेनेड और गोला-बारूद बरामद हुआ है। कुलगाम में कल रात से सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच फायरिंग हो रही है। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप, जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और सीआरपीएफ 'ऑपरेशन अखल' को अंजाम दे रहे हैं। अभी और आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। एक अधिकारी ने बताया कि इलाके में आतंकी गतिविधि की गुप्त सूचना मिलने के बाद शनिवार को सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था। इस दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। जंगल में कुल कितने आतंकी छिपे हैं, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए इलाके में और सिक्योरिटी फोर्सेज को भेजा गया है। जम्मू-कश्मीर में इस हफ्ते की यह तीसरी मुठभेड़ है। इससे पहले, 28 जुलाई को सुरक्षाबलों ने ऑपरेशन महादेव के तहत, लिडवास के जंगलों में पहलगाम हमले में शामिल 3 आतंकियों को मारा था। 31 जुलाई को पुंछ में एलओसी के पास दो और आतंकी घुसपैठ के दौरान मारे गए थे।आतंकियों की लिस्ट जारी की थी, उनमें से अब तक 7 मारे गए हैं। हारिस नजीर को छोड़कर, बाकी के 6 आतंकी मई में शोपियां और पुलवामा में एनकाउंटर के दौरान मारे गए थे। शोपियां में 13 मई को ढेर किए गए आतंकियों के नाम शाहिद कुट्टे, अदनान शाफी, अहसान उल हक शेख थे। 15 मई को पुलवामा एनकाउंटर में आमिर नजीर वानी, यावर अहमद भट और आसिफ अहमद शेख मारा गया था।

बिहार में चुनाव आयोग की नजर अब उन 45 लाख वोटरों पर, जो 'जिंदा' लेकिन लिस्ट से कट गए नाम, जानिए वजह

पटना। बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले वोटर

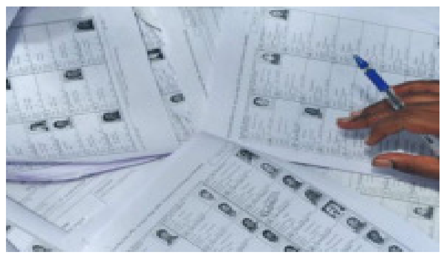

लिस्ट का ड्राफ्ट जारी कर दिया गया है। इसमें कई लोगों के नाम हटाए गए हैं। सबसे ज्यादा नाम पटना जिले से हटाए गए हैं। यहां 3.95 लाख लोगों के नाम हटाए गए हैं। इसके बाद मधुबनी जिले में 3.52 लाख लोगों के नाम हटाए गए हैं। पूर्वी चंपारण, गोपालगंज और समस्तीपुर भी टॉप पांच जिलों में शामिल हैं, जहां सबसे ज्यादा नाम हटाए गए हैं। चुनाव आयोग ने बिहार में 22 लाख वोटर को मृत घोषित कर दिया है। भारतीय निर्वाचन आयोग के अनुसार, 65 लाख से ज्यादा लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं। इनमें से 22 लाख लोग मर चुके हैं। बाकी 45 लाख लोगों के नाम इसलिए हटाए गए हैं, क्योंकि उन्होंने फॉर्म नहीं भरा था, वे दिए गए पते पर नहीं मिले या उन्होंने अपना पता बदल लिया था। चुनाव आयोग ने बताया कि इन 45 लाख लोगों के पास वोटर लिस्ट में वापस नाम जुड़वाने का मौका है। वे 1 सितंबर तक अपना नाम जुड़वाने के लिए अर्जी दे सकते हैं। कोई भी व्यक्ति या राजनीतिक पार्टी किसी गलत नाम को हटाने के लिए भी अर्जी दे सकता है। चुनाव अधिकारियों को 25 सितंबर तक सभी अर्जियों पर फैसला लेना होगा। इसके बाद 30 सितंबर को फाइनल वोटर लिस्ट जारी की जाएगी। वोटर लिस्ट में लोगों के नाम शामिल करने के लिए लगाए जाएंगे स्पेशल कैंप बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने जानकारी देते हुए बताया कि वे ज्यादा से ज्यादा लोगों को वोटर लिस्ट में शामिल करना चाहते हैं। इसके लिए स्पेशल कैंप लगाए जाएंगे। ये कैंप ब्लॉक और शहरी निकायों के ऑफिस में लगाए जाएंगे। यहां लोग अपने डॉक्यूमेंट जमा कर सकते हैं। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपील की है कि वे वोटर लिस्ट को सही बनाने में मदद करें। उन्होंने कहा, 'सभी राजनीतिक दलों से सहयोग की अपेक्षा है, ताकि वोटर लिस्ट सही हो।'

शिबू सोरेन की तबीयत फिर बिगड़ी,डायबिटीज, किडनी और हार्ट की समस्या,19 जून से दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में एडमिट हैं

रांची। दिल्ली के सर गंगाराम

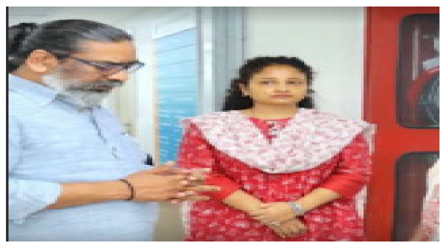

अस्पताल में इलाजरत दिशोम गुरु शिबू सोरेन की तबीयत शुक्रवार को एक बार फिर बिगड़ गई। डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी सेहत पर नजर बनाए हुए है। शुक्रवार को विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन की कार्यवाही खत्म होते ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन दिल्ली रवाना हो गए थे। कई गंभीर बीमारियों से जूझ रहे दिशोम गुरु- गुरुजी 19 जून से दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती हैं। 81 वर्षीय शिबू सोरेन ?डायबिटीज, किडनी और हृदय संबंधी बीमारियों से ग्रस्त हैं। उनके हार्ट की बायपास सर्जरी भी हो चुकी है। उन्हें बेहतर इलाज के लिए दिल्ली ले जाया गया था। तब से वे अस्पताल में हैं। बीच में ब्रेन स्ट्रोक और पैरालिसिस के कारण उनकी स्थिति गंभीर हो गई थी। लेकिन इसके बाद उनकी हालत में सुधार हुआ था।न्यूरोलॉजी, कार्डियोलॉजी और नेफ्रोलॉजी के विशेषज्ञ डॉक्टर उनका इलाज कर रहे हैं। विदेश के डॉक्टरों से भी परामर्श लिया जा रहा है। लेकिन पिछले ?कुछ दिनों से फिर स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव शुरू हो गया। शुक्रवार को तबीयत फिर ज्यादा बिगड़ गई। 24 जून से दिल्ली में डटे हैं सीएम हेमंत गौरतलब है कि गुरुजी के बीमार होने के कारण मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 24 जून से ही दिल्ली में डटे हुए हैं। सिर्फ जरूरी काम के लिए ही वे रांची आना-जाना कर रहे हैं। राष्ट्रपति के झारखंड दौरे और विधानसभा के मानसून सत्र को लेकर हेमंत सोरेन 30 जुलाई को ही रांची आए थे। अब वे एक बार फिर से दिल्ली पहुंच गए हैं।

मात्र एक रुपये में पाएं बीएसएनएल का नया सिम,स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 'फ्रीडम प्लान',बीएसएनएल में पोर्ट कराने का मौका

प्रयागराज। बीएसएनएल (भारत संचार निगम लिमिटेड) ने

अपने ग्राहकों के लिए एक नया 'फ्रीडम प्लान' पेश किया है। इस प्लान के तहत उपभोक्ता महज एक रुपये में नया बीएसएनएल का सिम कार्ड प्राप्त सकते हैं या अपने मौजूदा नंबर को बीएसएनएल में पोर्ट करवा सकते हैं। बीएसएनएल के प्रयागराज एवं कौशांबी के सभी ग्राहक सेवा केंद्रों पर यह सिम उपलब्ध है। बीएसएनएल का यह 'फ्रीडम प्लान' उन सभी नए ग्राहकों के लिए है, जो किफायती दरों पर बेहतरीन सेवाओं का लाभ उठाना चाहते हैं । इस प्लान का उद्देश्य ग्राहकों को बीएसएनएल के विश्वसनीय नेटवर्क और किफायती प्लान्स से जोड़ना है। क्या है खास इस प्लान में- कोई भी नया ग्राहक मात्र एक रुपये देकर नया बीएसएनएल सिम एवं पहला रिचार्ज पा सकता है। इसमें 2जीबी प्रतिदिन डाटा एवं असीमित वॉइस कॉल के साथ 30 दिनों की वैधता मिलेगी। अन्य ऑपरेटर से बीएसएनएल में पोर्ट करने के लिए भी सिर्फ एक रुपये का शुल्क लगेगा। बीएसएनएल नेटवर्क में आने वाले सभी उपभोक्ताओं को भी 2जीबी प्रतिदिन डाटा एवं असीमित वॉइस कॉल के साथ 30 दिनों की वैधता मिलेगी। एक अगस्त तक के लिए यह स्कीम- बीएसएनएल के प्रधान महाप्रबंधक बीके सिंह ने बताया, 'हमारा लक्ष्य हमेशा से ही ग्राहकों को सर्वोत्तम दूरसंचार सेवाएं प्रदान करना रहा है। 'फ्रीडम प्लान' इसी दिशा में एक और कदम है, जिससे अधिक से अधिक लोग बीएसएनएल परिवार से जुड़ सकें और हमारी सेवाओं का लाभ उठा सकें।' जन संपर्क अधिकारी आशीष गुप्ता ने बताया, ग्राहक इस प्लान का लाभ अपने नजदीकी बीएसएनएल ग्राहक सेवा केंद्र या अधिकृत बीएसएनएल रिटेलर आउटलेट पर जाकर उठा सकते हैं। यह प्लान सीमित समय के लिए 31 अगस्त तक उपलब्ध है।

तिजोरी ठीक करने के बहाने करते थे चोरी,प्रयागराज पुलिस ने 40 लाख के गहनों की चोरी का किया खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

प्रयागराज। पुलिस कमिश्नरेट की तेज़तर्रार कार्रवाई में एक बड़ी चोरी की

वारदात का खुलासा हुआ है। कर्नलगंज थाना, एसओजी नगर और सर्विलांस सेल नगर की संयुक्त टीम ने तिजोरी सुधारने के बहाने घरों में घुसकर की जा रही सुनियोजित चोरी का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में मध्यप्रदेश के धार जिले के रहने वाले तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके पास से करीब 40 लाख रुपये मूल्य की सोने-चांदी की ज्वेलरी, नकदी और अन्य कीमती सामान बरामद किया गया। आरोपियों की पहचान रोमी सिंह नारंग, जसवंत सिंह और राज सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार ये लोग अलग-अलग राज्यों के शहरों में खुद को लॉकर/तिजोरी ठीक करने वाले बताकर घरों में घुसते थे और मौके पाते ही घरों में रखे कीमती जेवरात व नकदी पर हाथ साफ कर देते थे। पुलिस को सूचना मिली कि पीड़ित के घर से पीली धातु और अन्य बहुमूल्य सामान चोरी हुआ है। सूचना पर आइसीसीसी की तकनीकी मदद से आरोपियों की लोकेशन ट्रैक कर कार्रवाई की गई और तीनों को धर दबोचा गया। इनके पास से 11 अंगूठी, 7 जोड़ी झुमकी, 3 लॉकेट, 2 मंगलसूत्र, 2 चेन, 3 नाक की बाली समेत कुल 300 से अधिक आभूषण और रु641 नकद बरामद किए गए।प्रेस नोट के अनुसार, पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 305(ए), 331(3)/112/3(5)/317(2) के तहत कार्रवाई की है और आगे की विधिक कार्यवाही जारी है। पुलिस टीम का शानदार समन्वय- इस कामयाबी में कर्नलगंज थाना, एसओजी नगर, सर्विलांस सेल नगर और आइसीसीसि की संयुक्त टीम का बड़ा योगदान रहा। इस कार्रवाई ने पुलिस की तकनीकी दक्षता और टीम वर्क को एक बार फिर साबित किया है।

प्रयागराज के 10 हजार घरों में घुसा पानी,प्रतियोगी विद्यार्थियों का पलायन शुरू, कई इलाकों में बिजली और इंटरनेट सेवाएं भी ठप

प्रयागराज। गंगा और यमुना नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ गया जिससे कई इलाकों को अपनी चपेट में ले लिया है। इन नदियों का रौद्र

रूप देखने को मिल रहा है, जिससे शहर के कई निचले इलाके जलमग्न हो गए हैं। अनुमान के मुताबिक करीब दस हजार से अधिक घरों में बाढ़ का पानी घुस चुका है, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में छोटा बघाड़ा, बड़ा बघाड़ा, सलोरी, शुक्ल मार्केट, गोविंदपुर, कैलाशपुरी, राजा पुर जैसे निचले क्षेत्र शामिल हैं। इन इलाकों में पानी इस कदर घुस गया है कि लोगों को घरों से निकलकर राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ रही है। जिला प्रशासन द्वारा तात्कालिक राहत के रूप में कई स्कूल और सामुदायिक भवनों को अस्थायी शिविरों में बदला गया है, जहाँ लोगों को भोजन, पीने का पानी और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।बाढ़ का सबसे ज्यादा प्रभाव उन प्रतियोगी छात्रों पर पड़ा है, जो इन क्षेत्रों में किराए के मकानों में रहकर विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी कर रहे थे। पानी घरों में घुसने के बाद वे अपना सारा सामान छोड़कर शहर के सुरक्षित हिस्सों की ओर पलायन कर रहे हैं। छात्र-छात्राओं ने बताया कि उन्हें अचानक घर छोड़ना पड़ा।प्रतियोगी छात्र अभिषेक मिश्रा सुल्तानपुर निवासी का कहना है की यहां हर साल बाढ़ आती है और हम छात्रों को पलायन करना पड़ता है जिससे 2 महीने की पढाई का नुकसान होती है और बाढ़ के बाद गन्दगी फ़ैल जाती है जिससे हम छात्र बिमारी भी झेलते हैं।वहीं भदोही के रहने वाले छात्र उमेश पाल का कहना है की हम छात्रों को ही सिर्फ झेलना पड़ता है ,स्टडी का काफी नुकसान होता है ,हम छात्र रोजगार के लिए परेशान हैं यहाँ पे गंदगी फैल रही, अब बाढ़ के बाद डेंगू ,मलेरिया फैलेगा हम बीमार होते हैं और छात्र के बारे में सरकार नहीं सोचती की हम कैसे रहते है।कई निचले इलाकों में पानी भरने के कारण बिजली और इंटरनेट सेवाएं ठप हो गई हैं।

प्रयागराज में फर्जी फूड इंस्पेक्टर पकड़ा गया,सिविल लाइंस में लोगों से कर रहा था वसूली, दुकानदारों को दे रहा था धमकी

प्रयागराज। शहर के सबसे पॉश इलाके सिविल लाइंस में फर्जी फूड इंस्पेक्टर बनकर रेहड़ी-पटरी दुकानदारों

से वसूली कर रहे एक व्यक्ति को सूचना पर पहुंचे आजाद स्ट्रीट वेंडर यूनियन के लोगों ने पकड़ लिया। पहले तो युवक ने खुद को फूड लाइसेंस करने वाला अधिकारी बताया,लेकिन जब कड़ाई से पूछताछ की गई और फूड सेफ्टी के अधिकारियों को बुलाने की धमकी दी गई तो उसने दुकानदारों को पैसा लौटना शुरू कर दिया। सड़क के दुकानदारों से वसूली कर रहा व्यक्ति ने पूछताछ में बताया कि उसका नाम सौरभ है। वह महात्मा गांधी मार्ग पर फूड लाइसेंस के नाम पर वसूली कर रहा था। पूरे मामले की जानकारी देते हुए प्रयागराज आजाद स्ट्रीट वेंडर यूनियन के प्रदेश महामंत्री टाउन वेंडिग कमेटी सदस्य रवि शंकर द्विवेदी ने बताया कि उनके पास कॉल आयी कि एक व्यक्ति दुकानदारों को हड़काकर उनसे फूड लाइसेंस के नाम पर वसूली कर रहा है। सूचना पर वह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। जहां उन्होंने आरोपी सौरभ से पूछा कि किस विभाग से हो और आदेश दिखाओ। इस पर वह गुमराह करने का प्रयास करने लगा। पुलिस व फूड विभाग को बुलाने के डर से उन सभी दुकानदारों के पैसे तत्काल वापस कर दिया। रवि शंकर द्विवेदी ने बताया सौरभ नाम के व्यक्ति द्वारा फुटपाथ दुकानदारों से फूड लाइसेंस के नाम पर 650 रुपये 1000 रुपये तक की अवैध वसूली कर रहा । भारत सरकार द्वारा फूड सेफ्टी एफएसएसएआई का लाइसेन्स मुफ्त कर दिया। कम जागरुकता के कारण दुकानदार इस प्रकार के गलत लोगों के चंगुल में फंस कर उत्पीड़न का शिकार होते हैं। उन्होंने इसके बाद खाद्य विभाग के उपायुक्त शुशील कुमार सिंह को फोन द्वारा सूचना देने पर फूड इंस्पेक्टर सरोज को भेजा। उन्हें पूरी जानकारी दी। सरोज ने भरोसा दिलाया कि ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जाएगी। स्थानीय पुलिस में भी यूनियन शिकायत करेगा।

संगम नगरी में गंगा-यमुना का जलस्तर खतरे के करीब,शहर में बारिश और बाढ़ से बढ़ी मुसीबतें,पीड़ितों को कहना काम करे या ज़रूरतों को पूरा करे

प्रयागराज। संगमनगरी में इन

दिनों हालात बिगड़ते जा रहे हैं। एक तरफ गंगा और यमुना नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, तो दूसरी तरफ बारिश ने लोगों की मुश्किलें और भी बढ़ा दी हैं। दोनों नदियां खतरे के निशान तक पहुंच चुकी हैं और लगातार और ऊपर जा रही हैं। इसके चलते शहर के कई इलाकों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। शनिवार सुबह से ही जोरदार बारिश हो रही है, जो देर रात से शुरू हुई थी। भारी बारिश और बाढ़ की आशंका को देखते हुए कई प्राइवेट स्कूलों में शनिवार को छुट्टी कर दी गई। कई स्कूलों को राहत शिविर में भी बदला जा रहा है, क्योंकि उनके आसपास के इलाके पानी में डूबने लगे हैं। शहर में डेंजर लेवल 84.734 मीटर माना जाता है। शनिवार सुबह 8 बजे तक यमुना नदी का जलस्तर 84.70 मीटर तक पहुंच गया। यानी खतरे के बिल्कुल पास। वहीं, गंगा का जलस्तर फाफामऊ में 84.68 मीटर और छतनाग में 84.05 मीटर हो गया है। बीते 24 घंटे में गंगा-यमुना दोनों का जलस्तर करीब डेढ़ मीटर तक बढ़ चुका है। प्रयागराज के कई मोहल्ले और गांव बाढ़ की चपेट में आ चुके हैं। खासकर शहर के छोटा बघाड़ा, सलोरी,अशोक नगर नेवादा, राजापुर, म्योराबाद, बेली कछार, दारागंज, रसूलाबाद जैसे इलाकों में लोगों के घरों में पानी घुस चुका है। कई लोगों को घर छोड़कर ऊंचे स्थानों की तरफ जाना पड़ रहा है। इनमे से कुछ पीड़ितों को से आधुनिक समाचार नेटवर्क की टीम ने बात की अशोक नगर नेवादा निवासी आशुतोष जी जो सिविल लाइन्स स्थित एक कॉर्पोरेट ऑफिस में काम करते हैं उनका कहना हैं बाढ़ आने की वजह से उनकी वृद्ध माता जी को कही और शिफ्ट करना पड़ा घर में काम करने वाला और कोई नहीं हैं स्वर्गवासी पति के चले जाने के बाद भोजन आदि की व्यवस्था भी खुद करना पड़ता हैं. ऐसे में सब्जी तरकारी लाना तक मुहाल हो गया हैं अब वो माकन बदलने की सोच रहे हैं। सदर तहसील के 33 मोहल्ले और फूलपुर, करछना, सोरांव, मेजा तहसील के कई गांव बाढ़ की जद में हैं। इनमें सराय मौज, फाफामऊ, झरियारी, सोनौटी, बदरा जैसे गांव

बाढ़ पीड़ित आशुतोष

शामिल हैं। इन जगहों पर प्रशासन राहत कार्य में जुटा है लेकिन पानी लगातार बढ़ता जा रहा है।प्रशासन की ओर से सचेत एप के जरिए अगले तीन घंटे के लिए तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने की भी संभावना है। मौसम विभाग ने इसे लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।बाढ़ के चलते न सिर्फ कई इलाकों में पानी भर गया है, बल्कि कुछ स्कूलों को राहत शिविर में भी बदला गया है। इससे शिक्षा व्यवस्था भी प्रभावित हुई है। बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए कई निजी स्कूलों ने शनिवार को छुट्टी घोषित कर दी है। लोगों की परेशानी बढ़ी, प्रशासन सतर्क घर में पानी घुसने से लोगों का जीना मुहाल हो गया है। रोज़मर्रा की जरूरतों को पूरा करना मुश्किल हो गया है। प्रशासन ने कुछ जगह नावें और राहत टीमें भेजी हैं, लेकिन हालात अभी पूरी तरह नियंत्रण में नहीं हैं। लोग बाढ़ से डरे हुए हैं और मौसम को लेकर चिंता बनी हुई है। अगर बारिश यूं ही जारी रही तो स्थिति और बिगड़ सकती है। लोगों को प्रशासन की ओर से अलर्ट रहने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी गई है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है और राहत व बचाव कार्य तेज किए जा रहे हैं।

लखनऊ में नशा देकर युवती से रेप,गर्भपात के बाद अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी, बीमारी में मदद के बहाने फंसाया था

प्रयागराज। राजधानी लखनऊ में एक प्राइवेट अस्पताल के कर्मचारी ने युवती को शादी का झांसा देकर उससे रेप किया। पीड़िता ने मड़ियांव थाने

में रिपोर्ट दर्ज कराई है जिसमें आरोपी के साथ उसकी मंगेतर और एक महिला डॉक्टर पर धमकी देने का आरोप भी शामिल है। पीड़िता के मुताबिक, आरोपी ने उसके नाना के इलाज में मदद के नाम पर नजदीकी बढ़ाई, फिर भरोसे को तोड़कर लगातार यौन शोषण करता रहा। विकासनगर निवासी 25 वर्षीय युवती अपने बीमार नाना का इलाज कराने कल्याणपुर स्थित प्राइवेट अस्पताल ले जाया करती थी। वहीं उसकी मुलाकात प्रयागराज मूल निवासी अस्पताल कर्मचारी शिवानंद सिंह से हुई। शिवानंद ने खुद को आईआईएम रोड स्थित सहारा सिटी होम का निवासी बताया और अस्पताल आने-जाने के दौरान युवती का मोबाइल नंबर ले लिया। बातचीत और मुलाकातों का सिलसिला शुरू हुआ और शिवानंद ने युवती को प्रेमजाल में फंसा लिया। 18 अप्रैल 2024 को वह युवती को अपने फ्लैट पर ले गया जहां उसे नशीला पेय पिलाकर रेप किया। यही नहीं, उसने पीड़िता की अश्लील फोटो और वीडियो भी मोबाइल में कैद कर लिए। होश में आने पर जब पीड़िता ने विरोध किया तो शिवानंद ने जल्द शादी करने का झांसा देकर उसे शांत कर दिया। लेकिन कुछ समय बाद पीड़िता गर्भवती हो गई। आरोप है कि आरोपी ने उसका जबरन गर्भपात करा दिया और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसका शारीरिक शोषण करने लगा। इसी बीच पीड़िता को पता चला कि शिवानंद की पहले से वर्षा नाम की लैब टेक्नीशियन से सगाई हो चुकी है। जब पीड़िता ने शादी की बात उठाई तो शिवानंद ने अपनी मंगेतर और एक कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अस्मिता की मदद से उसे धमकाना शुरू कर दिया। वर्षा ने उसे जिंदगी बर्बाद कर देने और जेल भिजवाने तक की धमकी दी। पीड़िता ने पूरे मामले की मड़ियांव थाने में तहरीर दी। इंस्पेक्टर शिवानंद मिश्र के अनुसार, आरोपी शिवानंद सिंह, उसकी मंगेतर वर्षा और डॉ. अस्मिता के खिलाफ यौन शोषण और धमकी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही पीड़िता का मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज कराया जाएगा।

कटौला, गौसपुर में सबसे अधिक 40 प्रतिशत की वृद्धि,प्रस्तावित सर्किल रेट में सिविल लाइंस से अधिक बढ़ा है शहर के सटे इलाकों के दाम

प्रयागराज। शहर में भवन और जमीन की रजिस्ट्री करना जल्द ही

महंगा होने जा रहा है। जिला प्रशासन की तरफ से नए प्रस्तावित सर्किल रेट को जल्द ही लागू करने की तैयारी है। इसमें खासबात यह है कि नए सर्किल रेट में सिविल लाइंस जैसे पौश इलाके से अधिक सर्किल रेट शहर से सटे इलाकों कटौला, गौसपुर, भगवतपुर के आस -पास इलाकों के बढ़े हैं। इन इलाकों में 40 प्रतिशत तक सर्किल रेट बढ़ाया गया है। जिससे विस्तारित क्षेत्रों में जमीनों के दाम पहले के मुकाबले लगभग दो गुना के करीब बढ़ सकते हैं। सिविल लाइंस के सर्किल रेट में सबसे ज्यादा 30 से 40 प्रतिशत तक की वृद्धि का प्रस्ताव रखा गया है। वहीं के अन्य इलाकों की बात करें तो इसमें मम्फोर्डगंज, टैगोर टाउन, जार्जटाउन आदि स्थानों पर 25 से 35 प्रतिशत तक की वृद्धि का प्रस्ताव है। पूरे जिले में 5 से 40 प्रतिशत तक बढ़ेगा सर्किल रेट- जिला प्रशासन की तरफ से प्रस्तावित सर्किल रेट में 5 से 40 प्रतिशत तक की वृद्धि की गई है। हालांकि उसको अलग-अलग कैटेगरी में बांटा गया है। इसमें आवासीय इलाके, व्यवसायिक और कृषि भूमि को अलग-अलग कैटेगरी में रखा गया है। इसके साथ ही सड़कों की चौड़ाई के हिसाब से भी इलाकों में सर्किल रेट का निर्धारण किया गया है। इसके साथ ही शहर के बाहर के इलाकों का सर्किल रेट निर्धारित किया गया है। इन इलाकों में अधिकतम 40 प्रतिशत तक की वृद्धि का प्रस्ताव रखा गया है।प्रयागराज जिले में कुल आठ तहसीलें हैं। यहां पर भी सर्किल रेट बढ़ाया गया है। शहर की सदर तहसील को छोड़कर अन्य सात तहसीलों में 5 से 30 प्रतिशत तक की वृद्धि का प्रस्ताव रखा गया है। इसके साथ ही तहसीलों के बाजारों का अलग सर्किल रेट बनाया गया है। जबकि कृषि और आवासीय इलाकों को अलग-अलग कैटेगरी नया सर्किल रेट निर्धारित किया गया है। अब तक पहुंची सिर्फ 17 आपत्तियांसर्किल रेट को लेकर मांगी गई आपत्तियों की बात करें तो जिला प्रशासन को अभी तक सिर्फ 17 आपत्तियां मिली है। इसमें चार बिल्डरों की तरफ दर्ज करायी गई हैं। इस बारे में अधिकारियों का कहना है कि इसको देखते हुए ही आपत्तियां को देने के समय को बढ़ा दिया। अब 13 अगस्त तक आपत्तियां लोग जमा कर सकते हैं। इसके बाद 14 अगस्त को आपत्तियों का निस्तारण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके बाद आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

दिल्ली भगदड़-रेल मंत्री बोले, सामान गिरने से हादसा हुआ था,बयान में 'भगदड़' शब्द नहीं,15 फरवरी को महाकुंभ में शामिल होने प्रयागराज जाने वालों की बढ़ी थी भीड़

नई दिल्ली। एक पैसेंजर के सिर पर रखा सामान गिरने से 15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़

हुई थी। सामान गिरने से यात्री सीढ़ियों पर गिर पड़े थे। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन के प्रश्न पर यह लिखित उत्तर दिया। हालांकि, उन्होंने शुक्रवार को राज्यसभा में दिए अपने जवाब में 'भगदड़' शब्द का इस्तेमाल नहीं किया। 15 फरवरी को महाकुंभ में शामिल होने प्रयागराज जाने के लिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ थी। इस दौरान हुई भगदड़ में 18 लोगों की जान गई थी जबकि 15 लोग घायल हुए थे। हादसे के कुछ दिन बाद रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि प्रयागराज जाने वाली कुंभ स्पेशल ट्रेन के प्लेटफॉर्म बदलने के अनाउंसमेंट से हादसा हुआ। रेल मंत्री ने शुक्रवार को बताया कि उस दिन स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ कंट्रोल करने के उपाय किए गए थे। उन्होंने बताया रात 8:15 बजे के बाद फुटओवर ब्रिज पर यात्रियों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ने लगी। कई यात्री अपने सिर पर बहुत ज्यादा सामान लादे हुए थे। इससे एफओबी पर आवाजाही प्रभावित हुई। एक यात्री के सिर से बहुत ज्यादा सामान गिरा और उसका दबाव प्लेटफार्म 14 और 15 की सीढ़ियों पर पड़ा। इससे सीढ़ियों पर यात्री लड़खड़ा गए और एक दूसरे पर गिर पड़े। इसी वजह से रात 8:48 बजे एफओबी-3 पर यह घटना घटी। रेल मंत्री ने मार्च में लोकसभा को बताया था कि हादसे वाले दिन रेलवे स्टेशन पर करीब 49 हजार जनरल टिकट बेचे गए थे। यह रोजाना के औसत से 13 हजार ज्यादा थे। आरपीएफ ने दिल्ली जोन को एक रिपोर्ट सौंपी थी। इसमें बताया गया था कि 15 फरवरी की रात करीब 8.45 बजे घोषणा की गई कि प्रयागराज जाने वाली कुंभ स्पेशल प्लेटफॉर्म नंबर 12 से रवाना होगी। कुछ देर बाद एक और घोषणा की गई कि कुंभ स्पेशल ट्रेन प्लेटफॉर्म 16 से रवाना होगी। इसके बाद भगदड़ की स्थिति बनी। रिपोर्ट के मुताबिक इस समय मगध एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म 14 पर और उत्तर संपर्क क्रांति एक्सप्रेस प्लेटफार्म 15 पर खड़ी थी। प्रयागराज एक्सप्रेस में चढ़ने के लिए यात्रियों की भीड़ भी प्लेटफॉर्म 14 पर मौजूद थी। यानी तीन ट्रेनों से आने-जाने वालों की भीड़ प्लेटफॉर्म पर पहले से मौजूद थी। घोषणा सुनकर यात्री प्लेटफॉर्म 12-13 और 14-15 से फुटओवर ब्रिज 2 और 3 के जरिए सीढ़ियां चढ़ने की कोशिश करने लगे। इस दौरान मगध एक्सप्रेस, उत्तर संपर्क क्रांति और प्रयागराज एक्सप्रेस के यात्री सीढ़ियों से उतर रहे थे। धक्का-मुक्की के बीच कुछ यात्री फिसलकर सीढ़ियों पर गिर गए और भगदड़ मच गई। भगदड़ के 3 चश्मदीदों के बयान- पुलिस ने कहा- जान बचानी है तो लौट जाओः प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि स्टेशन

पर इतनी भीड़ थी कि पैर रखने की जगह नहीं थी। ट्रेन में लोग ठुंसे हुए थे। चुनिंदा पुलिस वाले दिख रहे थे। पुलिस वाले लोगों से बोल रहे थे कि जान बचानी है तो लौट जाइए। आप लोगों के पैसे नहीं गए हैं। आपकी जान बची है। कन्फर्म टिकट वाले भी डिब्बे में नहीं घुस सकेः प्रयागराज जा रहे प्रमोद चौरसिया बताया कि मेरे पास पुरुषोत्तम एक्सप्रेस के स्लीपर का टिकट था, लेकिन इतनी भीड़ थी कि कन्फर्म टिकट वाले भी डिब्बे में नहीं घुस पा रहे थे। वहां इतनी धक्का-मुक्की थी कि हम जैसे-तैसे भीड़ से बाहर निकल सके। ट्रेनों के कैंसिल और लेट होने से भीड़ बढ़ीः प्रत्यक्षदर्शी धर्मेंद्र सिंह ने बताया, 'मैं भी प्रयागराज जा रहा था। दो ट्रेनें पहले से ही देरी से चल रही थीं, कुछ रद्द कर दी गई थीं। इसलिए स्टेशन पर बेतहाशा भीड़ थी। मैंने जिंदगी में पहली बार इस स्टेशन पर इतनी भीड़ देखी। मैंने खुद छह-सात महिलाओं को स्ट्रेचर पर ले जाते हुए देखा।'रेल मंत्री ने बताया कि मृतक के परिवार को 10 लाख रुपए, गंभीर रूप से घायलों को 2.5 लाख रुपए और साधारण रूप से घायलों को 1 लाख रुपए का मुआवजा दिया गया। 33 पीड़ितों और उनके परिवार के सदस्यों को कुल 2.01 करोड़ रुपए का मुआवजा दिया गया। उन्होंने बताया कि भीड़ को बेहतर ढंग से कंट्रोल करने के लिए रेलवे ने नए उपाय किए हैं। 73 स्टेशनों पर स्थायी होल्डिंग एरिया, कन्फर्म टिकट वाले यात्रियों के लिए एंट्री कंट्रोल, चौड़े फुट ओवरब्रिज, सीसीटीवी कैमरे और प्रमुख स्टेशनों पर वॉर रूम बनाए गए हैं।

काशी में मोदी बोले- सिंदूर के बदले का वचन पूरा,भारत पर वार करने वाला पाताल में भी नहीं बचेगा, कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर को तमाशा कहा

का पसीना बहा है। हमें वोकल फॉर लोकल मंत्र को अपनाना होगा। ***आगे की खबर पेज न. दो पे..***

हम संकल्प लें कि मेक इन इंडिया प्रोडक्ट को बढ़ावा देंगे। हमारे घर में जो भी नया सामान आया, वो स्वदेशी ही होगा।ये जिम्मेदारी हर नागरिक को ही लेनी होगी। मैं दुकानदार भाइयों से आग्रह करता हूं, जब दुनिया इस तरह की अस्थिरता से गुजर रही है तो हम सिर्फ स्वदेशी माल ही बेचेंगे। साथियों, ये स्वदेशी माल बेचेंगे का संकल्प देश की सच्ची सेवा होगी। हर पल अब स्वदेशी ही खरीदेंगे।मोदी ने काशी में 2,200 करोड़ रुपए के 52 प्रोजेक्ट लॉन्च किए। साथ ही देशभर के किसानों के लिए सम्मान निधि की 20वीं किस्त के 20,500 करोड़ रुपए जारी किए। पीएम ने दालमंडी प्रोजेक्ट को भी लांच किया। इससे, बाबा विश्वनाथ का एक और विकसित रास्ता तैयार होगा।पीएम की जनसभा में काली शर्ट पहनकर आए लोगों को एंट्री नहीं मिली। सपा नेता अजय फौजी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया- पुलिस ने मुझे घर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस चौकी पर बैठाया है। इसके अलावा बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी के जिलाध्यक्ष जितेंद्र यादव मलिक को रामनगर पुलिस ने हाउस अरेस्ट किया है।हम उन चीजों को खरीदेंगे, जिसे बनाने में किसी भारतीय का पसीना बहा हो मोदी ने कहा- हम उन चीजों को खरीदेंगे, जिसे बनाने में किसी न किसी भारतीय का पसीना बहा है। हमें वोकल फॉर लोकल मंत्र को अपनाना होगा। हम संकल्प लें कि मेक इन इंडिया प्रोडक्ट को बढ़ावा देंगे। हमारे घर में जो भी नया सामान आया, वो स्वदेशी ही होगा। ये जिम्मेदारी हर नागरिक को ही लेनी होगी। मैं दुकानदार भाइयों से आग्रह करता हूं, जब दुनिया इस तरह की अस्थिरता से गुजर रही है तो हम सिर्फ स्वदेशी माल ही बेचेंगे। साथियों, ये स्वदेशी माल बेचेंगे का संकल्प देश की सच्ची सेवा होगी। हर पल अब स्वदेशी ही खरीदेंगे।मोदी ने कहा- कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर को तमाशा कहा है। क्या सिंदूर को कोई तमाशा कह सकता है? हमारी सेना का पराक्रम और बहनों के सिंदूर का बदला... तमाशा कहने की ये हिम्मत...ये निर्लज्जता कांग्रेस ने की। वोटबैंक और तुष्टीकरण की इस राजनीति में सपा भी पीछे नहीं है। सपा के नेता सांसद में कह रहे थे कि पहलगाम के आतंकियों को अभी क्यों मारा? अब बताइए, मैं फोन करके इनसे पूछूं। ये वही लोग हैं, जो यूपी में सत्ता में थे, तो आतंकवादियों को क्लीनचिट देते थे। आतंकियों के मुकदमे वापस लेते थे। अब आतंकियों के मारे जाने पर इन्हें दुख होता है। मैं इन लोगों को काशी की धरती से कहता हूं- ये नया भारत है। ये नया भारत भोलेनाथ को भी पूजता है

और देश के दुश्मनों के सामने कालभैरव भी बन जाता है।मोदी ने कहा- पाकिस्तान के कई सारे एयरबेस आज भी आईसीयू में पड़े हैं। पाकिस्तान दुखी है। ये तो सब कोई समझ सकता है, लेकिन पाकिस्तान का ये दुख सपा और कांग्रेस से सहन नहीं हो रहा। उधर, आतंक का आका रोता है। इधर कांग्रेस-सपा वाले आतंकियों की हालत देखकर रोते हैं। कांग्रेस हमारी सेनाओं के पराक्रम का लगातार अपमान कर रही है।पीएम ने कहा- भाइयों-बहनों दुर्भाग्य से ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर हमारे देश के कुछ लोगों को भी पेट में दर्द हो रहा है। ये कांग्रेस पार्टी, उनके चेले-चपाटे, उनके दोस्त इस बात को पचा नहीं पा रहे कि भारत ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया।मोदी ने कहा- आज महादेव की नगरी में विकास और जनकल्याण के इतने काम हुए हैं। शिव का अर्थ ही यही होता है- कल्याण। लेकिन, शिव का दूसरा रूद्र रूप है। सामने जब आतंक और अन्याय होता है तो हमारे महादेव रूद्र रूप धारण करते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने भारत का यही रूप देखा है। भारत पर जो वार करेगा, वो पाताल में भी नहीं बचेगा।मोदी ने कहा-हमारा देश में तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है। अब तक डेढ़ करोड़ से ज्यादा लखपति दीदी बन चुकी है। लक्ष्य का आधा काम पूरा कर लिया। ये आंकड़ा सुनकर सपा वाले साइकिल लेकर भाग जाएंगे। सरकार के ड्रोन दीदी अभियान ने लाखों लोगों की आय बढ़ाई है।मोदी ने कहा- कुछ दिनों पहले मैं तमिलनाडु में था। मैं वहां एक हजार साल पुराने एक ऐतिहासिक गंगाईकोंडा चोलापुरम मंदिर गया था। ये मंदिर हमारे देश के महान और प्रसिद्ध राजा राजेंद्र चोल ने बनवाया था। उन्होंने उत्तर भारत से गंगाजल मंगवाकर उत्तर से दक्षिण को जोड़ा था। हजार साल पहले अपनी शिव भक्ति से राजेंद्र चोल ने एक भारत-श्रेष्ठ भारत का उद्घोष किया। आज काशी-तमिल संगमम जैसे प्रयासों से हम उसे आगे बढ़ा रहे हैं।देश की एकता की हर बात नई चेतना जगा देती है, तभी तो ऑपरेशन सिंदूर सफल होता है। 140 करोड़ देशवासियों की एकता ऑपरेशन सिंदूर की ताकत बढ़ा देती है। मैं यहां सरकार के सभी अधिकारियों को बधाई देता हूं, ताकि वे युवा पीढ़ी को जोड़कर भारत के विकास में योगदान दें। कई तरह की प्रतियोगिता हो रही, जो इसमें हिस्सा ले रहे, उन्हें शुभकामनाएं। हमारी सरकार किसानों के हित में निरंतर काम कर रही है। लेकिन, पहले की सरकारों में किसानों के नाम पर एक भी घोषणा पूरी होना मुश्किल होता था। भाजपा सरकार जो कहती है, वो करके दिखाती है। आज पीएम किसान सम्मान निधि सरकार के पक्के इरादों को उदाहरण बन चुकी है। आपको याद होगा 2019 में जब पीएम किसान सम्मान निधि शुरू हुई तो सपा-कांग्रेस जैसे विकास विरोधी लोग कैसी-कैसी अफवाहें फैला रहे थे। किसानों को उलझन में डाल रहे थे। कोई कहता- मोदी भले योजना लाया, जैसे 2019 का चुनाव जाएगा, सब बंद हो जाएगा... कैसा झूठ बोलते हैं। यही दुर्भाग्य है कि निराशा की गर्त में डूबा हुआ विरोधी मानसिकता वाले लोग ऐसी की झूठी सच्चाई को लेकर जी रहे हैं। पीएम किसान सम्मान निधि की एक भी किस्त बिना ब्रेक के जारी है। आज तक पौने चार लाख करोड़ रुपए किसानों के खाते में भेजे जा चुके हैं। इसमें यूपी के ढाई लाख करोड़ किसानों को फायदा हुआ है। बिना किसी कट कमीशन और बिचौलिया के सीधे ये पैसे किसानों के खाते में पहुंचे हैं।मोदी ने कहा- इन दिनों काशी में गंगाजल लेकर जाते हुए शिव भक्तों की तस्वीरें देखने को मिलती हैं। खासकर सावन के पहले सोमवार को जब हमारे यादव बंधु बाबा का जलाभिषेक करने निकले तो उनका समूह कितना मनोरम होता है। डमरू की आवाज गलियों में कोलाहल की अद्भुत भाव प्रकट करता है। मेरी भी बहुत इच्छा थी कि सावन में बाबा विश्वनाथ और मार्कण्डेय महादेव के दर्शन करूं, लेकिन मेरे वहां जाने से महादेव के भक्तों को असुविधा न हूं, इसलिए मैं आज यहीं से भोलेनाथ और मां गंगा को प्रणाम कर रहा हूं। हम सेवापुरी के ई-मंच से बाबा विश्वनाथ के प्रणाम करत हई। नमः पार्वती पतये, हर-हर महादेव।काशी की जनता मेरी मालिक, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता महादेव को समर्पित मोदी ने कहा- काशी के मेरे मालिक जनता-जनार्दन...सावन का महीना हो, काशी हो... देशभर के किसानों से जुड़ना हो। इससे बड़ा मौका क्या हो सकता है। आज मैं ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार काशी आया हूं। जब 22 अप्रैल को पहलगाम में हमला हुआ था। 26 निर्दोष लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। उनके परिवार की पीड़ा, उन बेटियों की वेदना...मेरा हृदय बहुत तकलीफ से भर गया। तब मैं बाबा विश्वनाथ से यही मना रहा था कि सभी पीड़ित परिवार को यह दुख सहने की हिम्मत दें। काशी के मेरे मालिकों मैंने अपनी बेटियों के सिंदूर का बदला लेने के लिए जो वचन दिया था, वो भी पूरा हुआ है। ये महादेव के आशीर्वाद से ही पूरा हुआ है। मैं ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को उनके चरणों में समर्पित करता हूं। मोदी ने नमः पार्वती पतये, हर-हर महादेव के साथ संबोधन की शुरुआत की। भोजपुरी में कहा- सावन के पावन महीने में आज हमके काशी के हमरे परिवार के लोगन से मिलय का अवसर मिलल हय। हम काशी के हर परिवार जन के प्रणाम करत हई।पीएम मोदी ने दिव्यांग क्रिकेटर संतोष कुमार पांडेय को स्पोर्ट्स व्हील चेयर दी। उनसे हालचाल पूछा और पीठ थपथपाकर हौसला बढ़ाया।काशी की 2000 से अधिक दिव्यांगों को मोदी ने सहायक उपकरण बांटे। कुछ दिव्यांगों को मोदी ने मंच पर बुलाकर सहायक उपकरण दिया। आंख से दिव्यांग बबली को मोदी ने नो विजन चश्मा दिया। बबली को मोदी ने खुद चश्मा पहनाया। उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। बात की और हाथ जोड़कर बबली का अभिवादन किया।

मैहर में बिना लाइसेंस के 5फीसदी ब्याज दर में हो रही लेन देन

मैहर। सुंदरलाल वर्मा जो की पूर्व में तहसीलदार के बाबू रह चुका हैं। बिना लाइसेंस के 5प्रतिशत ब्याज दर पर चल रहा पैसा हमारे देश में बिना लाइसेंस ब्याज पर पैसे देना कानूनन अपराध हैं। इसके तहत दोषी पाए जाने पर आर्थिक जुर्माना एवं कारावास की सजा हो सकती हैं। बैंक एवं अन्य वित्तीय संस्थाओं को मनी लैंडिंग ऐक्ट के तहत लाइसेंस लेना अनिवार्य हैं। एक प्रकरण सामने आया है जो की कुछ वर्ष पूर्व में सुंदरलाल कुशवाहा को आवश्यकता पड़ने पर 100000 रुपया 5फीसदी ब्याज दर पर 03/05/2017 को लिया था और 15 जून 2017 को ब्याज सहित वापस करने का वादा किया था समय पर वापस न कर पाने के कारण सुंदरलाल कुशवाहा ने अपने निजी भूमि 0.617 आरे ब्याज के तौर पर सुंदरलाल वर्मा को गिरवी रख दिया था इसके बाद पैसे की व्यवस्था कर सुंदरलाल कुशवाहा ने सुंदरलाल वर्मा को 1लाख वापस करना चाहा तो सुंदरलाल वर्मा ने 3 लाख 60 हजार की डिमांड किया तब सुंदरलाल कुशवाहा 3 लाख 60 हजार की राशि ना दे सका तो सुंदरलाल वर्मा ने न्यायालय में सिविल प्रक्रिया संहिता के तहत मुकदमा कम कर दिया अब सवाल यह उठता है कि बिना लाइसेंस के ब्याज पर पैसा सुंदरलाल वर्मा कैसे चला सकता है।

देवतुल्य कार्यकर्ता ने भाजपा यमुनापार जिलाध्यक्ष के जन्मदिन पर मिष्ठान खिलाकर दीर्घायु की कामना कर बधाइयां दी।

नैनी प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व कनिष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय श्रीवास्तव, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह ने संयुक्त नेतृत्व में जिलाअध्यक्ष जमुनापार राजेश शुक्ला के निवास

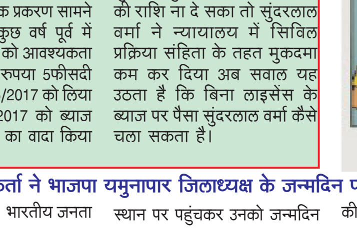

स्थान पर पहुंचकर उनको जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए पुष्पगुच्छ-माल्यार्पण,अंगवस्त्रम भेट करके उनका हार्दिक स्वागत वन्दन अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर काशी क्षेत्र अल्पसंख्यक मोर्चा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह,वरिष्ठ भाजपा नेता पूर्व मंडल अध्यक्ष पृथ्वी पाल सिंह,मंडल अध्यक्ष चक्र अमित मिश्रा,वरिष्ठ भाजपा नेता नैनी सार्वजनिक नैनी मानस रामलीला समिति के उपाध्यक्ष राजेश थापा, नैनी मंडल अध्यक्ष नीरज शर्मा, महामंत्री उमेश सेन,पंडित दामोदर प्रसाद तिवारी,राजू शुक्ला,डॉ सुभाष कुशवाहा,महामंत्री विमलेश मिश्रा, बाबूजी यादव,दलजीत कौर, हरमनजी सिंह साहित शुभचिंतक उपस्थित रहे।

पहलवानों के लिए देवदूत बने सतपाल लगातार कर रहे हैं मदद

नोएडा। बहलोलपुर स्थित भोला पहलवान अखाड़े में शुक्रवार को अंडर-23 जिला स्तरीय कुश्ती ट्रायल किया

गया इस कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष सतपाल यादव बुद्ध नगर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होने कहा कि कुश्ती हमारी संस्कृति और अनुशासन की पहचान है। बहलोलपुर की यह धरती पहलवानों की कर्मभूमि है, यहाँ से निकलने वाले युवा ही भविष्य में देश का नाम रोशन करेंगे।इस दौरान बच्चों से 200 एंट्री फीस ली जाती है, लेकिन सतपाल यादव ने सभी बच्चों की नांमाकन फीस माफकराकर बच्चों की दिल जीत लिया और एकमुष्त राशि गुरु चतर सिंह को प्रदान की इससे सभी बच्चों को बिना शुल्क दिए प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिला। इसके पहले कई पहलवानों को एक-एक लाख रुपये धनराशि प्रदान कर चुके हैं। सतपाल ने बताया कि हम साल एक बडे दंगल का आयोजन करते है जिसमें 35 से 40 लाख रुपये पहलवानों को वितरित किए जाते है हमारा उद्देश्य है कि जिले का कोई भी पहलवान पैसे कमी के कारण अपना सपना पूरा करने से वंचित न रहे इसलिए लगातार मदद की जा रही है।

सेवानिवृत्त कर्मचारी आशुलिपिक पद हेतु 11 अगस्त तक कर सकते है आवेदन

रायबरेली। पीठासीन अधिकारी, मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण डी.के. तिवारी ने बताया है कि मोटर

दुर्घटना दावा अधिकरण, रायबरेली के न्यायालय के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश परिवहन अनुभाग -3 द्वारा सेवानिवृत्त कार्मिकों आशुलिपिक के पद पर संविदा के आधार पर रखे जाने हेतु निर्णय लिया गया है कि सेवानिवृत्त कार्मिकों को संविदा के रूप में मिलने वाली राशि सम्बन्धित कार्मिक के अंतिम आहरण वेतन में से शुद्ध पेंशन की धनराशि (राशिकरण के पूर्व यदि को हो) को घटाने पर प्राप्त होने वाली राशि के बराबर होगी। इसके लिए प्रत्येक जनपद में पीठासीन अधिकारी, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया है। चयन के समय न्यायालीय कार्यों से भिज्ञ सेवानिवृत्त कार्मिकों को वरीयता दी जायेगी। पूर्णकालिक/सेवा स्थानान्तरण/प्रतिनियुक्ति कार्मिकों की तैनाती होने के उपरान्त उक्त व्यवस्था स्वतः समाप्त समझी जायेगी। पीठासीन अधिकारी, मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने बताया है कि इसी क्रम में इस न्यायालय में तैनात आशुलिपिक की आयु 65 वर्ष पूरी होने के उपरान्त 30 जून 2024 को उनका कार्यकाल पूरा हो गया। जिस कारण इस अधिकरण में कार्यरत आशुलिपिक का पद 01 जुलाई 2024 ई0 से रिक्त हो गया। इस कारण इस अधिकरण में कार्य संचालन के लिए शासन द्वारा स्वीकृत आशुलिपिक पद पर सेवानिवृत्त, योग्य, इच्छुक कर्मचारी, जिनको हिन्दी तथा अंग्रेजी टंकण एवं आशुलिपि का ज्ञान हो, द्वारा अपना आवेदन पत्र सम्पूर्ण अभिलेखों के साथ 11 अगस्त 2025 ई0 तक कार्यालय मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, रायबरेली में प्रस्तुत कर सकते हैं।नोट- पीठासीन अधिकारी, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, रायबरेली की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा लिया गया निर्णय अंतिम होगा तथा सेवा शर्त उपरोक्तानुसार होगी। सेवानिवृत्त कर्मचारियों द्वारा निर्धारित प्रारूप पर आवेदन कार्यालय में 10.00 बजे से सांय 5.00 बजे तक व्यक्तिगत उपस्थित होकर प्रस्तुत किया जायेगा, जिसका परीक्षण समिति द्वारा किया जायेगा। उपयुक्त आवेदनपत्रों के प्राप्त होने पर सम्बन्धित सेवानिवृत्त कार्मिकों को साक्षात्कार हेतु उनके मोबाइल पर सूचना प्रेषित की जायेगी तथा कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर साक्षात्कार हेतु नियत की गयी तिथि की सूचना चस्पा की जायेगी। उक्त के संबंध में अधिक जानकारी के लिए कार्यालय मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, रायबरेली से संपर्क कर सकते हैं।

फेलिक्स हॉस्पिटल की ओर से आयोजित होगा मेडिटेशन वर्कशॉप मैनिफेस्ट योर वे टू सक्सेस

3 अगस्त को सेक्टर-91 स्थित पंचशील बालक इंटर कॉलेज में होगा आयोजन

नोएडा। मानसिक स्वास्थ्य के लिए फेलिक्स हॉस्पिटल्स द्वारा पहली बार दिल्ली एनसीआर में 'मैनिफेस्ट योर वे टू सक्सेस' नामक एक दिवसीय मेडिटेशन वर्कशॉप का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम रविवार 3 अगस्त को सुबह 9:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक सेक्टर-91 स्थित पंचशील बालक इंटर कॉलेज के परिसर में आयोजित होगा। इस विशेष वर्कशॉप के मुख्य अतिथि नोएडा के विधायक और उत्तर प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष पंकज सिंह जी होंगे। कार्यक्रम का संचालन और मेंटरिंग पिरामिड वैली इंटरनेशनल के चेयरमैन श्रेयंस डागा करेंगे। फेलिक्स हॉस्पिटल्स के चेयरमैन डॉ. डी के गुप्ता का कहना है कि आधुनिक जीवन की तेज रफ्तार और बढ़ते तनाव के बीच मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है। प्राचीन समय से ध्यान, साधना और आध्यात्मिक शिक्षाओं को मानसिक स्वास्थ्य और आंतरिक संतुलन बनाए रखने के लिए अचूक साधन माना गया है। इसी उद्देश्य के तहत इस वर्कशॉप का आयोजन किया जाएगा ताकि लोग अपने विचारों और जीवन को सकारात्मक दिशा में मोड़ सकें। जिसमें श्रेयंस डागा आध्यात्मिक शिक्षाओं और लाइफ ट्रांसफॉर्मेशन कोचिंग के बारे में बताएंगे। वह अब तक 20 लाख से अधिक लोगों को मेडिटेशन, श्वास क्रिया (ब्रीदवर्क) और जागरूक जीवन शैली के ज़रिए सशक्त कर चुके हैं। आयोजन का मकसद प्राचीन भारतीय ज्ञान को आज के युग के हिसाब से सरल भाषा और तकनीकों के माध्यम से प्रस्तुत करना

है। जिससे हर व्यक्ति अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन महसूस कर सके। वर्क शॉप में गाइडेड मेडिटेशन के जरिए मन की शांति और ऊर्जा का अनुभव के बारे बताया जाएगा। ब्रीद वर्क तकनीकों से मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाने व पॉजीटिव थिंकिंग और लाइफ मैनिफेस्टेशन के जरिए लक्ष्य प्राप्ति के मार्ग को आसान बनाने के बारे में बताया जाएगा। इस तरह की पहल आज के समय की जरूरत है।जिससे समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो और लोग अपने जीवन में नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें। आजकल की भागदौड़ और तनाव भरी ज़िंदगी में मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण है। इस वर्कशॉप के माध्यम से हम चाहते हैं कि लोग स्वयं को भीतर से जानें, अपनी शक्ति को पहचानें और खुशहाल जीवन की ओर बढ़ें। पहल का मकसद प्रतिभागियों को अपने जीवन में स्थायी रूप से सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करना है। आध्यात्मिक गुरु से सीधा संवाद कर प्रतिभागी इस वर्कशॉप के कई फायदे हैं, जो हर उम्र और पेशे के व्यक्ति के लिए उपयोगी साबित होंगे। सबसे पहले, यहां गाइडेड मेडिटेशन और ब्रीदवर्क तकनीकों के जरिए मानसिक तनाव कम करने और मन को स्थिर रखने के तरीके सिखाए जाएंगे। इससे नींद की गुणवत्ता में सुधार, एकाग्रता बढ़ने और भावनात्मक संतुलन कायम रखने में मदद मिलती है। दूसरे पॉजीटिव थिंकिंग और लाइफ मैनिफेस्टेशन जैसे व्यावहारिक सत्रों के माध्यम से प्रतिभागी अपनी सोच को सकारात्मक दिशा में मोड़ सकेंगे। इससे करियर, रिश्तों और व्यक्तिगत जीवन में नई ऊर्जा और स्पष्टता आती है। तीसरा श्री श्रेयंस डागा जैसे अनुभवी आध्यात्मिक गुरु से सीधा संवाद कर प्रतिभागी अपने मन के सवालों का समाधान पा सकते हैं। इससे आत्मविश्वास बढ़ता है और जीवन में नई दृष्टि विकसित होती है। आधुनिक जीवन की तेज रफ्तार और बढ़ते तनाव के बीच यह वर्कशॉप न केवल मानसिक शांति देती है। बल्कि शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित कर व्यक्ति को भीतर से सशक्त बनाती है।

डीएम की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड,विकास एवं निर्माणाधीन कार्यो की समीक्षा बैठक सम्पन्न

आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर बिजली विभाग को लगाई फटकार

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में जनपद के हर पात्र व्यक्ति को सरकार की योजनाओं से लाभान्वित करने के

उद्देश्य से सीएम डैशबोर्ड, विकास कार्यों एंव निर्माणाधीन विकास कार्यो की जून माह की समीक्षा बैठक हुई। यह बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। जहाँ खाद्य एवं रसद ,वाणिज्य कर,समाज कल्याण, प्रोबेशन, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित पेंशन योजना आदि संचालित योजनाओं में रैंकिंग संतोषजनक पाई गई। वहीं माध्यमिक शिक्षा सहित अन्य अवशेष विभागों की रैंकिंग संतोषजनक न पाये जाने पर अधिकारियों को दायित्व के साथ कार्य करके लक्ष्यों को पूरा करने की डीएम ने चेतावनी दी है। साथ ही कहा कि उदासीन अधिकारियों की वजह से यदि रैंकिंग खराब होगी, तो उनके विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी वहीं जिलाधिकारी ने कहा कि विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं द्वारा जिले में जो भी निर्माणाधीन विकास कार्य कराए जा रहे है, वे गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें, निर्माण कार्यो को समय-सीमा के अन्दर पूरा करायें।निर्माणाधीन विकास कार्यो के निर्माण कार्य प्रारम्भ होने से पूर्व जो शर्ते होती है। उनका पालन करें। यदि गुणवत्ता में कमी पायी गई, तो सम्बन्धित कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों व अभियंताओं पर कार्रवाई होगी। जनता के हित में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर जन-जन को लाभान्वित किया जाए। प्रतिदिन सभी अधिकारी आईजीआरएस और सीएम डैशबोर्ड पर अंकित प्रगति स्वयं देखें। इस दौरान यदि उन्हें कोई भी समस्या या शिकायत लम्बित पायी जाती है, तो तत्काल निराकरण भी करें। जिन विभागीय अधिकारियों के प्रगति के आंकड़ों में यदि अन्तर है, तो वे अपने विभाग से सम्बन्धित उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाकर आंकड़ों को दुरुस्त करा लें। आईजीआरएस की समीक्षा करते हुए उन्होंने पाया कि बिजली विभाग द्वारा समस्याओं का समय से निस्तारण नहीं कराया जा रहा है। इस पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई। और कहा कि समस्याओं का शीघ्र निस्तारण कराकर अवगत कराए। उन्होंने ने कहा कि सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग पुनः आगामी माह में जारी होगी। सभी सम्बन्धित विभागीय अधिकारी अपने-अपने विभाग की लम्बित शिकायतों को जरूर दूर कर दें। ताकि आने वाली माह की रैंकिंग में जिले को बेहतर स्थान मिल सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, अपर जिला अधिकारी वित्त एवं राजस्व अमृता सिंह, परियोजना निदेशक सतीश प्रसाद मिश्रा सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

'नेकी का दोना-पत्तल' - सेवा, संवेदना और सादगी का संगम

नोएडा। नेकी का डब्बा फाउंडेशन द्वारा संचालित मानवीय पहल 'नेकी का दोना-पत्तल' ने एक बार फिर अपनी करुणा भरी सोच के साथ

ज़रूरतमंदों के दिलों को छुआ। 1 अगस्त को समृद्धि ग्रैंड एवेन्यू सोसाइटी में आयोजित इस सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग 300 वंचितों को गरम, ताज़ा और पौष्टिक भोजन ससम्मान परोसा गया। इस पुनीत आयोजन की प्रेरणा बने प्रदीप कुमार गुप्ता, जिनके सहयोग और समर्पण से यह सेवा संभव हो सकी। यह कार्यक्रम उनके परिवार द्वारा एक विशेष अवसर को समाजसेवा से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का संचालन कर रहीं उर्वशी मसंद ने बताया कि 'यह केवल भोजन वितरण नहीं है, यह रिश्तों को जोड़ने, दर्द को समझने और समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व को निभाने का एक भावनात्मक प्रयास है।' संस्था के संस्थापक गिरीश चंद्र शुक्ला जी ने कहा कि 'नेकी का दोना-पत्तल' अब एक अभियान से आगे बढ़कर जन-आंदोलन बनता जा रहा है। लोग अपने जीवन के खास अवसर जैसे जन्मदिन, पुण्यतिथि आदि को इस सेवा के माध्यम से अधिक अर्थपूर्ण बना रहे हैं। पर्यावरण के प्रति जागरूकता दिखाते हुए इस आयोजन में भोजन पारंपरिक पत्तलों और दोनों में परोसा गया, जिससे प्लास्टिक और थर्माकोल जैसी हानिकारक सामग्रियों का पूर्णतः बहिष्कार किया गया। इस सेवा यज्ञ में अनेक समाजसेवियों ने भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया। इनमें शामिल रहने वालों में प्रदीप कुमार गुप्ता, सरिता देवी गुप्ता, जी.के. नायर, विजय प्रशार, रेनू प्रशार, ददन सिंह, कुशल किशोर, डी.एन. सेठ, कमल किशोर, उर्वशी मसंद एवं गुप्ता परिवार के अन्य सदस्य थे।

एन.पी.एस.-यू.पी.एस. व निजीकरण के विरोध मे निकाला रोष मार्च

सोनभद्र। एन.पी.एस-यू.पी.एस. व निजीकरण के विरोध में अटेवा/एनएमओपीएस ने जिला मुख्यालय स्थित रामलीला मैदान से बढ़ौली चौक तक आक्रोश मार्च

निकाला । चौक पर संक्षिप्त संबोधन करके कलेक्ट्रेट पर जाकर माननीय प्रधानमन्त्री जी के नाम ज्ञापन दिया।जिसमें विभिन्न कर्मचारी संगठनों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। संतोष कुमारी व वकील अहमद ने कहा ओपीएस बहाली तक संघर्ष जारी रहेगा और वर्ष 2027 से पहले पुरानी पेंशन बहाल हो जायेगी। हम पुरानी पेंशन की लड़ाई लड़ रहे हैं जिसे अंतिम मुकाम तक ले जाएंगे। रंजना सिंह व सुरेश कन्नौजियाने कहा कि निजीकरण को किसी भी दशा में बर्दाश्त नही किया जाएगा। निम्न व मध्यम वर्ग के खिलाफ़ अमीरों का षड्यंत्र है निजीकरण। इससे आने वाले समय में सरकारी नौकरियां ही समाप्त हो जाएंगी। रविभूषण सिंह व रविंद्र चौधरी ने बताया कि निजीकरण की लड़ाई आने वाली पीढ़ियों के लिए है यदि समय रहते इसको नही रोका गया तो आने वाले समय में संविदा व आउटसोर्सिंग की ही नौकरी रहेगी जिसमें परिवार का पेट पालना भी दुष्कर हो जायेगा। अशोक त्रिपाठी और ज्योति कुमार व कौसर जहाँ ने कहा कि शिक्षा, चिकित्सा एवं ट्रांसपोर्ट सरकार के हाथ में होना चाहिए सरकार का काम वेलफेयर का होना चाहिए लेकिन ऐसा नही हो रहा है । आगे उन्होंने कहा कि जब सरकारी नौकरी ही नही रहेगी तो फ़िर इस देश में सरकार की क्या आवश्यकता है? राजकुमार मौर्य ने सभी का आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि प्रधानमन्त्री एक राष्ट्र एक टैक्स कर सकते हैं,एक देश एक चुनाव कर सकते हैं तो फ़िर एक देश एक पेंशन क्यूं नही कर सकते ? साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि इस देश में एक राजनेता चार चार पेंशन ले सकता है,साथ ही न्याय पालिका पुरानी पेंशन ले सकता है तो फिर एक कर्मचारी को क्यूं इससे दूर रखा जा रहा है। इस मौके पर कौशर जहाँ सिद्दीकी, प्रभाशंकर, सूर्यप्रकाश सिंह,कमलेश सिंह, बबिता, सर्वेश तिवारी, उमा सिंह, संतोष सिंह,राम मूर्ति,विनोद, रुद्र ,बी.एन सिंह ,मनोज ,सुरेश, अमिय,गोपाल,दिलीप,सुरेश, राजकुमार, अभय,हृदेश, रामचंद्र, संतोष, सौरभ, प्रेम सिंह, दद्दन, अजय कुशवाहा सहित सैंकड़ों कर्मचारी मौजूद थे।

'एक्सरसाइज सुरक्षा चक्र' के अंतर्गत जनपद में भूकंप एवं औद्योगिक आपदा से निपटने हेतु मॉकड्रिल का हुआ सफल आयोजन

एलजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, आयुर्विज्ञान संस्थान ग्रेटर नोएडा सहित अन्य तीन स्थानों पर हुआ मॉकड्रिल

नोएडा। 'एक्सरसाइज सुरक्षा चक्र' के तहत आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखने एवं आम जनमानस को

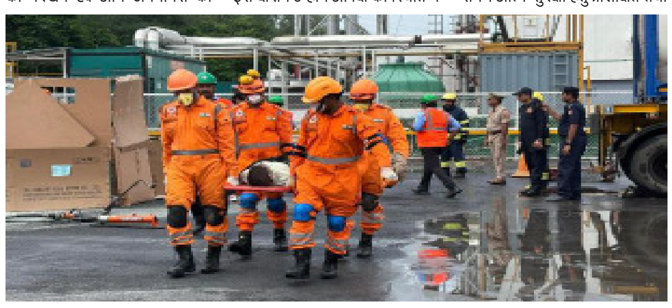

आपदाओं के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मेधा रूपम के निर्देशों के क्रम में एवं अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार के नेतृत्व में भूकंप एवं औद्योगिक आपदा से बचाव हेतु मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। मॉकड्रिल का मुख्य आयोजन एलजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रेटर नोएडा व आयुर्विज्ञान संस्थान, ग्रेटर नोएडा सहित सावित्रीबाई फुले बालिका इंटर कॉलेज ग्रेटर नोएडा, एडब्ल्यूएचओ टाउनशिप गुरजिंदर विहार ग्रेटर नोएडा, विकास भवन सूरजपुर ग्रेटर नोएडा में एक-एक इंसिडेंट कमांडर की अगुवाई में मॉकड्रिल आयोजित की गई, जिसमें भूकंप एवं औद्योगिक दुर्घटना का कृत्रिम परिदृश्य तैयार कर आपातकालीन सेवाओं का परीक्षण किया गया।जिलाधिकारी मेधा रूपम ने एलजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ग्रेटर नोएडा परिसर में पहुंचकर आयोजित भूकंप एवं औद्योगिक आपदा प्रबंधन मॉकड्रिल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आपदा की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया, सुरक्षा उपायों और बचाव कार्यों की तैयारियों की समीक्षा की।जिलाधिकारी ने उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों, कंपनी प्रबंधन और सुरक्षा कर्मियों से मॉकड्रिल की प्रक्रियाओं और अभ्यास के निष्कर्षों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिये कि आपदा की किसी भी स्थिति में सभी विभागों की समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वहां मौजूद स्कूली बच्चों से संवाद भी किया। उन्होंने बच्चों से भूकंप के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में सवाल पूछे और उनके उत्तरों की सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने विद्यालय में मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं – जैसे शौचालय, पीने का पानी, साफ-सफाई, फर्नीचर आदि के बारे में जानकारी ली, जोकि संतोषजनक मिली।जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य इस प्रकार की मॉकड्रिल के माध्यम से जनमानस को आपदा के समय आत्म-सुरक्षा हेतु प्रशिक्षित तथा जागरूक करना है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में जान-माल की हानि को कम किया जा सके।इस मॉकड्रिल में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल तथा अग्निशमन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस, परिवहन व स्थानीय प्रशासन समेत विभिन्न विभागों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। घटनास्थल पर मॉक रेस्क्यू ऑपरेशन, घायलों को प्राथमिक उपचार, फायर कंट्रोल, इवैक्युएशन जैसे विभिन्न उपायों का अभ्यास किया गया।जिलाधिकारी ने सभी प्रतिभागी विभागों की तत्परता और समन्वय की सराहना की एवं कहा कि इस तरह की मॉकड्रिल न केवल आपदा प्रबंधन की तैयारियों को सशक्त बनाती हैं, बल्कि आमजन को भी जागरूक करने का सशक्त माध्यम हैं।

वेलफेस्ट इंडिया 2025: संपूर्णता की ओर एक यात्रा का शुभारंभ

भारत का पहला एकीकृत वेलनेस और वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल पर केंद्रित महोत्सव इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में हुआ प्रारंभ

नोएडा। एक स्वस्थ और समावेशी भविष्य की दिशा में ऐतिहासिक पहल करते हुए वेलफेस्ट इंडिया 2025 का भव्य उद्घाटन आज पद्मश्री डॉ. एन. के. पांडे, चेयरमैन, एशियन ग्रुप ऑफ मेडिकल इंस्टीट्यूट द्वारा इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में किया गया। इस अवसर पर डॉ. नितिन अग्रवाल (अध्यक्ष, आयोजन समिति, आयुरयोग एक्सपो), डॉ. नीरज खन्ना (अध्यक्ष, ईपीसीएच), अवधेश अग्रवाल (मुख्य संयोजक, ईपीसीएच) और सचिन सिन्हा (सीएफओ, इंडिया एक्सपो मार्ट लिमिटेड) जैसी प्रतिष्ठित हस्तियां भी उपस्थित रहीं। यह महोत्सव, जो 2 से 5 अगस्त 2025 तक आयोजित हो रहा है, दो सशक्त और उद्देश्यपूर्ण प्रदर्शनियो आरोग्य एक्सपो (7वां संस्करण) और Eldercare India Expo (प्रथम संस्करण)–को एक छत के नीचे लाकर भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों और वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल पर केंद्रित देश की पहली पहल के रूप में स्थापित कर रहा है। अपने उद्घाटन भाषण में मुख्य अतिथि डॉ. एन. के. पांडे ने इस महोत्सव की समावेशी और परिवर्तनकारी प्रकृति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, 'यह एक सराहनीय पहल है जो आयुष्मान भारत जैसी स्वास्थ्य योजनाओं को प्रभावशाली ढंग से लागू करने में सहायक होगी। यदि हम दीर्घ कालिक दृष्टिकोण से इस दिशा में कार्य करें, तो यह देशभर में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को क्रांतिकारी रूप से बदल सकता है। हालांकि हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था में मांग और आपूर्ति

को लेकर अभी भी भारी अंतर है, जिसे केवल एलोपैथी से पाटना संभव नहीं। हमें अपने पारंपरिक चिकित्सा तंत्र– आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, प्राकृतिक चिकित्सा और योग को साथ लाना होगा।' उन्होंने वेलनेस और वरिष्ठ देखभाल क्षेत्रों में जागरूकता, सहयोग प्रणाली और नवाचार की निरंतरआवश्यकता पर भी जोर दिया। डॉ. नितिन अग्रवाल ने आयुष क्षेत्र की मजबूती पर बोलते हुए कहा कि आरोग्य एक्सपो भारत की वेलनेस विरासत का एक समग्र प्रतिनिधित्व है, जिसमें आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, सिद्ध और यूनानी पद्धतियों को दर्शाया गया है। यह मंच आयुष की व्यापक संभावनाओं को सामने लाता है फोर्म सतत चिकित्सा से लेकर हर्बल दवाओं और समग्र स्वास्थ्य समाधानों तक। वैश्विक आयुर्वेद बाजार 2023 में यूएसडी 14.4 बिलियन से बढ़कर 2030 तक यूएसडी 76.9 बिलियन तक पहुंचने की उम्मीद है, और भारत से हर्बल उत्पादों और आयुष फॉर्मूलेशनों का निर्यात 2020 से 2023 के बीच 20फीसदी वार्षिक दर से बढ़ा है। यह स्पष्ट संकेत है कि विश्व अब प्राकृतिक, निवारक और समग्र चिकित्सा की ओर लौट रहा है।' डॉ. नीरज खन्ना, अध्यक्ष, ईपीसीएच ने कहा, 'जब वेलनेस अर्थव्यवस्था तेज़ी से फल-फूल रही है, ऐसे समय में वेलफेस्ट इंडिया जैसे मंचों को सरकारी सहयोग मिलना अत्यंत आवश्यक है। यह मंच पारंपरिक पद्धतियों और आधुनिक आवश्यकताओं के बीच एक सेतु का कार्य करता है और भारत को वैश्विक वेलनेस बाज़ार में अग्रणी बनाने में मदद करता है।' डॉ. राकेश कुमार, चेयरमैन, इंडिया एक्सपो मार्ट लिमिटेड ने अपनी बात रखते हुए कहा, वेलफेस्ट इंडिया पारंपरिक चिकित्सा, निवारक स्वास्थ्य सेवा और आधुनिक वरिष्ठ देखभाल को एकीकृत करते हुए एक ऐसा इकोसिस्टम बनाता है जो सभी आयु वर्गों के लिए उपयुक्त है। यह इस बात की याद दिलाता है कि स्वास्थ्य कोई विलासिता नहीं बल्कि एक साझा अधिकार है। यदि हम नीतियों, नवाचारों और उद्योग के प्रयासों को एक दिशा में संरेखित करें, तो भारत न केवल वैश्विक वेलनेस बाज़ार में नेतृत्व कर सकता है बल्कि वेलनेस की वैश्विक राजधानी भी बन सकता है।'वेलफेस्ट इंडिया 2025 स्वास्थ्य, गरिमा और सतत जीवनशैली का एक अनूठा उत्सव है। आरोग्य एक्सपो भारत की प्राकृतिक चिकित्सा प्रणालियों की गहराई को प्रदर्शित करता है जिसमें आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, होम्योपैथी, -रिग्पा, पंचगव्य, हर्बल उत्पाद, वेलनेस टूरिज्म और नेचुरल हेल्थकेयर सॉल्यूशंस शामिल हैं। वहीं, पहली बार आयोजित किया गया है जो भारत की वृद्ध होती आबादी की आवश्यकताओं को केंद्र में रखता है–जो 2050 तक 319 मिलियन तक पहुंचने की संभावना है। यह एक्सपो वरिष्ठ जीवन, स्वास्थ्य देखभाल, पुनर्वास, सहायक तकनीकें और आयु-अनुकूल अवसंरचना जैसे विषयों की व्यापक श्रृंखला को प्रस्तुत करता है–जैसे मेडिकल नवाचार, फिजियोथेरेपी, वरिष्ठ देखभाल, एर्गोनोमिक फर्नीचर, घरेलू सुरक्षा समाधानों से लेकर वित्तीय योजना तक।यह संयुक्त महोत्सव भारत की पारंपरिक और समकालीन वेलनेस दृष्टि को पीढ़ी दर पीढ़ी जोड़ने वाला एक परिवर्तनकारी मंच है। यह नीति निर्माताओं,चिकित्सकों,देखभाल कर्ताओं, वरिष्ठ अनुकूल उत्पाद निर्माताओं,वास्तुकारों, वित्तीय सलाहकारों, वृद्धाश्रम सेवा प्रदाताओं,वरिष्ठ नागरिकों और परिवारों को एक मंच पर लाता है। इसके अलावा, बुजुर्गों के मेडिसिन विषयों पर ज्ञानवर्धक सत्र और कार्यशालाएंआयोजित की जा रही हैं।महोत्सव में अनुभवात्मक गतिविधियों की एक श्रृंखला भी है– जैसे वरिष्ठ नागरिकों के लिए चेयर योग सत्र और एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़ द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच जो जागरूकता और समावेशिता को बढ़ावा देते हैं। वेलनेस प्रोफेशनल्स, हेल्थ केयर इनोवेटर्स, केयरगिवर्स, शोध कर्ताओं, पोषण विशेषज्ञों, सेवा प्रदाताओं और वरिष्ठ नागरिकों को एक नई सामूहिक भलाई की यात्रा में भाग लेने के लिए आमंत्रित करता है।यह महोत्सव प्राकृतिक चिकित्सा से दोबारा जुड़ने, बुजुर्गों को सशक्त करने और एक ऐसे भविष्य की कल्पना का, जहाँ वेलनेस सभी के लिए सुलभ, समावेशी और उत्सव का विषय हो।

फर्जी मामलों में पीड़ित को मुआवजा देना अब जरूरी है

दहेज उत्पीड़न और विवाहिताओं के खिलाफ क्रूरता के मामलों में दो महीने तक गिरफ्तारी पर रोक के लिए सुप्रीम कोर्ट का नया फैसला भी

कहीं पुराने फैसलों की तरह कानून की किताबों में गुम न होकर रह जाए? इसके लिए 5 बिंदुओं पर समझ जरूरी है।1. गिरफ्तारी : जोगिंदर कुमार बनाम यूपी राज्य (1994) के फैसले के अनुसार हिरासत और गिरफ्तारी के लिए पुलिस को अनेक अधिकार मिले हैं। चीफ जस्टिस वेंकटचलैया के अनुसार विवेक का इस्तेमाल किए बगैर मनमाने तरीके से गिरफ्तारी असंवैधानिक और गैर-कानूनी है। 1996 में डीके बसु बनाम पश्चिम बंगाल राज्य के फैसले में हिरासत में लिए लोगों के कानूनी अधिकार तय किए गए थे। अनेश कुमार बनाम बिहार राज्य (2014) के फैसले में हिरासत और जेल को अपवाद कहा गया था। इन फैसलों के अनुसार जारी शासनादेशों का अनुपालन नहीं होने से थानों और अदालतों के चक्कर में करोड़ों परिवार तबाह हो रहे हैं। 2. सुप्रीम कोर्ट : नए फैसले के अनुसार धारा 498-ए के दुरुपयोग को रोकने के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट के जून 2022 के आदेश के अनुसार जिलों में परिवार कल्याण समितियों का गठन होना चाहिए। इस बारे में सुप्रीम कोर्ट ने राजेश शर्मा मामले में जून 2017 में एक बड़ा फैसला दिया था। उसके अनुसार धारा 498-ए से जुड़े अधिकांश मामलों में फर्जी तरीके से पति और उसके परिजनों को पुलिस केस में फंसाया जाता है। फैसले में नेशनल लीगल सर्विसेज अथॉरिटी को मार्च 2018 तक रिपोर्ट पेश करने का आदेश था, जिसका 8 साल बाद कोई विवरण नहीं आ रहा। धारा 498-ए के दुरुपयोग को रोकने के लिए 2008 में दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के अनुसार दिल्ली में पुलिस अधिकारियों के लिए सख्त दिशानिर्देश जारी किए गए थे। ऐसे अनेक पुराने फैसलों पर जब अमल नहीं हो रहा तो अब नए फैसले के बाद जमीनी स्तर पर लोगों को इंसाफ कैसे मिलेगा? 3. संसद से कानून : पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने संविधान के अनुच्छेद 142 की विशिष्ट शक्तियों के दुरुपयोग और सुप्रीम कोर्ट के सुपर-संसद बनने पर रोष व्यक्त किया था। अनुच्छेद 141 के तहत सुप्रीम कोर्ट के आदेश अधीनस्थ अदालतों के लिए बाध्यकारी होते हैं। पर उन फैसलों के अनुसार सरकार और संसद ने आईपीसी या बीएनएस और सीआरपीसी या बीएनएसएस की कानून की किताबों में बदलाव नहीं किए। इस संसदीय विफलता की वजह से पुलिस की मनमर्जी के साथ अदालतों में अराजकता बढ़ रही है। 4. जिला अदालतें : अदालतों में चल रहे 5.07 करोड़ मुकदमों में से लगभग 70 फीसदी यानी 3.52 करोड़ आपराधिक हैं। गरीबों को सही मामलों में भी एफआईआर दर्ज कराने के लिए थानों में एड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ता है। दूसरी तरफ नेताओं और रसूखदार लोगों के इशारों पर सिविल मामलों में भी फर्जी एफआईआर दर्ज हो जाती हैं। सुप्रीम कोर्ट के नए-पुराने फैसलों से साफ है कि पारिवारिक मामलों में फर्जी तरीके से पति और उसके परिजनों को फंसाने का दुश्चक्र चल रहा है। पुलिस की गिरफ्तारी के बाद जिला अदालतों में रूटीन तरीके से आरोपियों को जेल भेज दिया जाता है। जमीन के मामलों में पटवारी की रिपोर्ट और आपराधिक मामलों में पुलिस दरोगा की एफआईआर को अदालतों में अकाट्य मानने के साम्राज्यवादी रिवाज की वजह से आजाद भारत के करोड़ों लोग पीढ़ी-दर-पीढ़ी थाने और अदालतों के धक्के खाने के लिए अभिशप्त हैं। 5. गुजारा भत्ता : सुप्रीम कोर्ट के इस नए फैसले से दो दर्जन से ज्यादा मुकदमे और गुजारा भत्ता की रकम रद्द होने के साथ हाल ही के शिवांगी बंसल वाले मामले में आईपीएस पत्नी को माफीनामा भी देना पड़ा। लेकिन पति और पिता को 100 दिन से ज्यादा जेल में रहना पड़ा, उसकी भरपाई कैसे होगी? कुछ दिनों पहले सुप्रीम कोर्ट में पत्नी ने गुजारा भत्ता के नाम पर 12 करोड़ रुपए, लग्जरी फ्लैट और कार की मांग की थी। लिव-इन रिश्तों को कानूनी मान्यता और स्त्री-पुरुष समानता के दौर में तलाक के कानून को सरल बनाने के साथ गुजारा भत्ता के नियमों को व्यावहारिक बनाने के लिए सात दशक पुराने कानूनों में बदलाव लाने की जरूरत है।डिजिटल इंडिया का समय है। ऐसे में आम जनता के हितों और अधिकारों से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के निर्णायक फैसलों के विवरण का ऐप जारी हो। फैसलों का पालन नहीं करने वाले पुलिस और न्यायिक अधिकारियों के खिलाफ अवमानना का मामला चलने के साथ प्रशासनिक निलम्बन की कार्रवाई हो। फर्जी तरीके से दर्ज एफआईआर और गैर-कानूनी हिरासत के मामलों में पीड़ित व्यक्ति को मुआवजा मिले। ऐसा होगा तो ही दहेज उत्पीड़न और एससी/एसटी समेत सभी मामलों में कठोर कानूनों के दुरुपयोग पर प्रभावी रोक लग सकेगी। (ये लेखक के अपने विचार हैं, विराग गुप्ता)

नीरजा चौधरी का कॉलम, अब भारतीय राजनीति में 'थरूर फैक्टर' के क्या हैं मायने?

पहलगाम हमले के बाद विपक्ष की राजनीति में यदि कोई केंद्र बिंदु बना है तो वो हैं डॉ. शशि थरूर। वे तब सुर्खियों में आए, जब केंद्र सरकार ने उन्हें विश्व की राजधानियों में भेजे जा रहे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों में से एक का नेतृत्व सौंपा, जबकि उनकी पार्टी ने उनके नाम की सिफारिश तक नहीं की थी।हालांकि मनमोहन सिंह ने भी कश्मीर पर राउंड-टेबल वार्ता के लिए 2006 में श्रीनगर में एक ऐसे 'सरकारी प्रतिनिधिमंडल' का नेतृत्व किया था, जिसके लिए दूसरी पार्टियों के अध्यक्षों से कोई सुझाव नहीं मांगे गए थे। वास्तव में, सरकार ने तीन और ऐसे कांग्रेस सांसदों को प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया है, जो कांग्रेस की ओर से नामित नहीं किए गए थे। इनमें सलमान खुर्शीद, मनीष तिवारी और अमर सिंह हैं। सरकार ने राहुल गांधी की ओर से भेजे गए नामों में से सिर्फ आनंद शर्मा को ही चुना, शेष तीन नाम खारिज कर दिए। यदि थरूर को शामिल नहीं किया गया होता तो कांग्रेस और सरकार के बीच एक ऐसे समय में राजनीतिक मतभेद उभरकर सामने नहीं आए होते, जब सरकार कूटनीतिक मोर्चे पर भारत की एकजुटता दिखाने की कोशिश कर रही है। थरूर ने निमंत्रण को तुरंत स्वीकारा और उसे अपने लिए 'सम्मान' बताया। उन्होंने कहा कि 'जब देशहित में मेरी सेवाओं की दरकार हो तो मैं पीछे नहीं हटूंगा।' थरूर ने वैश्विक मीडिया के सामने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारत का पक्ष बेहद प्रभावी ढंग से रखा था। केरल से चार बार सांसद रह चुके थरूर एक समय संयुक्त राष्ट्र के महासचिव बनने को लेकर उम्मीदजदा थे। तब उनकी वाकपटुता और सम्प्रेषण-कौशल ने भाजपा और कांग्रेस दोनों को प्रभावित किया था। कई लोगों का मानना है कि पहलगाम के बाद भारत के पक्ष को थरूर ने इतने बेहतर तरीके से सामने रखा है, जितना कि भाजपा प्रवक्ता भी नहीं कर पाए थे। पिछले कुछ समय से थरूर कांग्रेस आलाकमान की आंख की किरकिरी बने हुए हैं। गांधी परिवार को लगता है कि उन्होंने थरूर की कई बार करियर में आगे बढ़ने में मदद की थी, लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव में वे पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार मल्लिकार्जुन खरगे के सामने खड़े हो गए। हालांकि थरूर हार गए, लेकिन उन्होंने अपना असर जरूर छोड़ा।वे पार्टी से परे भी अपने प्रशंसक बनाने में सफल रहे हैं। कुछ समय पहले उन्होंने नाराजगी जताते हुए यह भी कहा था कि पार्टी ने उनका ठीक से उपयोग नहीं किया है और उनके पास 'दूसरे विकल्प' भी हैं। सोशल मीडिया पर उनके बड़ी संख्या में फॉलोअर्स हैं। पेशेवर और बुद्धिमान लोगों के साथ ही युवा भी उन्हें सम्मान की नजर से देखते हैं। लोग उन्हें सुनने आते हैं। उनके समर्थक केरल ही नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण भारत में देखे जा सकते हैं। उन्होंने अपना यह जनाधार हाईकमान की मदद के बिना तैयार किया है। कांग्रेस में कई नेता अचरज करते हैं कि आखिर थरूर की राजनीति क्या है? कई उनके भाजपा की ओर झुकाव का संकेत भी करते हैं। मोदी सरकार द्वारा थरूर को एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई सौंपने से भी इन अटकलों को बल मिला है। थरूर के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल अमेरिका सहित पनामा, गयाना, ब्राजील और कोलंबिया जाएगा।मौजूदा हालात में यह साफ नहीं है कि क्या कांग्रेस उनके खिलाफ कोई कार्रवाई करेगी और अगर हां तो किस आधार पर। केरल में अगले साल चुनाव होने जा रहे हैं, ऐसे में थरूर के खिलाफ कोई भी कदम उठाना कांग्रेस के लिए मुश्किलें पैदा कर सकता है। केरल ऐसा राज्य है, जहां कांग्रेस अपनी जीत के प्रति आश्वस्त है। वाम मोर्चा वहां पर पिछले दो कार्यकालों से सत्ता में है।यह भी साफ नहीं है कि थरूर आने वाले हफ्तों में क्या करने वाले हैं। क्या वे नई पार्टी बनाएंगे, अलबत्ता यह कभी भी आसान नहीं होता। वे भाजपा या सीपीएम में शामिल हो सकते हैं। लेकिन इसकी भी संभावना बहुत कम है। क्योंकि ऐसा करने पर उनकी वो तमाम राजनीतिक पूंजी नष्ट हो सकती है, जो उन्होंने कमाई है। या क्या वे निर्दलीय सांसद के रूप में केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल हो सकते हैं? ये सब अभी अटकलें हैं, लेकिन यह साफ है कि केंद्र सरकार उनका सदुपयोग करना चाह रही है। थरूर भी उम्मीद कर सकते हैं कि सरकार उन्हें ऐसी कोई भूमिका दे, जैसे अभी दी है। किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी, लेकिन थरूर-फैक्टर हमें भविष्य के बदलावों का संकेत जरूर देता है। क्या गांधी परिवार की अवहेलना के बावजूद अपनी जमीन कायम रखने से थरूर को कांग्रेस के अनपेक्षित हलकों से समर्थन दिलाया है? अतीत में कैप्टन अमरिंदर सिंह को भी तो इन्हीं कारणों से लोकप्रियता मिली थी।भाजपा यह साबित करने में तो निश्चय ही सफल हुई है कि कांग्रेस में शशि थरूर जैसे अनेक सक्षम, वाकपटु और अनुभवी नेता हैं, जिनको मौका मिले तो वे गांधी परिवार की तुलना में पार्टी का बेहतर तरीके से नेतृत्व कर सकते हैं। (ये लेखिका के अपने विचार हैं।)

अरबपतियों की संख्या बढ़ना खतरे की घंटी भी हो सकती है

हर साल मैं यह देखने के लिए फोर्ब्स की फेहरिस्त का विश्लेषण करता हूं कि किन देशों में अरबपतियों की सम्पत्ति उनके देश की जीडीपी के ?हिस्से के रूप में बढ़ रही है। या किन देशों में सम्पत्ति अरबपतियों के पारिवारिक साम्राज्य में केंद्रित होकर रह जा रही है या उन बुरे उद्योगों में तब्दील हो रही है, जो उत्पादकता से अधिक भ्रष्टाचार के लिए जाने जाते हैं। जिन देशों में इस तरह के मामले सबसे ज्यादा मिलते हैं, वहां पूंजीवाद-विरोधी विद्रोहों का खतरा भी सबसे अधिक रहता है। इस साल चेतावनियों के संकेत स्वीडन की ओर इशारा कर रहे हैं। भले ही कई प्रगतिशील लोग स्वीडन को एक समाजवादी-स्वर्ग के तौर पर देखते हों, लेकिन वहां अरबपतियों की संपत्ति जीडीपी के 31इ तक हो गई है। यह 20 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सर्वाधिक है। आज स्वीडन में 45 अरबपति हैं, जो अमेरिका से प्रति व्यक्ति पैमाने पर डेढ़ गुना अधिक हैं। अब तक के सबसे धनी अमेरिकी जॉन डी. रॉकफेलर हैं, जिनकी सम्पत्ति 1910 के आसपास जीडीपी की 1.5इ से अधिक थी। आज किसी अमेरिकी के पास इतनी दौलत नहीं। आज के रॉकफेलर स्वीडन में हैं, जिनमें से सात की सम्पत्ति जीडीपी के हिस्से में रॉकफेलर से अधिक है।एक कार्यशील अर्थव्यवस्था से अरबपतियों की संतुलित श्रेणी निर्मित होती है, जिसमें रियल एस्टेट और कमोडिटी जैसे सेक्टरों की 'बैड वेल्थ' की तुलना में टेक और मैन्युफैक्चरिंग जैसे उद्योगों की 'गुड वेल्थ' अधिक होती है। ऐसा नहीं है कि रियल एस्टेट और कमोडिटी सेक्टर खराब हैं। लेकिन कार या सॉफ्टवेयर जैसे सेक्टरों की तुलना में उत्पादकता में उनका कम

योगदान होता है। लेकिन स्वीडन में आज 'गुड बिलियनेअर्स' की संख्या 'बैड बिलियनेअर्स' की तुलना में आधी रह गई है। स्वीडन भले ही टेक-उद्यमियों के लिए बेहतर स्थान के तौर पर प्रसिद्ध हो, लेकिन इनमें से तीन ही फोर्ब्स की सूची में जगह पा सके हैं। अरबपतियों की सम्पत्ति में 'गुड वेल्थ' का हिस्सा महज 12फीसदी है, जो शीर्ष 10 विकसित देशों की सूची में तीसरा सबसे निम्नतम है। स्वीडन ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अनियंत्रित वेलफेयर-स्टेटिज्म के अपने प्रयोग की विफलता के बाद वेल्थ-क्रिएशन को प्रोत्साहित करना शुरू किया। भारी करों के चलते वहां की मशहूर हस्तियां और उद्योगपति पलायन करने लगे।1990 के दशक की शुरुआत में आए वित्तीय संकटों ने स्वीडन को समाजवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया। उसने उच्च आय करों से भुगतान की जाने वाली मुफ्त शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा को समाप्त नहीं किया। लेकिन धन, विरासत, निगमों और अचल संपत्ति पर करों को समाप्त या कम करते हुए कल्याणकारी राज्य का आकार छोटा कर दिया। 2000 के दशक का मध्य आते-आते वहां के सुपर-रिच पलायन नहीं कर रहे थे। उलटे वे हावी हो गए थे। स्वीडन के अरबपतियों की लगभग 70फीसदा संपत्ति विरासत (इनहेरिटेंस) से आती है, जो फ्रांस और जर्मनी के बाद तीसरी सबसे अधिक है।स्वीडन हाल के वर्षों में अरबपतियों की संख्या में उछाल देखने वाला एकमात्र बड़ा कल्याणकारी राज्य नहीं है। फ्रांस में भी ऐसा हुआ है। लेकिन दोनों में विशेष असंतुलन है। स्वीडन में विकृत कर और ईजी-मनी (आसानी से मिलने वाला कर्ज) है।वह वेतन की तुलना में पूंजी पर बहुत कम कर लगाता है, और कभी-कभी पूंजी पर प्रतिगामी कर लगाता है। स्वीडन ने ब्याज दरों को यूरोपीय औसत से भी नीचे रखा है। कम दरों से संपत्ति की कीमतें बढ़ती हैं, जबकि अमीरों के लिए अधिक लाभ कमाने के लिए पैसे उधार लेना आसान हो जाता है।हाल के चुनावों में, राजनीतिक गुस्सा असमानता नहीं अप्रवासियों और अपराध पर केंद्रित रहा है। कई प्रमुख व्यवसायी अपनी संपत्ति का दिखावा करने के बजाय दान देने के लिए अधिक जाने जाते हैं। लेकिन मेरे थ्री-बिलियनेअर्स मेट्रिक्स पर स्वीडन की समग्र रैंकिंग मेरे द्वारा ट्रैक किए जाने वाले 20 देशों में सबसे खराब है, और यह अच्छा संकेत नहीं है।मैंने 2010 में ये विश्लेषण शुरू किए थे, जब भारत में 'बैड बिलियनेअर्स' की बढ़ती सम्पत्ति ने वेल्थ-क्रिएशन के खिलाफ ऐसी प्रतिक्रिया को जन्म दिया, जो व्यावसायिक-गतिविधियों को रोकने के लिए पर्याप्त थी। इसके बाद वाले दशक में अरबपतियों के मेट्रिक्स पर निराशाजनक परिणाम ने दुनिया भर में विद्रोहों का संकेत दिया। इनमें चिली में 2019 में सामाजिक-विषमता के खिलाफ बड़े पैमाने पर दंगे भड़कने से पहले और फ्रांस में 2023 में 'टैक्स-द-रिच' रैलियों के फैलने से पहले हुए विद्रोह शामिल हैं। पेरिस के विरोध-प्रदर्शनों में तो शीर्ष अरबपतियों को नाम लेकर निशाना बनाया गया था। अर्थव्यवस्था में वेल्थ-क्रिएशन को प्रोत्साहित करना जरूरी तो है, लेकिन संतुलन भी आवश्यक है। अरबपतियों के हाथों में बहुत ज्यादा पैसा केंद्रित होने से राजनीतिक प्रतिरोध या नीतिगत उलटफेर का खतरा पैदा हो जाता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

छात्रों को एआई टूल्स से चीटिंग करने से कैसे रोकें?

मैं एक ऐसी महिला को जानता हूं जो लैटर लिखने का काम करती

थीं। इससे वो अच्छा कमा लेती थीं। वो आईवी कॉलेजों (हॉर्वर्ड, ऑक्सफोर्ड जैसे प्रतिष्ठित कॉलेज) में दाखिला लेने के इच्छुक छात्रों के लिए 'लेटर ऑफ पर्पस' (एलओपी) लिखती थीं। वो उनमें से थी, जिनके पास दोस्तों तक के फोन उठाने का वक्त नहीं होता था, खासकर भारत में हाई स्कूल के रिजल्ट के बाद। उनका रिकॉर्ड था कि उनके किसी भी स्टूडेंट का आईवी कॉलेज में आवेदन निरस्त नहीं हुआ। वो छात्रों का व्यक्तिगत साक्षात्कार करतीं, उन्हें समझतीं, फिर एलओपी तैयार करतीं। इसके अलावा, छात्रों को दो घंटे की व्यक्तिगत कोचिंग देतीं कि इंटरव्यू में कैसे पेश आएं, संभावित सवाल क्या हो सकते हैं। असल इंटरव्यू से चंद घंटे पहले पर्सनल कोचिंग फिर दोहरातीं। ताज्जुब की बात नहीं कि उनकी फीस भी बहुत थी। दरअसल, जो भी स्टूडेंट दुनिया के अच्छे कॉलेजों में दाखिला लेना चाहते हैं, उन्हें दमदार एलओपी जमा करना होता है, उसके आधार पर कॉलेज एडमिशन तय करता है। पर 2025 में वो बेरोजगार हो गईं! कल रात एक डिनर पर मेरी उनसे मुलाकात हुई और उन्होंने इस बारे में बताया। जब मैंने आश्चर्य व्यक्त किया, तो उन्होंने फीकी हंसी में कहा, 'ओपनआई के चैटजीपीटी ने मेरी नौकरी छीन ली है। साल 2022 के नवंबर से इसने धीरे-धीरे मेरी नौकरी छीनना शुरू कर दिया, लेकिन मैंने तब इस पर ध्यान नहीं दिया। और अब 2025 में, मेरे पास छात्र नहीं आ रहे। अब केवल वही छात्र आते हैं, जिन्हें कॉलेजों ने खारिज कर दिया है और मुझे उन्हीं स्टूडेंट्स को किसी अन्य यूनिवर्सिटी में दाखिला दिलाने के लिए दोगुनी मेहनत करके प्रशिक्षित करना पड़ रहा है।' उनके साथ हुई बातचीत ने मुझे कई कॉलेज के प्रोफेसरों के साथ हुई चर्चाएं याद दिला दीं। उन प्रोफेसर्स ने ये माना कि तकनीक से छेड़खानी के मामले में उम्रदराज प्रोफेसर छात्रों से एक कदम पीछे रहते हैं। उनका कहना है कि 'निबंध लेखन, होमवर्क, प्रोजेक्ट रिपोर्ट और पीपीटी में भी चीटिंग का पता लगाना मुश्किल होता है।' यहां तक कि छात्रों के आर्टिफिशियल तरीके से तैयार कंटेंट को टूल्स का इस्तेमाल करके भी पहचानना मुश्किल हो रहा है। प्रोफेसर्स दुखी होकर कहते हैं, जब स्टूडेंट्स अपना मुंह खोलते हैं और अंग्रेजी में बात करते हैं, जो कि पहले ही वह अपने प्रोजेक्ट में लिख चुके हैं, तब जाकर हमें पता चलता है कि प्रोजेक्ट में इस्तेमाल कंटेंट टेक्नोलॉजी की मदद से कॉपी किया गया है। इस बीच `ल्ू.म्दस के एक सर्वे से पता चला है कि 89इ कॉलेज छात्र असाइनमेंट पूरा करने के लिए चैटजीपीटी का उपयोग कर रहे हैं। इस तकनीक का उपयोग करने वाले छात्रों की इतनी बड़ी संख्या के बावजूद, उनमें से 72फीसदी कहते हैं कि वे नकल पर आधारित शिक्षा नहीं चाहते। वे चाहते हैं कि चैटजीपीटी को कैंपस में बैन किया जाए। तो, क्या किया जा सकता है? कई विशेषज्ञों ने कई सुझाव दिए हैं, लेकिन शीर्ष पांच बिंदु हैं: 1. उन शैक्षणिक तरीकों की ओर लौटें, जो सदियों से शिक्षकों का साथ देते आ रहे हैं। 2. विश्वविद्यालयों को मूल्यांकन के लिए व्यक्तिगत दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। 3. प्रोफेसर्स को कक्षाओं में बातचीत का कल्चर फिर खड़ा करना होगा। उच्च शिक्षा के लिए मौखिक संचार हमेशा से अच्छा मॉडल रहा है। अलग-अलग स्ट्रीम के स्टूडेंट्स के बीच डिस्कशन होगा, तो तार्किक परिचर्चाएं विश्वविद्यालय शिक्षा के केंद्र में होंगी। 4. छात्रों को प्रश्न पूछने-आइडिया शेयर करने दें, इससे कक्षाएं सार्थक होंगी। 5. उन्हें सिखाएं कि पैसे कैसे कमा सकते हैं। कुछ लोग इस पर आपत्ति कर सकते हैं। पर बता दूं कि जब क्रिकेटर आठ अंकों में कमाता है, तो केवल कक्षा का सैद्धांतिक ज्ञान उन्हें पीछे छोड़ देता है। इसलिए शुद्ध ज्ञान से नैतिक रूप से पैसे कमाने को प्रोत्साहित करें। फंडा यह है कि जो छात्र बिना किताबें पढ़े क्विज में टॉप करता है, उसने कुछ नहीं सीखा होता। तकनीक पर निर्भर छात्र न केवल ज्ञान हासिल करने में विफल होते हैं, बल्कि रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच की क्षमताओं का भी विकास नहीं कर पाते। छात्रो, ये आपका चुनाव है कि आपका मार्गदर्शक कौन होगा- प्रोफेसर या तकनीक? इस पर विचार करें।

हम अपनी सुरक्षा को दुनिया के भरोसे नहीं छोड़ सकते

जीवन की तरह कूटनीति में भी जो अनकहा रह जाता है, वह

कहे जितना ही मुखर होता है। जब ट्रम्प ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद संघर्ष-विराम की घोषणा-जाहिराना तौर पर श्रेय लेने की गरज से- की, तो आतंकवाद के केंद्र के रूप में पाकिस्तान की भूमिका पर उनकी चुप्पी बहुत मुखर थी।भला अमेरिका यह कैसे भूल सकता है कि वह मानव इतिहास में सबसे घातक इस्लामिक आतंकवादी हमले का शिकार हुआ था, जब वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के ट्विन-टॉवर को नष्ट कर दिया गया था और पेंटागन पर भी हमला किया गया था।अल-कायदा के ओसामा बिन लादेन की सरपरस्ती में हुए उस हमले में 2977 अमेरिकी मारे गए थे, हजारों घायल हुए थे, 10 अरब डॉलर से अधिक की सम्पत्ति नष्ट हो गई थी और 430,000 लोगों की नौकरी चली गई थी। उसके बाद से 9/11 को 2000 और अकाल-मृत्युओं के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है, और टॉक्सिक-एक्स्पोजर के कारण उस हादसे से जीवित बचे लोगों में भी कैंसर का खतरा 30इ बढ़ गया है।अमेरिका को लादेन को खोजकर मारने में दस साल लगे और उसे इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। और लादेन कहां मिला? एबटाबाद में पाकिस्तान की हुकूमत द्वारा मुहैया कराए एक कड़ी सुरक्षा वाले घर में, जहां वह परिवार के साथ मजे से रह रहा था। यह भवन पाकिस्तान की सैन्य अकादमी से कुछ ही दूरी पर था। अगर यह आतंकवाद से पाकिस्तानी-तंत्र की मिलीभगत का खुलासा नहीं करता तो और क्या करता है?आज भी पाकिस्तान में दर्जनों ऐसे आतंकवादी समूह और व्यक्ति हैं, जिन पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगाया है। इनमें मसूद अजहर के नेतृत्व वाला जैश-ए-मोहम्मद भी शामिल है। मसूद 2019 से ही संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादियों की सूची में शामिल है।लश्कर-ए-तैयबा और हाफिज सईद के नेतृत्व वाला उसका प्रमुख संगठन जमात-उद-दावा भी अमेरिका, ईयू, रूस और भारत द्वारा आतंकवादी संगठन के रूप में नामजद है। 2008 के मुंबई हमले के पीछे जिस जाकिर रहमान लखी का दिमाग था, वह यूएन सुरक्षा परिषद की प्रतिबंध-सूची में शुमार है। हिज्बुल मुजाहिदीन का लीडर सैयद सलाहुद्दीन और 1993 मुंबई धमाकों के ?लिए जिम्मेदार दाऊद इब्राहिम को भी अमेरिका ने वैश्विक आतंकवादी घोषित किया है। आतंकवाद के प्रायोजकों पर अमेरिकी सरकार की एक अधिकृत सूची पाकिस्तान को आतंक की ऐसी 'सुरक्षित पनाहगाह' बताती है, जहां आतंकवादी और उनके समूह हुकूमत की मदद से दहशतगर्दी को अंजाम देने की योजनाएं बना सकते हैं, धन जुटा सकते हैं, भर्तियां कर सकते हैं, रंगरूटों को प्रशिक्षित कर सकते हैं और वारदातों को अंजाम दे सकते हैं। लेकिन अमेरिका और यूएन ने जिन आतंकवादियों को प्रतिबंधित किया है, वे पाकिस्तान में खुलेआम घूम रहे हैं। इस सबके बावजूद ट्रम्प ने संघर्ष-विराम की घोषणा करते हुए भारत और पाकिस्तान को एक साथ कैसे जोड़ दिया? उन्हें पता था कि ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित पहलगाम हमले के प्रतिशोध के रूप में शुरू किया गया था। एक ऐसा देश- जिसने खुद पाकिस्तान में पनाह लेने वाले लादेन को खोजकर मार गिराया था- उसी का राष्ट्रपति सीजफायर के बाद पाकिस्तान प्रायोजित अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद की निंदा किए बिना भारत और पाकिस्तान दोनों को उनके बुद्धिमत्तापूर्ण निर्णय के लिए कैसे बधाई दे सकता है? दशकों से पाकिस्तानी प्रतिष्ठान ने जवाबदेही से बचते हुए रियायतें पाने के लिए अपनी भू-राजनीतिक स्थिति का लाभ उठाने की कला में महारत हासिल की है। लेकिन भारत को इन दोहरे मानदंडों का कड़ा विरोध करना होगा। दुनिया ने पाकिस्तान की हकीकत से न केवल आंखें मूंद ली हैं, बल्कि आईएमएफ ने एक बार फिर इस आतंकवादी देश को पुरस्कृत भी किया। लेकिन भारत के पास इस तरह से अतीत को भूलने की सुविधा नहीं है। हमारे लिए पाकिस्तान में मौजूद आतंकवाद का बुनियादी ढांचा एक अस्तित्वगत खतरा है। यह हमारे लिए भू-राजनीतिक सौदेबाजी का साधन मात्र नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर भारत के आत्मरक्षा के अधिकार का साहसिक प्रयास था। इसके माध्यम से हमने संदेश दिया कि निष्क्रिय सहिष्णुता का युग समाप्त हो गया है। लेकिन जहां भारत ने निर्णायक रूप से कार्रवाई की, वहीं इस पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया बहुत लुंज-पुंज थी। आतंकवादियों को पनाह देने में पाकिस्तान की भूमिका की स्पष्ट निंदा करने से दुनिया ने जैसी कोताही बरती, वह इस संगीन हकीकत को उजागर करती है कि हम अपनी सुरक्षा को दुनिया के भरोसे नहीं छोड़ सकते। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई हमें ही लड़नी होगी।भारत के पास आतंकवाद के अतीत को भूलने की सुविधा नहीं है। हमारे लिए पाकिस्तान में मौजूद आतंकवाद का बुनियादी ढांचा एक अस्तित्वगत खतरा है। यह हमारे लिए भू-राजनीतिक सौदेबाजी का साधन मात्र नहीं है। (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

राजदीप सरदेसाई का कॉलम, किसी पर रहम, किसी को सजा- ये कैसा 'तंत्र' है!

कुछ सप्ताह पहले मैंने 'माय नेम इज रहीम खान' शीर्षक से एक वीडियो-ब्लॉग प्रसारित किया था, जिसमें बताया गया था कि आज एक भारतीय मुसलमान होने का क्या मतलब है। इसके बाद तत्काल ही मैं दक्षिणपंथियों के निशाने पर आ गया। मुझ पर आरोप लगाया गया कि बढ़ते इस्लामिक चरमपंथ की समस्या से बचने के? लिए मुस्लिम-विक्टिमहुड का झूठा चित्रण कर रहा हूं। लेकिन आज सोचने पर लगता है कि शायद मेरे उस ब्लॉग का शीर्षक 'माय नेम इज अली खान महमूदाबाद' होना चाहिए था। फेसबुक पर टिप्पणी के लिए अशोका यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की गिरफ्तारी बताती है कि हमारे राजनीतिक-तंत्र में क्या गलत है, जो भारतीय मुसलमानों को हाशिए पर धकेल रहा है। उनका अपराध यह था कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर अपने विचार व्यक्त किए थे। उन्होंने कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दक्षिणपंथी टिप्पणीकारों के पाखंड पर सवाल उठाया था। उन्होंने लिखा था कि मुझे यह देखकर बहुत खुशी हुई कि बहुत से दक्षिणपंथी टिप्पणीकार कर्नल कुरैशी की तारीफ कर रहे हैं, लेकिन शायद उन्हें इतने ही पुरजोर तरीके से यह मांग भी करनी चाहिए कि मॉब लिंचिंग, बुलडोजर और नफरत फैलाने वाली राजनीति के शिकार होने वाले दूसरे लोगों को भी भारतीय नागरिकों की भांति सुरक्षा मिले।ऐसा लिखकर अली खान यह बताना चाह रहे थे कि कर्नल कुरैशी को धर्मनिरपेक्षता का प्रतीक बताने और धरातल पर भारतीय मुसलमानों के खिलाफ बढ़ते भेदभाव के बीच कितना अंतर है। क्या इस टिप्पणी को भारत की स्वायत्तता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाली बातों के तौर पर देखा जा सकता है? या क्या इसे किसी महिला की गरिमा का अपमान करने वाला कृत्य कहा जा सकता है? सरकार की आलोचना कब से इस हद तक एक अपराध हो गई कि भाजपा युवा मोर्चा के एक कार्यकर्ता सरपंच की शिकायत पर तत्काल गिरफ्तारी हो जाए या हरियाणा महिला आयोग नोटिस भेज दे? महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया से जब एक टीवी इंटरव्यू में यह पूछा गया कि अली खान ने किसी महिला की गरिमा का हनन कैसे किया है तो उनके पास इसका कोई तार्किक स्पष्टीकरण नहीं था। यह साफ है कि अन्य 'सरकारी' संस्थानों की तरह महिला आयोग ने भी आधिकारिक निर्देशों पर जल्दबाजी में नोटिस भेज दिया था। इसमें दिल्ली पुलिस भी शामिल थी। इस मामले ने कई परेशान करने वाले सवाल खड़े किए हैं। जैसे कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश के? लिए सत्ता का दुरुपयोग। यह इस तरह का इकलौता मामला नहीं है। चाहे किसी भी दल की सरकार हो, वह असहमति के स्वरों को दबाने के लिए इसी तरह से अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करती है। याद करें कि कैसे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार के बारे में सोशल मीडिया पर कथित रूप से एक अपमानजनक पोस्ट शेयर करने पर मराठी अभिनेत्री केतकी चिताले को 2022 में गिरफ्तारी का सामना करना पड़ा था। और कैसे द्रमुक सरकार ने तब चुप्पी साध ली थी, जब एक 'समूह' ने सत्ताधारी पार्टी के मुखर आलोचक और यूट्यूबर सुवुक्कू शंकर के घर में गंदगी फेंक दी थी। और कैसे कोलकाता के एक प्रोफेसर पर ममता बनर्जी का कार्टून फॉरवर्ड करने के आरोप लगाए गए थे और उन्हें गिरफ्तारी के 11 साल बाद जाकर रिहा किया गया था।एक मायने से भारतीय राजनीतिक तंत्र ने युगांडा के तानाशाह ईदी अमीन के इस कथन को अपना लिया है कि 'बोलने की आजादी तो है, लेकिन बोलने के बाद आजादी की गारंटी नहीं है!' हालात ऐसे बन गए हैं कि कौन कानून के दायरे में आएगा और कौन नहीं, यह भी आज पूरी तरह से सत्ता-कुलीनों की निजी धारणाओं के अधीन हो गया है। अली खान प्रकरण की तुलना मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह से करें, जिन्होंने कर्नल कुरैशी के खिलाफ अपमानजनक और साम्प्रदायिक टिप्पणी की थी। शाह को मंत्री पद से हटाने या सार्वजनिक रूप से फटकारने के बजाय भाजपा-नेतृत्व इस पर चुप है। मंत्री ने दिखावटी माफी मांग ली है। तब हाईकोर्ट को स्वतः संज्ञान लेकर मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने पर जोर देना पड़ा और सुप्रीम कोर्ट ने मंत्री की टिप्पणी को 'राष्ट्रीय शर्म' बताया। कोर्ट द्वारा इस मामले में एसआईटी नियुक्त करने के बावजूद पुलिस ने दिल्ली के अली खान मामले की तरह गिरफ्तारी के लिए सक्रियता नहीं दिखाई है। किसी पर रहम और किसी को सजा- क्या यही 'नया भारत' है? कौन कानून के दायरे में आएगा और कौन नहीं, यह भी आज पूरी तरह से सत्ता-कुलीनों की निजी धारणाओं के अधीन हो गया है। यकीन न हो तो अली खान प्रकरण की तुलना मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह से करके देख लें।(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

उपराष्ट्रपति चुनाव 9 सितंबर को,नामांकन 21 अगस्त तक,धनखड़ ने 21 जुलाई को दिया था इस्तीफा, जानें उपराष्ट्रपति चुनने की प्रक्रिया

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति चुनाव 9 सितंबर को होगा। 21 अगस्त तक उपराष्ट्रपति पद के लिए नामांकन भरे

जाएंगे। जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई की रात अचानक उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दिया था।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 22 जुलाई को धनखड़ का इस्तीफा मंजूर कर लिया था। 74 साल के धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था।6 स्टेप में चुना जाता है उपराष्ट्रपति, ऐसे समझें सबसे पहले निर्वाचक मंडल की लिस्ट बनती : उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए सबसे पहले निर्वाचक मंडल लिस्ट बनती है। इसमें लोकसभा और राज्यसभा के सभी निर्वाचित और नामित सदस्य शामिल होते हैं। दोनों सदनों में सदस्यों की कुल संख्या 782 है। लोकसभा में 542 और राज्यसभा में 240 है। ऐसे में नए उपराष्ट्रति पद पर वही व्यक्ति निर्वाचित होगा, जिसके पास 394 सदस्यों का समर्थन होगा। इस गणित से देखे तो एनडीए के पास दोनों सदनों में कुल 422 सदस्यों का बहुमत है। 7 अगस्त को जारी की जाएगी अधिसूचनाः चुनाव आयोग ने 1 अगस्त को उपराष्ट्रपति के चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। अधिसूचना 7 अगस्त को जारी की जाएगी। अधिसूचना जारी होते ही नामांकन शुरू हो जाता है। इसकी आखिरी तारीख 21 अगस्त है। नामांकन के लिए 20 सांसदों का समर्थन जरूरीः उम्मीदवार को कम से कम 20 सांसदों की तरफ से प्रस्तावित होना जरूरी है। इसके अलावा 20 सांसदों का समर्थन भी चाहिए।सांसद ही मतदाता, इसलिए प्रचार सीमितः चुनाव में केवल सांसद मतदाता होते हैं। इसलिए यह प्रचार सीमित दायरे में होता है। उम्मीदवार और उनके समर्थक दल प्रचार में शामिल होते हैं। मतदान कैसे होता हैः हर सांसद मतपत्र पर प्रत्याशियों को प्राथमिकता के क्रम में (1, 2, 3...) टिक करता है। वोटिंग तभी होती है, जब एक से अधिक उम्मीदवार मैदान में होते हैं। अन्यथा एक उम्मीदवार होने पर प्रत्याशी निर्विरोध चुनाव जीत जाता है। एक ही दिन वोटिंग और रिजल्टः मतदान के बाद ही रिजल्ट आ जाता है। उसकी वजह यह है कि दोनों सदनों के 782 सदस्य मतदान करते हैं। इनकी गणना कुछ घंटों में हो जाती है। जीत के लिए कुल वैध मतों का बहुमत यानी 50फीसदी से अधिक प्राप्त करना होता है। इसके बाद नतीजे घोषित किए जाते हैं। इस बार 9 सितंबर को सुबह 10 से 5 बजे के बीच वोटिंग होगी। उपराष्ट्रपति चुनाव में इंडिया ब्लॉक जॉइंट कैंडिडेट उतार सकता है. धनखड़ के इस्तीफा देने के बाद चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव प्रक्रिया की शुरुआत कर दी है। भाजपा की तरफ से इस पद के लिए कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत और सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर के नाम पर विचार चल रहा है। वहीं, इंडिया गठबंधन एक संयुक्त उम्मीदवार उतारने की तैयारी में है। न्यूज एजेंसी पीटीआई सूत्रों के मुताबिक, भले ही एनडीए के पास बहुमत है, फिर भी विपक्ष मानता है कि मुकाबला पूरी तरह एकतरफा नहीं है। उसे चुनाव से पीछे नहीं हटना चाहिए। आयोग ने इस पद के लिए निर्वाचक मंडल, रिटर्निंग ऑफिसर और अन्य जरूरी चीजों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। आयोग की तैयारियों के बीच भाजपा की कोशिश होगी कि इस पद का उम्मीदवार किसी अन्य सहयोगी को बनाने की जगह अपने उम्मीदवार का नाम तय कर उसके नाम पर सहयोगी दलों को राजी करे।

इंडिगो की मुंबई-कोलकाता फ्लाइट में युवक को पैनिक अटैक आया,साथी यात्री ने उसे थप्पड़ जड़ा, बोला- मुझे परेशानी हो रही थी

मंबई। इंडिगो की मुंबई-कोलकाता फ्लाइट का वीडियो वायरल है। इसमें

एक यात्री साथी यात्री को थप्पड़ मारता दिख रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक शख्य को पैनिक अटैक आया था, उसने शोर मचाया। इससे गुस्साए साथी यात्री ने उसे थप्पड़ जड़ा।वीडियो में नजर आ रहा है कि एक मुस्लिम शख्स को पैनिक आया हुआ है। वो गैलरी में खड़ा है। उसके आस-पास कुछ एयर होस्टेस भी मौजूद हैं जो उसे असिस्ट कर रही हैं। अचानक से सीट पर बैठ यात्री ने मुस्लिम शख्स को जोरदार थप्पड़ मार दिया।थप्पड़ के कारण मुस्लिम शख्स और पैनिक हो जाता है। वो जोरों से रोने लगता है। एयर होस्टेस भी घबरा जाता है और सीट पर बैठे यात्री से कहता है आपने ऐसा क्यों किया? अन्य यात्री भी सीट पर बैठे शख्स को गलत व्यवहार के लिए डांटने लगते हैं। इस पर शख्स कहता है- मुझे परेशानी हो रही थी। अन्य पैसेंजर्स सीट पर बैठे शख्स को गलत हरकत के लिए डांटने लगते हैं। इसके बाद एयर होस्टेस पैनिक अटैक से पीड़ित शख्स को दूसरी सीट पर ले जाकर बिठाती है। साथ ही थप्पड़ मारने वाले यात्री की भी सीट बदल देती हैं। घटना पर इंडिगो ने एक्स पोस्ट में लिखा- हमें अपनी एक फ्लाइट में हुई मारपीट की घटना की जानकारी है। इस तरह का अभद्र व्यवहार पूरी तरह से अस्वीकार्य है और हम अपने यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा और सम्मान से समझौता करने वाली किसी भी कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हैं। एयरलाइन ने लिखा कि फ्लाइट के कोलकाता लैंड होने के बाद थप्पड़ मारने वाले व्यक्ति को सुरक्षा एजेंसियों को सौंप दिया गया।

दिल्ली एनसीआर में बढ़ रहा फेक शादी का ट्रेंड, मेहंदी-संगीत होती हैं सारी रस्में, पर नहीं होते दूल्हा-दुल्हन

नयी दिल्ली। शादी का सीज़न गया, तो अब फेक शादी का सीजन आ गया। जी हां, बिना किसी मुहुर्त या साये और दूल्हा दूल्हन के होने वाली इस शादी थीम पार्टी में मेहमान हल्दी से लेकर मेहंदी तक सारी रस्म एंजॉय करते हैं और वह भी बिना

किसी फूफा-जीजा की नाराजगी के। आखिर दिल्ली एनसीआर समेत देशभर में क्यों बढ़ रहा है फेक शादी का यह ट्रेंड? हमने एक्सपर्ट्स से जाना।ढोल की थाप पर डांस करतीं सजी-धजी सोणी-सोणी कुड़ियां, नागिन डांस करते बराती और उनके पीछे 'आज मेरे यार की शादी है' धुन बजाते बैंड वाले...नजारा एकदम टिपिकल इंडियन शादी का है। लेकिन अब यार की शादी के बिना ही ढोल की थाप पर शादी वाला माहौल बन रहा है, खासकर उनके लिए जो बिना सीज़न के शादी एंजॉय करना चाहते हैं। जी हां, अब शादी ब्याह के साये तो सीधे नवंबर के आखिर में हैं। लेकिन इस दौरान दिल्ली-एनसीआर में लोग फेक वेडिंग का ट्रेंड खूब एन्जॉय कर रहे हैं, जिसमें हल्दी-मेहंदी, संगीत समेत सब कुछ शादी वाला होता है, बस एक चीज नहीं होती और वह है दूल्हा और दुल्हन।आजकल फेक वेडिंग का ट्रेंड इतना क्यों बढ़ रहा है? एक्सपर्ट्स का कहना है कि अब कई महीनों तक शादी का ऑफ सीजन होने की वजह से फेक वेडिंग ट्रेंड में आया है। बीएमपी वेडिंग के फाउंडर और वेडिंग प्लानर रघुवीर सिंह बताते हैं, 'फेक वेडिंग का वेडिंग इंडस्ट्री से कोई लेना-देना नहीं है। ये एक तरह की थीम पार्टी हैं।फेक वेडिंग क्योंकि सुनने में एक नया शब्द था और ये वेडिंग उस समय आयोजित की गई, जब शादी का सीजन ऑफ था। ऐसे में जिन लोगों को किसी यूनीक थीम पार्टी में जाने का मन है और जो लोग शादी के माहौल को एंजॉय करना चाहते हैं, उन्हें फेक वेडिंग का कॉन्सेप्ट पसंद आ रहा है।' वहीं ट्रिपी टकीला के मालिक लव ढींगरा बताते हैं, 'हमें फेक वेडिंग आइडिया तब आया, जब पुणे में एक फेक वेडिंग में काफी लोग पहुंचे थे, तो हमने सोचा क्यों ना दिल्ली-एनसीआर में भी लोगों को फेक वेडिंग में बुलाया जाए। हमने जेन जी को ध्यान रखकर फेक वेडिंग प्लान की थी, लेकिन इस शादी में ना सिर्फ जेन जी, बल्कि शादीशुदा नए जोड़े, सीनियर सिटीजन कपल और तमाम कुंवारे लोग भी पहुंचे।'असली शादियों में जाने का अपना ही क्रेज होता है, लेकिन फेक वेडिंग में जाने की लोगों की क्या वजह है? इस बारे में एक फेक वेडिंग में शामिल हुईं मुस्कान बताती हैं, 'हम इस वेडिंग में एंटरटेनमेंट और खाने-पीने को एंजॉय करने गए थे, साथ ही इस तरह के कार्यक्रम हमारी यादों को ताजा भी करते हैं। हमने असली शादी में तो बैंड बाजा और खाना-पीना कई बार किया है, लेकिन फेक वेडिंग में उसकी वाइब्स को भी महसूस करना था। वहां डेकोरेशन और बैंड बाजा देखकर बिल्कुल असली शादी जैसा अहसास हो रहा था।'वहीं एक दूसरी फेक वेडिंग में शामिल हुईं शिल्पा कठैत कहती हैं, 'आजकल जब कई युवा अपने घर-परिवार से दूर हैं, तो ऐसे मौके हमें एक बार फिर उस पारिवारिक जुड़ाव का अहसास कराते हैं। सबसे अच्छी बात ये लगी कि मैंने अपने ट्रडिशनल आउटफिट को बिना किसी रिश्तेदार की टेढ़ी नज़र या जजमेंट के पहना और एन्जॉय किया।'फेक वेडिंग से निकले फेक संगीत का ट्रेंड भी आजकल काफी चर्चा में है। फेक संगीत का आयोजन करने वाली कंपनी जुम्मा की रात के फाउंडर साहिब गुजराल बताते हैं, 'हमने सोचा कि इस देश का सबसे बड़ा उत्सव तो शादियां है। मगर आजकल शादी बहुत खर्चीली होती हैं, जो सबकी जेब पर बोझ डालती हैं। इसलिए कुछ ऐसा किया जाए, जिसमें लोगों को शादी का फ्लेवर भी मिले और उतना खर्चा भी ना आए, इस इसी से फेक संगीत की शुरुआत हुई।' वह आगे कहते हैं, 'हमारी पार्टी में लोगों को हैवी पार्टी ड्रेस पहनने का मौका मिल जाता है, जो दूसरी पार्टियों में आसानी से नहीं मिलता।' वहीं फेक संगीत के अलावा एक बर्थडे वेडिंग का ट्रेंड भी खूब वायरल हुआ, जहां जन्मदिन की पूरी तैयारी शादी की तर्ज पर होती है। वहीं सोलो वेडिंग भी शादी से निकला एक ऐसा ट्रेंड है, जिसमें लड़का या लड़की बिना पार्टनर के ही शादी का पूरा आयोजन करते हैं। भारत में फेक वेडिंग की शुरुआत चेन्नै में एक फेक वेडिंग से हुई थी। उसके बाद मुंबई और पुणे में भी फेक वेडिंग के आयोजन किए गए, जहां तमाम लोग शादी वाले कपड़ों में पहुंचे थे। इसके बाद अब दिल्ली-एनसीआर के लोगों के लिए नोएडा में फेक वेडिंग इवेंट किया गया। ये भारत के लिए बेशक नया कॉन्सेप्ट हो, लेकिन हकीकत में यह विदेश से आया है। यानी दुनिया में ये ट्रेंड पहले ही आ चुका था। अमेरिका में कुछ स्टूडेंट्स ने मिलकर दो दिन का फेक वेडिंग इवेंट आयोजित किया था। इसी तरह दुबई में भी फेक वेडिंग का कॉन्सेप्ट काफी पसंद किया गया।

भगवान बुद्ध की अस्थियां नीलाम करने वाला था अमेरिकी परिवार:जोधपुर में केंद्रीय मंत्री बोले-भारत सरकार ने रुकवाई नीलामी, 127 साल बाद देश लौटीं

जोधपुर। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा- 127 साल बाद भगवान बुद्ध की अस्थियां अपनी

'वास्तविक भूमि' पर लौट आई हैं। ये अस्थियां साल 1898 में उत्तर प्रदेश के पिपरहवा में मिली थीं। इन्हें अंग्रेजों के शासन काल में देश से बाहर भेज दिया गया था। इस साल एक अंतरराष्ट्रीय नीलामी में इन्हें प्रदर्शित किया गया था। तब से ही पीएम नरेंद्र मोदी ने इन्हें भारत लाने का फैसला कर लिया था। अमेरिका में रहने वाला परिवार इन्हें नीलाम करने वाला था। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री शेखावत ने बुधवार को इन्हें दिल्ली एयरपोर्ट पर प्राप्त किया। मंत्री ने शनिवार को जोधपुर में अपने आवास पर जनसुनवाई के दौरान इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी कह चुके हैं- 'भारत भगवान बुद्ध का देश है।' अमेरिका में रहने वाला परिवार नीलाम करने वाला था केंद्रीय मंत्री ने कहा- भगवान बुद्ध के परिनिर्वाण के बाद में उनकी अस्थियों को 8 हिस्सों में बांटा गया था। आठवां हिस्सा, उनके परिवार के शाक्य वंश के हिस्से में आया था। उसे उन्होंने कपिलवस्तु के पिपरहवा में एक पत्थर के बक्से (बॉक्स) में जमीन में रखा था। 1898 में अंग्रेजों के समय हुई खुदाई में यह बक्सा मिला था। उस बक्से में भगवान बुद्ध की अस्थियां एक क्रिस्टल के बॉक्स में रखी थीं। दूसरे बॉक्स में उनके भतीजे, परिवार के अन्य सदस्यों का सामान था। भारत की इस संपदा का एक बड़ा हिस्सा खोजकर्ता अंग्रेज अफसर विलियम पेप्पे को दे दिया था। शेखावत ने बताया- अमेरिका में रहने वाला वो परिवार, जिनके पास ये अस्थियां थीं। वो इसे एक बड़े अंतरराष्ट्रीय नीलामी हाउस के जरिए बेचने की तैयारी में थे। अप्रैल के आखिर में संज्ञान में आया था कि उन्होंने सोथबीज (दुनिया का जो सबसे बड़ा ऑक्शन हाउस) के माध्यम से उसको बिक्री के लिए नामित किया था। हमने उस ऑक्शन को रुकवाया। कहा कि भारत सरकार उसे लेना चाहता है, अधिकृत करना चाहता है। अब 127 साल बाद भारत की संपदा भारत में लौट आई है।केंद्रीय मंत्री ने मालेगांव ब्लास्ट केस के फैसले पर कहा- यह साफ हो गया है कि किस तरह राजनीतिक लाभ के लिए झूठे केस बनाए गए थे। उन्होंने कांग्रेस और विपक्ष पर झूठे नैरेटिव फैलाने का आरोप लगाया। सत्य को छुपाया जा सकता है, लेकिन उसे मिटाया नहीं जा सकता। एक बार फिर सत्य विजयी हुआ है।

भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु बोले- फोन भारी लगता है,लैपटॉप बिस्तर से गिरा दिया, सोचा हवा में तैरता रहेगा,शरीर ग्रेविटी का अभ्यस्त हो गया था

इसी महीने भारत लौट सकते हैं

नयी दिल्ली। भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला ने शुक्रवार को एक ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने 20 दिनों के अंतरिक्ष मिशन और इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में 18 दिनों तक रहने के अनुभव साझा किए।शुक्ला ने पृथ्वी पर गुरुत्वाकर्षण

के साथ फिर से तालमेल बिठाने का अपना अनुभव बताया। उन्होंने कहा- धरती पर लौटने के बाद मैंने फोटो लेने के लिए मोबाइल मांगा। जिस समय मैंने मोबाइल पकड़ा, मुझे लगा वह बहुत भारी है।एक और घटना के बारे में उन्होंने बताया- मैं अपने बिस्तर पर बैठा था। मैंने अपना लैपटॉप बंद किया और बिस्तर से किनारे खिसका दिया। मैंने सोचा वह हवा में तैरता रहेगा। शुक्र है, फर्श पर कालीन बिछी थी इसलिए कोई नुकसान नहीं हुआ। शुभांशु शुक्ला का एक्सियम-4 मिशन 25 जून को फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च हुआ था और 15 जुलाई को पृथ्वी पर लौटा था। शुक्ला के अगस्त के दूसरे या तीसरे हफ्ते तक भारत लौटने की उम्मीद है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में शुक्ला ने कहा- 41 साल बाद एक भारतीय अंतरिक्ष से लौटा। इस बार यह सिर्फ एक छलांग नहीं थी, यह भारत की दूसरी उड़ान की शुरुआत थी। इस बार हम तैयार हैं। सिर्फ उड़ने के लिए नहीं बल्कि नेतृत्व करने के लिए। उन्होंने कहा कि पूरी अंतरिक्ष यात्रा में सबसे यादगार पल वह था जब 28 जून को पीएम मोदी से बात की और उनके पीछे तिरंगा लहरा रहा था। पीएम मोदी ने मुझे हर उस चीज को रिकॉर्ड करने के लिए कहा था जो हम वहां कर रहे थे। मैंने ये काम बहुत अच्छे से किया है। शुभांशु शुक्ला एक्सियम-4 मिशन का हिस्सा थे। इसकी एक सीट के लिए भारत ने 548 करोड़ रुपए चुकाए थे। यह एक प्राइवेट स्पेस फ्लाइट मिशन था। इसे अमेरिकी स्पेस कंपनी एक्सियम, नासा और स्पेसएक्स की साझेदारी से लॉन्च किया गया था। यह कंपनी अपने स्पेसक्राफ्ट में निजी अंतरिक्ष यात्रियों को आईएसएस भेजती है। शुभांशु को आईएसएस में इंडियन एजुकेशन इंस्टीट्यूट्स? के 7 प्रयोग करने थे। इनमें ज्यादातर बायोलॉजिकल स्टडीज के थे। उन्हें नासा के साथ 5 अन्य प्रयोग भी करने थे। इसमें लंबे अंतरिक्ष मिशन के लिए डेटा जुटाया जाना था। इस मिशन में किए गए प्रयोगों ने भारत के गगनयान मिशन को मजबूत किया है। मिशन स्पेस स्टेशन बनाने की प्लानिंग का हिस्सा था मिशन का मुख्य उद्देश्य अंतरिक्ष में रिसर्च करना और नई टेक्नोलॉजी को टेस्ट करना था। ये मिशन प्राइवेट स्पेस ट्रैवल को बढ़ावा देने के लिए भी था। मिशन स्पेस प्लानिंग का हिस्सा था। इसमें भविष्य में एक कॉमर्शियल स्पेस स्टेशन (एक्सियम स्टेशन) बनाने की योजना है। शुभांशु शुक्ला 14 जुलाई को धरती पर लौटे थे। एक्सियम-4 मिशन के तहत शुभांशु सहित चार क्रू सदस्य आईएसएस पहुंचे थे। मिशन 25 जून को फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च हुआ था। ड्रैगन अंतरिक्ष यान 28 घंटे की यात्रा के बाद 26 जून को आईएसएस पर डॉक किया गया था। यह मिशन 14 दिनों का था, लेकिन एस्ट्रोनॉट की वापसी में चार दिन की देरी हुई थी। 41 साल बाद कोई भारतीय एस्ट्रोनॉट अंतरिक्ष में गया अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा और भारतीय एजेंसी इसरो के बीच हुए एग्रीमेंट के तहत भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को इस मिशन के लिए चुना गया था। 41 साल पहले भारत के राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत यूनियन के स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष यात्रा की थी। शुभांशु का ये अनुभव भारत के गगनयान मिशन में काम आएगा। ये भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन है, जिसका उद्देश्य भारतीय गगनयात्रियों को पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजना और सुरक्षित रूप से वापस लाना है। इसके 2027 में लॉन्च होने की संभावना है। भारत में एस्ट्रोनॉट को गगनयात्री कहा जाता है। इसी तरह रूस में कॉस्मोनॉट और चीन में ताइकोनॉट कहते हैं। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन क्या है? इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) धरती के चारों ओर घूमने वाला एक बड़ा अंतरिक्ष यान है। इसमें एस्ट्रोनॉट रहते हैं और माइक्रो ग्रेविटी में एक्सपेरिमेंट करते हैं। यह 28 हजार किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रैवल करता है। यह हर 90 मिनट में पृथ्वी की परिक्रमा पूरी कर लेता है। 5 स्पेस एजेंसीज ने मिलकर इसे बनाया है। स्टेशन का पहला पीस नवंबर, 1998 में लॉन्च किया गया था।

पूर्व जेडीएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना रेप मामले में दोषी करार,कोर्ट से रोते हुए बाहर निकला, कल सजा का ऐलान,मेड का शोषण किया था

मैसूरु। बेंगलुरु की स्पेशल कोर्ट ने शुक्रवार को पूर्व जेडीएस सांसद और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा का पोते प्रज्वल रेवन्ना को मेड से रेप मामले में दोषी ठहराया। कोर्ट शनिवार को सजा सुनाएगी। कोर्ट का फैसला आने के समय खिलाफ उनके घर में काम करने वाली महिला ने यौन उत्पीड़न की शिकायत की थी। 26 अप्रैल को बेंगलुरु में पब्लिक प्लेसेस में कई पेन ड्राइव मिलीं।दावा किया गया कि पेन ड्राइव में 3 हजार से 5 हजार वीडियो हैं, जिनमें प्रज्वल 2024 को वीडियो जारी करके कहा था- 'मैं 31 मई, 2024 को एघ्ढ के सामने पेश हो जाऊंगा। मेरे खिलाफ लगे सभी आरोप झूठे हैं। मुझे अदालत पर भरोसा है और विश्वास है कि मैं अदालत के जरिए झूठे मामलों से बाहर आऊंगा।' दादा

रेवन्ना भावुक दिखा और बाहर निकलते वक्त रो पड़ा। रेवन्ना के परिवार के फार्महाउस में काम करने वाली 47 साल की एक महिला ने पिछले साल अप्रैल में उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। उसने रेवन्ना पर 2021 से कई बार रेप करने और किसी को भी घटना के बारे में बताने पर वीडियो लीक करने की धमकी देने का आरोप लगाया था। कोर्ट ने 18 जुलाई को इस मामले की सुनवाई पूरी की थी। रेवन्ना के खिलाफ रेप, ताक-झांक, आपराधिक धमकी और अश्लील तस्वीरें लीक करने सहित विभिन्न धाराओं के तहत आरोप तय किए थे। उसके खिलाफ रेप के कुल 4 मामले दर्ज हैं। इनमें से यह पहला केस है, जिसमें उसे दोषी ठहराया गया है। पिछले साल प्रज्वल रेवन्ना का नाम कर्नाटक सेक्स स्कैंडल में सामने आने के बाद चर्चा में आया था। उस पर 50 से ज्यादा महिलाओं से यौन उत्पीड़न का आरोप है। उनके खिलाफ रेप, छेड़छाड़, ब्लैकमेलिंग और धमकी देने के आरोपों से जुड़े अब तक 4 एफआईआर दर्ज की गई हैं। पिछले साल, रेवन्ना के सोशल मीडिया पर 2,000 से ज्यादा अश्लील वीडियो क्लिप सामने आए थे। 2024 के लोकसभा चुनावों में रेवन्ना ने कर्नाटक की हासन संसदीय सीट पर दूसरी बार चुनाव लड़ा था, लेकिन वह अपनी सांसदी नहीं बचा सका। उसके खिलाफ दर्ज मामलों के बाद जेडीएस ने उसे पार्टी से निलंबित भी कर दिया था। क्या है कर्नाटक सेक्स स्कैंडल- प्रज्वल रेवन्ना के को कई महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न करते देखा गया। महिलाओं के चेहरे भी ब्लर नहीं किए गए। मामला बढ़ने पर राज्य सरकार ने एसआईटी बनाई। प्रज्वल के खिलाफ रेप, छेड़छाड़, ब्लैकमेलिंग और धमकी देने के आरोपों समेत तीन एफआईआर दर्ज की गईं। एसआईटी ने जांच में खुलासा किया कि प्रज्वल ने 50 से ज्यादा महिलाओं का सेक्शुअल हैरेसमेंट किया था। इनमें 22 साल से 61 साल तक की महिलाएं हैं। 50 में से करीब 12 महिलाओं से जबर्दस्ती संबंध बनाए गए, यानी उनका रेप हुआ। बाकी महिलाओं को अलग-अलग तरह का लालच देकर सेक्शुअल फेवर लिया। प्रज्वल ने किसी को सब-इंस्पेक्टर, किसी को तहसीलदार तो किसी को फूड डिपार्टमेंट में नौकरी दिलवा दी। कर्नाटक सेक्स स्कैंडल में नाम सामने आने से पहले प्रज्वल रेवन्ना 2024 लोकसभा चुनाव के प्रचार-प्रसार में व्यस्त था। वह कर्नाटक के हासन सीट से सिटिंग सांसद थे। 2024 लोकसभा चुनाव भी यहीं से लड़ रहा था। हासन लोकसभा सीट पर 26 अप्रैल को चुनाव हुए थे। इस बीच वह सेक्शुअल हैरेसमेंट के आरोपों से घिर गया। चुनाव के अगले दिन ही 27 अप्रैल को प्रज्वल देश छोड़कर जर्मनी चला गया। फिर 35 दिन बाद 31 मई को जर्मनी से भारत पहुंचा, तो पुलिस ने बेंगलुरु एयरपोर्ट से ही उसे गिरफ्तार कर लिया। 27 मई को प्रज्वल ने वीडियो जारी किया था कर्नाटक में सेक्स स्कैंडल के आरोपी प्रज्वल रेवन्ना ने 27 मई, देवगौड़ा ने भारत लौटने की चेतावनी दी थी प्रज्वल का भारत लौटने का बयान वाला वीडियो पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा और उनके दादा की 23 मई को दी चेतावनी के 3 दिन बाद आया था। देवगौड़ा ने कहा था कि प्रज्वल भारत लौट आएं और जांच का सामना करें। इस मामले की जांच में हमारे परिवार की तरफ से कोई दखलअंदाजी नहीं की जाएगी। देवगौड़ा ने कहा था कि मैं प्रज्वल से रिक्वेस्ट नहीं कर रहा, बल्कि चेतावनी दे रहा हूं। अगर वे इस चेतावनी को नहीं मानता है तो उसे मेरा और पूरे परिवार का गुस्सा झेलना पड़ेगा। उस पर लगे आरोपों को कानून देखेगा, लेकिन अगर वह मेरी बात नहीं सुनेगा तो हम उसे अकेला छोड़ देंगे। प्रज्वल ने कहा- अपने माता-पिता, दादा से माफी मांगता हूं प्रज्वल ने कन्नड़ टीवी चैनल को भेजे एक वीडियो में कहा था, 'मैं सबसे पहले अपने माता-पिता, अपने दादा, कुमारस्वामी और अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं और राज्य के लोगों से माफी मांगता हूं। मैं यह नहीं बता रहा हूं कि मैं कहां हूं। जब (अप्रैल) 26 तारीख को चुनाव हुए, तो मुझ पर कोई केस नहीं था। तब कोई एसआईटी नहीं बनी थी। मेरी विदेश यात्रा पहले से तय थी। इसलिए मुझे यूट्यूब और समाचारों के माध्यम से इसके बारे में पता चला, फिर मेरे एक्स अकाउंट के माध्यम से मुझे एसआईटी का नोटिस भी दिया गया। पेश होने के लिए 7 दिन का समय है।'

शिवलिंग पर बिच्छू' टिप्पणी मामले में थरूर को राहत,सुप्रीम कोर्ट बोला- प्रशासक और जज एक जैसे, दोनों की चमड़ी मोटी,2018 का है मामला

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर 'शिवलिंग पर बिच्छू' वाली

टिप्पणी के मामले सांसद शशि थरूर को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली। कोर्ट ने शुक्रवार को कहा- थरूर के खिलाफ चल रही मानहानि की कार्रवाई पर रोक को आगे बढ़ाया गया है। सुनवाई 15 सितंबर तक टाली गई है। शिकायतकर्ता और भाजपा नेता राजीव बब्बर ने गैर-सामान्य दिन पर सुनवाई की मांग की। इस पर जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एन दौरान सिंह की बेंच ने कहा- इतना संवेदनशील क्यों हो रहे हैं? बेंच ने कहा- 'आइए हम सब इन चीजों को बंद कर दें। एक तरह से प्रशासक और न्यायाधीश एक ही समूह में आते हैं। उनकी चमड़ी मोटी होती है, ऐसी चीजों से कोई फर्क नहीं पड़ता।' थरूर ने 'शिवलिंग पर बिच्छू' वाली टिप्पणी 2018 में एक कार्यक्रम के दौरान की थी। वे बेंगलुरु में लिटरेचर फेस्टिवल में शामिल हुए थे। अपनी किताब 'द पेराडॉक्सियल प्राइम मिनिस्टर' के बारे में चर्चा की थी। एक पत्रकार के वाल पर उन्होंने कहा था- नरेंद्र मोदी आरएसएस के लिए शिवलिंग पर बैठे उस बिच्छू की तरह हैं,जिसे न हाथ से हटाया जा सकता है और न ही चप्पल से मारा जा सकता है। अगर हाथ से हटाया तो बुरी तरह से काट लेगा। उन्होंने कहा था कि मोदी का मौजूदा व्यक्तित्व उनके समकक्षों के लिए निराशा का विषय बन गया है। मोदित्व, मोदी प्लस हिंदुत्व के चलते वे संघ से भी ऊपर हो चुके हैं। उन्होंने दावा किया था कि एक आरएसएस नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना 'शिवलिंग पर बैठे बिच्छू' से की थी। यह बात उन्होंने छह साल पहले एक मैगजीन में छपे एक लेख के हवाले से कही थी। सुप्रीम कोर्ट ने पहले भी इस पर हैरानी जताई थी कि जब यह लेख 2012 में छपा था, तब इसे मानहानि नहीं माना गया। जस्टिस रॉय ने पहले कहा था कि यह एक रूपक है, वे नहीं समझ पा रहे कि इस पर आपत्ति क्यों हो रही है।

गैंगरेप पर अहमदाबाद ट्रैफिक पुलिस का विवादित पोस्टर/सलाह दी,रात की पार्टियों में नहीं जाना, रेप-गैंगरेप हो सकता है,आपत्ति के बाद हटाया

अहमदाबाद। रात की पार्टियों में नहीं जाना, रेप-गैंगरेप हो सकता है... को अहमदाबाद की सड़कों पर लगाए थे।आम आदमी पार्टी आप के प्रदेश

दोस्तों के साथ अंधेरे, सुनसान इलाकों में न जाएं। सामूहिक बलात्कार हो सकता है... ये विवादास्पद शब्द लिखे पोस्टर्स शुक्रवार की सुबह अहमदाबाद की सड़कों पर नजर आए थे। हालांकि, विवाद होने पर कुछ देर बाद ही ये हटा दिए गए थे।ट्रैफिक पुलिस ने दी सफाई विवाद के बाद डीसीपी ट्रैफिक सफीन हसन ने कहा कि इन पोस्टर्स से अहमदाबाद शहर पुलिस को कोई लेना-देना नहीं है। ट्रैफिक पुलिस द्वारा एक एनजीओ को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक करने के पोस्टर्स लगाने की अनुमति है। एनजीओ को सिर्फ रोड सेफ्टी के बैनर और पोस्टर लगाने की स्वीकृति थी, लेकिन महिला सुरक्षा को लेकर ऐसे पोस्टर्स लगाए जाना पूरी तरह से गलत हैं। डीसीपी सफीन हसन के मुताबिक, इस मुद्दे पर पुलिस आयुक्त जीएस मलिक ने कड़ा संज्ञान लिया है। सोला पुलिस थाने में इस संबंध में शिकायत भी दर्ज की गई। इसमें जांच की जाएगी कि एनजीओ ने किसकी परमिशन के बाद ये पोस्टर्स प्रवक्ता डॉ. करण बारोट ने मीडिया से कहा- अहमदाबाद जब देश का सबसे सुरक्षित शहर है तो फिर इस तरह के पोस्टर क्यों लगाए गए? क्या सरकार लोगों को सुरक्षा प्रदान नहीं कर सकती है?वहीं, गुजरात कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा ने एक्स पर लिखा- राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के अधीन गृह विभाग और पुलिस, की अनुमति से गुजरात की बेटियों का सार्वजनिक रूप से अपमानित किया जा रहा है। अपनी नाकामी स्वीकार कर रहे हैं कि गुजरात में बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। शर्म आनी चाहिए। देर रात तक अकेले गरबा खेलने और बेखौफ घर आने पर गर्व करने वाली गुजरात सरकार अब पुलिस को यह बताकर पूरे गुजरात में पोस्टर लगवा रही है कि गुजरात में बेटियों की सुरक्षा नहीं है, आपको खुद उनकी सुरक्षा करनी होगी।

अमरनाथ यात्रा एक हफ्ते पहले बंद,भारी बारिश से बालटाल और पहलगाम दोनों रास्ते खराब हुए, इस साल 4.1 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए

श्रीनगर। अमरनाथ यात्रा को कल से रोक दिया गया है। यात्रा 9 अगस्त तक चलनी थी, लेकिन भारी बारिश के लाख श्रद्धालु अमरनाथ गुफा में दर्शन कर चुके हैं, जबकि पिछले साल 5.10 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे थे।अमरनाथ

कारण रास्ते खराब होने की वजह से इसे 3 अगस्त को ही रोक दिया गया। कश्मीर के डिविजनल कमिश्नर विजय कुमार बिधूड़ी ने बताया कि यात्रा मार्गों को बारिश के कारण काफी नुकसान पहुंचा है। बालटाल और पहलगाम दोनों रास्तों पर मरम्मत का काम होगा, इसलिए यात्रा को रोकना पड़ा है। उन्होंने कहा कि रास्तों पर मशीनों और कर्मियों की लगातार तैनाती के चलते यात्रा फिर से शुरू करना संभव नहीं है। अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी और 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन समाप्त होनी थी। इस साल अब तक 4.10 यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी। इस दौरान सुबह बाबा अमरनाथ की पहली आरती की गई थी। इस बार यात्रा केवल 1 महीना ही चल पाई। यात्रा के दौरान लगभग 50,000 ऐंड्ढ जवान तैनात किए गए थे।5 जुलाई को यात्रियों को लेकर जा रहे काफिले की चार बसों में टक्कर हो गई थी। रामबन जिले में चंदरकोट लंगर के पास हुए हादसे में करीब 36 यात्री घायल हो गए। हादसा तब हुआ, जब ब्रेक फेल होने के कारण एक बस का ड्राइवर नियंत्रण खो बैठा। इससे काफिले में शामिल तीन और बसें आपस में टकरा गईं।

विविध कार्यक्रमों के साथ गोस्वामी तुलसीदास जी की 528वीं जयंती मनी,अतिथियों को किया गया सम्मानित

घोरावल तहसील क्षेत्र के श्री रघुनाथ मंदिर देवगढ़ में हुआ आयोजन

सोनभद्र। श्री रघुनाथ-मन्दिर देवगढ़ तीर्थक्षेत्र न्यास, देवगढ़, एवं विशिष्ट अतिथि रामनाथ शिवेन्द्र द्वारा गोस्वामी तुलसीदास जी के चित्र पाण्डेय 'विकल' ने अपनी हिन्दी और भोजपुरी की कविताओं का सस्वर काव्य-

सोनभद्र के तत्वावधान में वेणीविलास अतिथिगृह के सभागार में कलिपावनावतार गोस्वामी तुलसीदास की 528वीं जयन्ती वृहस्पतिवार को सोल्लास सम्पन्न हुई।कार्यक्रम के प्रथम सत्र में सन्त श्याम प्रसाद दास, अभय दास, किशन दास के नेतृत्व में भगवन्नाम-संकीर्तन का आयोजन हुआ। तदुपरान्त संरक्षक श्री वृद्धेश्वरनाथ पीठाधीश्वर महन्त डॉ. योगानन्द गिरि जी महाराज, सभाध्यक्ष पण्डित अजय शेखर, मुख्य अतिथि पण्डित सुधाकर शर्मा के सम्मुख दीप-प्रज्ज्वलन से द्वितीय सत्र 'काव्य-निशा' का शुभारम्भ हुआ।कविवर ईश्वर विरागी की वाणी-वन्दना से काव्य-निशा का श्रीगणेश हुआ। इस अवसर पर डॉ. अनुज प्रताप सिंह (मिर्ज़ापुर), दिनेश गुक्कज (प्रतापगढ़), अमरनाथ तिवारी 'मणि' (देवरिया), डॉ. लालजी सिंह बिसेन, एड. अशोक तिवारी, कवयित्री कौशल्या कुमारी चौहान, कवयित्री दिव्या राय, एड. प्रद्युम्नकुमार त्रिपाठी 'पद्म', प्रभात सिंह चन्देल, रामनाथ शिवेन्द्र, कविराज पण्डित रमाशंकर पाठ किया। अभ्यागत अतिथियों को अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन साहित्यकार, इतिहासकार डॉ. जितेन्द्र कुमार सिंह 'संजय' एवं काव्यात्मक संचालन कवि दिलीप सिंह 'दीपक' ने किया। इस अवसर पर राजर्षि बाबू राम प्रसाद सिंह देवगढ़, स्वामी अरविन्द, राजेश सिंह राष्ट्रवादी, बाबू महेन्द्र बहादुर सिंह, सन्दर्भ पाण्डेय, अजीत सिंह परमार, धर्मेन्द्र कुमार सिंह 'राजेश', ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह 'बृजेश', मिश्रीलाल आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही।

'मिशन शक्ति' के तहत महिला सुरक्षा व सशक्तिकरण को लेकर जनपद पुलिस का प्रभावी जागरूकता अभियान

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 'मिशन शक्ति फेज-5.0' के अंतर्गत महिलाओं एवं प्रमुख गतिविधियां- महिला सशक्तिकरण योजनाओं की जानकारी, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला आमजन, विशेषकर युवतियों व महिलाओं से संवाद स्थापित कर उन्हें आश्वस्त किया कि किसी भी असुविधा

बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता को सुनिश्चित करने हेतु पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपद सोनभद्र पुलिस द्वारा व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत जिले के सभी थाना क्षेत्रों में गठित मिशन शक्ति टीमों व एंटी रोमियो स्क्वॉड द्वारा बाजारों, शिक्षण संस्थानों, चौराहों, धार्मिक स्थलों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर महिला अधिकारों, सुरक्षा संसाधनों व कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, राष्ट्रीय पोषण मिशन, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना। महिला सुरक्षा हेल्पलाइन नंबरों का प्रचार-प्रसार एवं पंपलेट वितरण- महिला शक्ति हेल्पलाइन - 1090, महिला हेल्पलाइन - 181, पुलिस आपात सेवा - 112, सीएम हेल्पलाइन - 1076, स्वास्थ्य सेवा - 102.एम्बुलेंस - 108, साइबर हेल्पलाइन - 1930. जन सहभागिता एवं संवाद- महिला पुलिसकर्मियों ने अथवा उत्पीड़न की स्थिति में वे निःसंकोच पुलिस से संपर्क करें। आम नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए ऐसे अभियानों को नियमित रूप से आयोजित किए जाने की आवश्यकता जताई। जनपद पुलिस की प्रतिबद्धता- सोनभद्र पुलिस द्वारा महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण हेतु इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम मिशन शक्ति के तहत सतत रूप से आयोजित किए जाते रहेंगे, जिससे सकारात्मक सामाजिक वातावरण और जनसहभागिता को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके।

बीजेपी सरकार में महंगाई चरम सीमा की पारः भगवती चौधरी

सोनभद्र। जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक जिला उपाध्यक्ष बृजेश लिए युद्ध स्तर पर काम किया जा रहा है। श्री चौधरी ने कहा कि बीजेपी कांग्रेस के एक एक कार्यकर्ता पूरी ताकत से संगठन सृजन के तहत कार्य

तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ त जिसमें मुख्यातिथि के रूप में प्रयागराज जोन के समन्वयक पूर्व विधायक भगवती चौधरी मौजूद रहे तकार्यक्रम में संगठन सृजन अभियान के तहत ब्लॉक मंडल, और बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने के लिए रणनीति बनाई गई त मुख्य अतिथि जोन समन्वयक पूर्व विधायक भगवती चौधरी ने कहा की संघटन सृजन अभियान के तहत ब्लॉक, न्यायपंचायत,मंडल अध्यक्ष और बूथ कमेटी को बनाने का कार्य बहुत तेजी से किया जा रहा है त संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत काम करने वाले युवाओं को संगठन में शामिल किया जा रहा है त निश्चित रूप से कांग्रेस पार्टी को न्याय पंचायत से लेकर बूथ तक संगठन को मजबूत बनाने के सरकार में महंगाई चरम पर है, आदिवासियों के जमीनों को भू माफियाओ द्वारा कब्जा किया जा रहा त बीजेपी सरकार मनरेगा में काम करने वाले मजदूरों का समय से भुगतान न होने से मजदूरों के सामने आर्थिक संकट से गुजर रहे है त बीजेपी सरकार स्कूलों को मर्ज करने के नाम पर गरीबों के बच्चों को शिक्षा से वंचित करने का कुचक्र रच रही है. पूर्व पीसीसी सदस्य राजेश द्विवेदी ने कहा कि बीजेपी सरकार में आम लोग ,किसान, युवा, मजदूर ,सभी लोग त्रस्त है । जनता बदलाव चाहती है, बीजेपी से आमजनता का मोहभंग हो चुका है। जिला उपाध्यक्ष बृजेश तिवारी और जिला महासचिब इनामुल हक अंसारी ने कहा कि बीजेपी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए कर रहे है। जिला प्रवक्ता शत्रुंजय मिश्रा ने कहा कि सरकार बेलगाम हो चुकी है, सरकार जनता की जनसमस्याओं को अनसुना कर रही है। कांग्रेस पार्टी की तरफ जनता का रुझान तेजी से बढ़ रहा है। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिब बाबूलाल पनिका ने किया। उक्त मौके पर जिला उपाध्यक्ष विनोद तिवारी, जिला महासचिव दयाशंकर देव पांडेय,पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष हिमाचल साहनी, आशुतोष दुबे, राजबली पांडेय, हरिश्चन्द्र सोनकर, रामेश्वर यादव, संतोष नेताम, लल्लू राम पांडे, आशीष सिंह, सूरज वर्मा, स्वतंत्र साहनी, शेखर शरण सिंह, रामविलास पनिका, शीतला सिंह पटेल,अहमद हुसैन, ईश्वर गौड़, दयाराम प्रजापति, सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

एडीएम ने अनपरा नगर पंचायत के विकास कार्यों की ली जानकारी

सोनभद्र। अपर जिलाधिकारी बागीश शुक्ला ने अनपरा नगर गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो तथा निर्धारित समय

पंचायत क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माणाधीन सड़कों, नाली, पेयजल आपूर्ति, सफाई व्यवस्था तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं से संबंधित परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।उन्होंने निरीक्षण के दौरान हो रहे विकाश कार्यो पर सन्तुष्टि जताई। निरीक्षण के दौरान श्री शुक्ला ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यों की सीमा के भीतर सभी योजनाएं पूर्ण की जाएं। अपर जिलाधिकारी ने साफ-सफाई की स्थिति को लेकर नगर पंचायत के अधिकारियों को निर्देश दिए कि नियमित साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे क्षेत्र में जनस्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न न हों। इस अवसर पर नगर पंचायत अनपरा के अधिशासी अधिकारी अपर्णा मिश्रा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

जड़ी बूटी दिवस के रूप में मनेगा आचार्य बालकृष्ण का जन्मदिन

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज कचहरी परिसर स्थित सोनभद्र बार एसोसिएशन सभागार में पतंजलि योग है कि हम सभी के बीच कार्यक्रम में हरिद्वार से अतिथि आ रहे हैं, जिसमें पतंजलि योग समिति राज्य प्रभारी

समिति सोनभद्र व पतंजलि किसान सेवा समिति सोनभद्र के तत्वावधान में 4 अगस्त को प्रातःकालीन योग सत्र में जड़ी बूटी दिवस के रूप में आचार्य बालकृष्ण जी का जन्मदिवस मनाया जाएगा। किसान सेवा समिति सोनभद्र के जिला संगठन मंत्री मोहर देव पांडेय ने बताया कि पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी रवि प्रकाश त्रिपाठी एडवोकेट व किसान सेवा समिति के जिला प्रभारी अरुण जी के तत्वाधान में प्रत्येक वर्षों की भांति इस वर्ष भी 4 अगस्त 2025 दिन सोमवार को प्रातः 4:30 बजे से 6:30 बजे के बीच सोनभद्र बार सभागार नियमित योग कक्षा में आचार्य बालकृष्ण जी का जन्म दिवस/जड़ी बूटी दिवस के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम सभी के लिए सौभाग्य की बात दुर्गेश योगी जी, भारत स्वाभिमान सह राज्य प्रभारी संदेश योगी जी, राज्य कार्य सदस्य धीरज जी, भदोही जनपद के पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी सुरेश जी, मिर्जापुर जनपद के पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी शिव मूरत योगी जी का आगमन हो रहा है।इस अवसर पर हम लोगों को बहुत कुछ सीखने और सुनने का मौका मिलेगा। इसलिए सभी पदाधिकारी, प्रमुख एवं शिक्षक सहयोग शिक्षक तथा योग साधक भाई-बहन 4 अगस्त 2025 को प्रातःअतिथियों के आने से पूर्व अपना जगह सुनिश्चित कर कार्यक्रम को सफल बनाएंगे। जिन योग साधक के पास अंग वस्त्र होगा वे लगाकर आएंगे, सभी योग साधक सफेद वस्त्र में रहेंगे तो अच्छा रहेगा।

सेवा निवृत कर्मचारी एवं पेंशनर्स संगठन की हुई बैठक

सोनभद्र। सेवा निवृत कर्मचारी एवं पेंशनर्स संगठन उत्तर प्रदेश जनपद शाखा तथा सेवानिवृत्ति के बाद रसिकरण की कटौती 15 वर्ष के स्थान पर 10 वर्ष 11 माह

सोनभद्र की मासिक बैठक शनिवार को संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी एसपी भारती की अध्यक्षता में संपन्न की गई जिसमें विभिन्न विभागों की सेवा निवृत कार्मिकों ने भागीदारी किया मीटिंग में अब तक सरकार द्वारा आठवीं वेतन आयोग का गठन हुआ घोषणा में पेंशनरों को आठवें वेतन का वेतन आयोग का लाभ देने की घोषणा न करने 18 माह का डीए का अब तक भुगतान न करने किए जाने आदि को लेकर रोज व्यक्त किया गयात उपस्थित सदस्यों में जनपद अध्यक्ष सूरज बली सिंह ,अवधेश सिंह लक्ष्मण प्रसाद डॉक्टर विक्रम प्रसाद इंजीनियर राधेश्याम सिंह रामराज राम सूरज प्रसाद पाठक शिव गणेश रमाशंकर राम वृक्ष, दयाराम आदि ने अपने विचार व्यक्त किया अंत में सभा अध्यक्ष द्वारा उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए सभा समापन की घोषणा की गई।

किसानों के हाथों को कर रही मोदी सरकार मजबूतः डॉ धर्मवीर

सोनभद्र। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी ने काशी की धरती से देश के लगभग 10 करोड़ किसानों को किसान सम्मान निधि की राशि जारी की जो सीधे खुशहाली की ओर बढ़ रहा है दुनिया भर में देश का मान सम्मान बढ़ रहा है लेकिन देश के विपक्षी दलों को भारत की बढ़ती हुई यह आन बान शान उनके सीने में शूल की तरह चुभ रही बिना घर के नहीं है, यह विकसित भारत की एक पहचान है। और देश की जनता भी अब भाजपा और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 56 इंच का गौरवपूर्ण सीना लेकर दुनिया भर में भारत के

लाभार्थी किसानों के खाते में डिजिटल इंडिया के माध्यम से चला गया, इसी क्रम में इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जनपद सोनभद्र के भी सभी ब्लाकों में किया गया तथा राबर्ट्सगंज ब्लॉक में भी इसका सीधा प्रसारण हुआ इस प्रसारण कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत ने किया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष धर्मवीर तिवारी रहे, कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष यादवेंद्र दत्त द्विवेदी रहे कार्यक्रम का संयोजन किसान मोर्चा के जिला महामंत्री अनिल सिंह ने किया, कार्यक्रम में सभी ने डिजिटल एल ई डी के माध्यम से संपूर्ण प्रसारण देखा तथा प्रधानमंत्री का उद्बोधन भी सुना, प्रसारण के बाद मुख्य अतिथि धर्मवीर तिवारी ने उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की सरकार जो कहती है वो करती है आज तक भाजपा ने देश की जनता से जितने वादे किए उसको समय से पहले पूरा किया आज लगभग 21 हजार करोड़ रुपए सीधा किसानों को दे कर नरेंद्र मोदी ने पुनः भाजपा की इस विश्वनीयता की पुष्टि कर दी, आज भाजपा के सरकार ने देश को आर्थिक ही नहीं बल्कि शक्ति के रूप में भी सामर्थ्य शाली बना दिया है जिससे देश आज सुख और शांति तथा समृद्धि की ओर बढ़ रहा है, देश है क्यों कि यह उनके विदेशी आकाओं को पसंद नहीं आ रहा हम यह कह सकते है कि वर्तमान विपक्ष विदेशी एजेंट की तरह प्रदर्शन कर रहा है किंतु भाजपा सरकार मोदी के नेतृत्व में देश को विकसित भारत बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और मोदी के नेतृत्व में इसकी गारंटी पर कोई शक नहीं है। विशिष्ट अतिथि यादवेंद्र दत्त द्विवेदी ने कहा कि आज जिस प्रकार मोदी के नेतृत्व में देश की जनता के योजनाओं और हक के पैसे बिना किसी कट, कमीशन और लीकेज के सीधे लाभार्थियों के खाते में जा रहा है उससे देश की जनता का विश्वास भाजपा सरकार और मोदी जी के ऊपर लगातार बढ़ता जा रहा है अब तो गारंटी का नाम भी मोदी हो गया है, उससे देश के कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल घबड़ाया हुआ है और वो उलूल जलूल बयान बाजी और हरकते कर रहे है जो उनकी यह पोल खोल दे रही है कि वो सदा देश के विरोधी रहे है और उन्होंने सदा देश को लूटने का काम किया है और देश की जनता का हक मारने का काम किया है, और सदा देश के साथ विश्वासघात किया है देश को विदेशी ताकतों के हाथों गिरवी रख दिया था, लेकिन मोदी जी के नेतृत्व में देश की सेना का विकाश और जोश चरम पर है देश में इनफ्रास्ट्रक्चर विकाश उच्च शिखर पर है देश में कोई भूखा और पहचान की गूंज बढ़ा रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत ने सर्व प्रथम कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों और सम्मानित किसानों का अभिवादन किया सभी का ब्लॉक सभागार में आभार व्यक्त किया तथा मोदी को आभार ज्ञापित किया कि उन्होंने देश के किसानों को एक झटके में 21 हजार करोड़ रुपए दे दिए जिससे वो अपनी जरूरतों को पूरा कर सके, उन्होंने कहा कि की हमारी भाजपा सरकार देश के चहुमुखी विकाश के लिए प्रतिबद्धता पूर्वक कार्य कररही है चाहे वो सेना और डिफेंस क्षेत्र में हो सड़कों और रेल विकाश हो या देश के रोजगार हो या ग्रामीण विकाश हो सरकार लगातार देश के विकाश के लिए काम कर रही है, लोकल फिर वोकल के माध्यम से मोदी ने यह संकल्प लिया है कि हमारे देश में जो भी नया सामान होगा वह स्वदेशी होगा जो देश को रोजगार के साथ विकसित बनाएगा, आज मोदी ने किसानों को सम्मान के साथ जीने का जो हक दिया है हम सभी देश वासी उनके आभारी हैं। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष कर्क दिलीप चौबे , मंडल अध्यक्ष नगर विनय श्रीवास्तव , जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा कमलेश खाम्बे , पूर्व जिलामंत्री सुरेश शुक्ला , मंडल महामंत्री अनुपम शुक्ला , समेत सैकड़ों किसान और विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे।

ब्रह्माकुमारी बहनें बांधेगी कलाई में रक्षासूत्र,जिले में नौ दिनों तक चलेगा रक्षाबंधन प्रोग्राम

सोनभद्र। ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सोनभद्र की प्रमुख संचालिका ब्रह्माकुमारी सुमन के नेतृत्व में ब्रह्माकुमारी बहनें जिले भर में नौ दिनों तक कलाई में रक्षासूत्र बांधेंगी। उपहार के बदले में सिर्फ बुराई छोड़ने का संकल्प कराएंगी। ब्रह्माकुमारी सुमन ने बताया कि जिले भर में रक्षाबंधन प्रोग्राम 2 अगस्त से 10 अगस्त तक चलेगा। सबसे पहले 2 अगस्त शनिवार को सुबह 10 बजे से जिला अस्पताल में मरीजों को तथा बृद्धा आश्रम में रक्षासूत्र बांधा जाएगा। दूसरे दिन 3 अगस्त रविवार को ओबरा में मुरली क्लास के बाद रक्षाबंधन का प्रोग्राम होगा। इसी प्रकार से 4 अगस्त सोमवार को सांई नर्सिंग कालेज दोपहर बाद 2 बजे से 4 बजे तक रक्षाबंधन प्रोग्राम चलेगा। उन्होंने

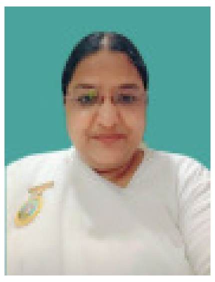

बताया कि 5 अगस्त मंगलवार को पत्रकार भाई एवं बहनों के लिए रक्षाबंधन का प्रोग्राम रॉबर्ट्सगंज सेवाकेंद्र पर शाम 4 बजे से 8 बजे तक चलेगा। 6 अगस्त बुधवार को सुबह प्रशासनिक अधिकारियों को व गुरमा जेल में दोपहर दो बजे से 4 बजे तक रक्षाबंधन प्रोग्राम चलेगा। 7 अगस्त वृहस्पतिवार को प्रशासनिक अधिकारियों के लिए रक्षाबंधन प्रोग्राम होगा। 8 अगस्त शुक्रवार को घोरावल में रक्षाबंधन का प्रोग्राम होगा। 9 अगस्त शनिवार को रक्षाबंधन पर्व पर रॉबर्ट्सगंज सेवा केंद्र पर रक्षाबंधन प्रोग्राम चलेगा। 10 अगस्त रविवार को करमा थाने पर रक्षाबंधन प्रोग्राम चलेगा। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को रक्षाबंधन प्रोग्राम में शामिल होकर कलाई में रक्षासूत्र बंधवाने का आग्रह किया है।

24 घंटे के अंदर किसानों का लगाए ट्रांसफार्मर सदर विधायक, जेई सहित अन्य कर्मचारियों को लगाई फटकार, रिपेयरिंग रजिस्टर में मिली लापरवाही जताई नाराजगी

सोनभद्र। छपका पावर हाउस पर शनिवार को अचानक किसानों की व ग्रामीणों के संबंधित शिकायत ट्रांसफार्मर के आते हैं तो तत्काल 24 है इस तरह से लापरवाही दोबारा मिला तो अंजाम को भुगतने को

समस्या पर सदर विधायक भूपेश चौबे ने किया निरीक्षण रिपेयरिंग रजिस्टर में मिली लापरवाही संबंधितों को लगाई फटकार। सदर विधायक भूपेश चौबे ने बताया कि किसानों व ग्रामीणों की समस्याओं पर तत्काल विभाग द्वारा कोई कार्य नहीं किया जा रहा था जिस पर मिल रही शिकायतों के अनुसार आज निरीक्षण किया गया मौके पर काफी लापरवाही पाई गई मौजूद लोगों को फटकार लगाते हुए निर्देशित किया गया है कि किसानों घंटे के अंदर रिपेयरिंग करते हुए बदले जाएं अन्यथा अंजाम भुगतने को संबंधित अधिकारी तैयार रहें। वहीं सदर विधायक ने बताया कि योगी सरकार के नेतृत्व में किसानों व ग्रामीणों के लिए बिजली संबंधित तमाम योजनाएं चल रही है निचले स्तर पर विभागीय अधिकारियों द्वारा लापरवाही की जा रही है जो कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी मौजूद ग्रामीण व किसानों की समस्या को तत्काल निस्तारण को संबंधितों को निर्देशित किया गया तैयार रहे संबंधित बिजली विभाग अधिकारी निर्देशित किया गया है और उच्च स्तरीय अधिकारियों से इस संबंध में वार्ता की जाएगी जिससे कि किसानों व आम जन ग्रामीणों को किसी प्रकार से बिजली व्यवस्था में कोई अशुद्धि उपलब्ध न हो पाए । इस मौके पर भाजपा मीडिया प्रभारी अनूप तिवारी ,विकास मिश्रा,गौरव शुक्ला,संतोष कुमार आशीष कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

कन्हर नदी में पिकनिक मनाने गई चार बहनों सहित एक पडोसी बहे नदी में

सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र में पिकनिक मनाने कन्हर नदी गई चार बहनों और उनके एक पड़ोसी युवक की मस्ती कुछ ही पलों में मातम में बदल गई। तेज बहाव में बहने से दो की मौत हो गई। युवक भानु का शव शुक्रवार को ही बरामद कर लिया गया था, और अब शनिवार को युवती स्नेहा का शव भी नदी से बरामद कर लिया गया है। एसडीआरएफ और पुलिस की टीमों ने लगातार मुस्तैदी के साथ सर्च ऑपरेशन चलाया और अब ऑपरेशन पूरा हो चुका है। दुखद हादसे के बाद पूरे इलाके में मातम पसरा है। ओबरा सेक्टर-4 निवासी दीनानाथ त्यागी की चार बेटियाँ सिताबी, दीपा, रूपाली और स्नेहा अपने पड़ोसी भानु के

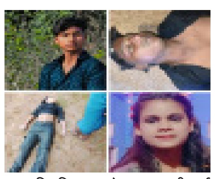

साथ पिकनिक मनाने कन्हर नदी गई थीं। नदी में नहाते समय अचानक पानी का बहाव तेज़ हो गया और स्नेहा (19) व भानु (22) उसकी जद में आकर बह गए। सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। पहले युवक भानु का शव बरामद कर लिया गया था और उसे पोस्टमार्टम के लिए लोढ़ी अस्पताल भेजा गया। वहीं, अंधेरे और नेटवर्क की समस्या के बावजूद स्नेहा की तलाश पूरी रात जारी रही। शनिवार की दोपहर स्नेहा का शव भी बरामद कर लिया गया। शव पडरछ ग्राम पंचायत क्षेत्र के कनहर नदी में मदरिया घाट के पास बहते हुए दिखाई दिया, जिसकी जानकारी कोटा बाजार में मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को दी। पुलिस व एसडीआरएफ की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई में जुट गईं।

सिराज एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के टॉप विकेट टेकर,इंग्लैंड का भारत के खिलाफ तीसरा सबसे तेज शतक, प्रसिद्ध-रूट के बीच बहस-मोमेंट्स-रिकॉर्ड्स

नयी दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच चल रहा एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का आखिरी टेस्ट द ओवल मैदान पर खेला जा रहा है। शुक्रवार को मुकाबले का दूसरा दिन था। दिन का खेल समाप्त होने तक भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 2 विकेट पर 75 रन बना कर 52 रन की लीड ले ली है।इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 247 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत से मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने 4-4 विकेट झटके। इसी के साथ सिराज एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर बन गए। वहीं, प्रसिद्ध कृष्णा की जो रूट के साथ बहस हो गई। बात इतनी बढ़ गई कि अंपायर को बीच-बचाव करना पड़ा। फैक्ट्स- इंग्लैंड ने टेस्ट में भारत के खिलाफ सबसे तेज फिफ्टी लगाने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। टीम ने 51 रन 7 ओवर में बनाए। यह भारत के खिलाफ किसी टीम द्वारा पहली पारी में सबसे तेज 50 का संयुक्त रिकॉर्ड हैं। ऑस्ट्रेलिया ने भी 2011/12 में पर्थ में अपनी पहली पारी के सातवें ओवर के अंत तक 51 रन बनाए थे।मोहम्मद सिराज ने पहली पारी में इंग्लैंड के हैरी ब्रूक को बोल्ड किया। यह विकेट लेते ही वे एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के हाईएस्ट विकेट टेकर बन गए। उनके नाम अब 18 विकेट हो गए हैं। रिकॉर्ड्स- 1. इंग्लैंड की भारत के खिलाफ तीसरी सबसे तेज सेंचुरी-इंग्लैंड ने टेस्ट में भारत के खिलाफ तीसरा सबसे तेज शतक लगाया। टीम ने 14.4 ओवर में 101 रन बना लिए। भारत के खिलाफ इससे तेज शतक ऑस्ट्रेलिया ने 2011-12 पर्थ में 14.0 ओवर में और बांग्लादेश ने 2007 में मीरपुर में 14.1 ओवर में बनाए थे। 2. डकेट-क्रॉली ने भारत के खिलाफ सबसे बड़ी इंग्लिश ओपनिंग पार्टनरशिप की डकेट और क्रॉली की जोड़ी ने भारत के खिलाफ ओपनिंग के तौर पर 18 पारियों में 984 रन जोड़े हैं। यह भारत के खिलाफ किसी भी इंग्लिश ओपनिंग जोड़ी द्वारा सबसे ज्यादा रन हैं। डकेट और क्रॉली ने एलिस्टेयर कुक और एंड्रयू स्ट्रॉस की जोड़ी का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्होंने 20 पारियों में मिलकर 932 रन बनाए थे।3. क्रॉली-डकेट ने 8वीं बार भारत के खिलाफ 50प्लस स्कोर बनाया भारत के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में ओपनिंग जोड़ी के तौर पर सबसे ज़्यादा 50 से अधिक रनों की साझेदारी करने का रिकॉर्ड ज़ैक क्रॉली और बेन डकेट तथा गॉर्डन ग्रीनिज और डेसमंड हेन्स के नाम संयुक्त रूप से हैं। दोनों जोड़ियों ने 8-8 बार 50प्लस की साझेदारी की हैं। इनके बाद इंग्लैंड की ही एलिस्टेयर कुक और एंड्रयू स्ट्रॉस की जोड़ी है, जिन्होंने 7 बार यह कारनामा किया। ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू हेडन और जस्टिन लैंगर तथा बिल लॉरी और बॉब सिम्पसन की जोड़ियों ने भी भारत के खिलाफ टेस्ट में 7-7 बार 50 या उससे ज्यादा रन की ओपनिंग साझेदारी की है।4. रूट भारत के खिलाफ किसी एक देश में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर जो रूट के भारत के खिलाफ 2 हजार रन पूरे हुए। किसी एक देश में भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर हैं। रिकी पोंटिंग ने ऑस्ट्रेलिया में भारत के खिलाफ 1893 रन बनाए थे। अब मोमेंट्स- 1. ग्राहम थॉर्प की याद में प्लेयर्स ने सफेद हेडबैंड पहनाद ओवल टेस्ट के तीसरे दिन इंग्लिश प्लेयर्स सफेद हेडबैंड पहनकर उतरे। यह पूर्व इंग्लिश क्रिकेटर ग्राहम थॉर्प की याद में किया गया। थॉर्प ने इंग्लैंड के लिए 100 टेस्ट खेले और उनका सफेद हेडबैंड पहनना बहुत मशहूर स्टाइल बन गया था। थॉर्प ने अगस्त 2024 में मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियों (डिप्रेशन और एंग्जाइटी) से लड़ते हुए अपने जीवन का अंत किया था। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड, उनकी पत्नी और बेटियों ने थॉर्प के नाम एक दिन की घोषणा की। इस मौके पर खिलाड़ियों और दर्शकों ने थॉर्प को सम्मानित करने के लिए सफेद हेडबैंड पहने। 2. आकाश दीप ने ब्रेक की ओपनिंग पार्टनरशिप, डकेट आउट-13वें ओवर में इंग्लैंड ने पहला विकेट गंवाया। यहां बेन डकेट 43 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें आकाश दीप ने विकेटकीपर ध्रुव जुरेल के हाथों कैच कराया। उन्होंने 92 रनों की ओपनिंग पार्टनरशिप ब्रेक की। बेन डकेट ने आकाश दीप की बॉल पर रिवर्स स्कूप शॉट खेलना चाहा, लेकिन कनेक्ट नहीं कर सके। बॉल विकेटकीपर ध्रुव जुरेल के पास गई, जिन्होंने आसान-सा कैच लपक लिया। इसके बाद आकाश दीप ने डकेट के कंधे पर हाथ रखकर सेंडऑफ दिया। 3. साई सुदर्शन से ओली पोप का कैच छूटा- 18वें ओवर में ओली पोप को जीवनदान मिला। प्रसिद्ध कृष्णा के ओवर की चौथी बॉल पर पोप ने गली में शॉर्ट खेला, लेकिन साई सुदर्शन से कैच ड्रॉप हो गया। उन्होंने डाइव लगाई, लेकिन बॉल उनके हाथ से लगकर दूर चली गई। 4. प्रसिद्ध कृष्णा और जो रूट के बीच बहस हुई प्रसिद्ध कृष्णा ने जो रूट को लगातार दो गेंदों पर पहले परेशान किया, फिर रूट ने जवाब दिया। दोनों के बीच बहस भी हुई। पहली गेंद- प्रसिद्ध ने ऑफ स्टंप के बाहर शानदार लेंथ की गेंद डाली। रूट ने डिफेंस करने की कोशिश की, लेकिन गेंद

हल्की-सी बाहर की तरफ निकल गई और उनका बल्ला चूक गया। इसके बाद प्रसिद्ध ने रूट से कुछ शब्द कहे। यहां हल्की नोकझोंक शुरू हो गई। दूसरी गेंद- अगली गेंद प्रसिद्ध ने ऑफ स्टंप के बाहर की लाइन पर बॉल फेंकी। इस बार रूट ने चौका लगा दिया। चौका लगते ही दोनों खिलाड़ियों के बीच फिर से बातचीत शुरू हो गई। अंपायर्स का दखल- जैसे ही टकराव बढ़ा, कुछ भारतीय खिलाड़ी भी बातचीत में शामिल हो गए। मामला बढ़ता देख अंपायर्स को हस्तक्षेप करना पड़ा। इसके बाद प्रसिद्ध ने अगला ओवर शुरू करने से पहले अंपायर से बात की। 5. केएल राहुल और अंपायर धर्मसेना के बीच बहस 22वें ओवर की पहली गेंद पर प्रसिद्ध कृष्णा ने जैक क्रॉली को आउट किया। इसके बल्लेबाजी के लिए जो रूट आए। इसके बाद प्रसिद्ध कृष्णा और जो रूट के बीच बहस हुई। यहां मामले को बढ़ता देखा अंपायर कुमार धर्मसेना ने प्रसिद्ध कृष्णा से बात की और इस दौरान टीम इंडिया के कई खिलाड़ी वहां पहुंच गए। दूसरे अंपायर अहसान रजा भी वहां नजर आए।धर्मसेना ने फिर कप्तान शुभमन गिल से भी बात की और आखिरी में केएल राहुल से बातचीत करते दिखे। राहुल नाखुश नजर आ रहे थे और धर्मसेना से किसी चीज को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे थे। राहुल ने अंपायर धर्मसेना से कहा, आप चाहते हैं कि हम कुछ न बोलें। हम यहां सिर्फ बैट और बॉल करने नहीं आए हैं। इस पर धर्मसेना ने जवाब दिया, यह बात करने का तरीका नहीं हैं। हम ये बात मैच के बाद करेंगे।6. सिराज ने पोप को पवेलियन भेजा, आखिरी सेकंड में डीआरएस लिया 25वें ओवर में इंग्लैंड ने तीसरा विकेट गंवाया। यहां कप्तान ओली पोप 22 रन बनाकर आउट हुए। उन्हे मोहम्मद सिराज ने एलबीडब्लू कराया। सिराज के ओवर की तीसरी बॉल पर पोप के पैड पर लगी, लेकिन फील्ड अंपायर ने अपील नकारा दी। ऐसे में कप्तान गिल ने आखिरी सेकंड में डीआरएस लिया। 7. सिराज की यॉर्कर पर बेथल आउट 36.4 ओवर में सिराज ने जैकब बेथल को एलबीडब्ल्यू किया। मोहम्मद सिराज लगातार सातवां ओवर फेंक रहे थे। उन्होंने चौथी बॉल पर यॉर्कर डालकर जैकब बेथल को पवेलियन भेज दिया। जैकब बेथल 6 रन बनाकर आउट हुए। 8. जायसवाल को जीवनदान, लियाम डॉसन को बॉल नहीं दिखी 14वें ओवर की दूसरी बॉल पर भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल को जीवनदान मिला। जोश टंग की बॉल पर लियाम डॉसन से जायसवाल का कैच ड्रॉप हो गया। यहां शॉर्ट ऑफ लेंथ बॉल को यशस्वी ने पुल किया। बॉल डीप फाइन लेग पर खड़े डॉसन के पास गई, लेकिन उन्हें बॉल नहीं दिखी और कैच छूट गया। 9. साई सुदर्शन का कैच क्रॉली से छूटा 14.3 ओवर में इंग्लैंड टीम ने भारतीय प्लेयर्स को एक और जीवनदान दिया। जेमी ओवर्टन की बॉल तेजी से थर्ड स्लिप में क्रॉली के बाएं तरफ गई। वह एक घुटने पर बैठकर हाथों से कैच लेने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने हाथ बढ़ाया, गेंद उनके हाथों से लगकर थर्ड मैन बाउंड्री की ओर चली गई। यह ऑफ स्टंप के बाहर फुल लेंथ की गेंद थी, जिसे साई सुदर्शन ने कवर की तरफ ड्राइव करने की कोशिश की थी। 10. यशस्वी जायसवाल ने सिक्स से फिफ्टी पूरी की 16.3 ओवर में जेमी ओवर्टन की बॉल पर यशस्वी जायसवाल ने सिक्स लगाकर अपनी फिफ्टी पूरी की। मिडिल स्टंप पर शॉर्ट बॉल पर जायसवाल पीछे हटे और उसे सीधा विकेटकीपर के ऊपर से रैंप शॉट खेलकर सिक्स के लिए भेज दिया। 11. साई सुदर्शन की डकेट से बहस हुई 17वें ओवर की दूसरी बॉल पर गस एटकिंसन ने साई सुदर्शन को एलबीडब्लू आउट कर दिया। यशस्वी जायसवाल से बात करने के बाद साई सुदर्शन ने रिव्यू लिया, लेकिन अंपायर का फैसला बरकरार रहा। सुदर्शन मैदान से निकल ही रहे थे कि डकेट ने कुछ कह दिया, जिस पर साई सुदर्शन पलटे और थोड़ी कहासुनी हुई। ब्रुक को बीच में आकर मामला शांत कराना पड़ा।

चहल बोले-धनश्री से तलाक के समय सुसाइड का ख्याल आया,सिर्फ 2 घंटे सोता था, मैदान पर मेरा दिमाग काम नहीं कर रहा था

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल ने हाल ही में राज शमानी के पॉडकास्ट में अपनी पूर्व पत्नी, कोरियोग्राफर और इन्फ्लुएंसर धनश्री वर्मा से तलाक के बाद के मानसिक तनाव का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि तलाक की प्रक्रिया के दौरान वह एक महीने तक केवल दो घंटे ही सो पाए और उनके मन में आत्महत्या के विचार आए। चहल ने कहा, 'मैंने अपने दोस्तों से यह बात साझा की। मुझे क्रिकेट से ब्रेक चाहिए था। मैदान पर भी मेरा दिमाग काम नहीं कर रहा था।' चहल और धनश्री के तलाक को 20 मार्च 2025 को मुंबई की फैमिली कोर्ट ने मंजूरी दी थी। दोनों ने 11 दिसंबर 2020 को शादी की थी।चहल ने बताया कि उनका तलाक अचानक नहीं हुआ, बल्कि यह एक लंबी और निजी प्रक्रिया थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी परेशानियों को छिपाकर सामान्य जोड़े की तरह दिखने की कोशिश की। चहल ने कहा, 'हमने फैसला किया था कि जब तक अंतिम निर्णय नहीं हो जाता, हम कुछ नहीं कहेंगे। सोशल मीडिया पर हम सामान्य जोड़े की तरह दिखते थे, लेकिन मैं दिखावा कर रहा था।' महत्वाकांक्षी जिंदगियों में तालमेल की कमी चहल ने बताया कि उनकी और धनश्री की महत्वाकांक्षी जिंदगियों के कारण उनके बीच तालमेल नहीं बैठ पाया। उन्होंने कहा, 'रिश्ते में समझौता जरूरी है। अगर एक गुस्से में हो, तो दूसरे को सुनना पड़ता है। दो महत्वाकांक्षी लोग साथ रह

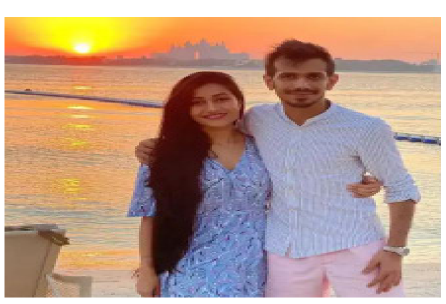

सकते हैं, लेकिन सबके अपने लक्ष्य और जिंदगी होती है।' अफवाहों पर चहल का जवाब तलाक के दौरान चहल के खिलाफ धोखेबाजी की अफवाहें फैलीं। उन्होंने दुख जताते हुए कहा, 'लोगों ने मुझे धोखेबाज कहा, लेकिन मैंने कभी धोखा नहीं दिया। मैं बहुत वफादार इंसान हूं। सिर्फ किसी के साथ दिखने से लोग अफवाह फैलाते हैं। मेरी दो बहनें हैं, मुझे महिलाओं का सम्मान करना आता है।' वायरल टी-शर्ट का राज चहल ने अपनी टी-शर्ट पर लिखे 'Be Your Own Sugar Daddy' के बारे में भी बताया। जिसका मतलब 'आर्थिक रूप से इंडिपेंडेंट होना' और 'अपना ख्याल खुद रखना'। उन्होंने कहा कि यह टी-शर्ट उन्होंने कोर्ट में एक खास संदेश देने के लिए पहनी थी, क्योंकि 'दूसरी तरफ से कुछ हुआ था।'कपिल शर्मा शो में नए रिलेशनशिप पर बात की चहल ने द ग्रेट इंडियन कपिल शो में आरजे महवश के साथ अपने रिलेशनशिप को स्वीकार किया। शो में कृष्णा अभिषेक और कीकू शारदा ने उनकी खिंचाई की। कीकू ने चहल की शर्ट पर लिपस्टिक मार्क दिखाकर पूछा, 'ये क्या चल रहा है?' चहल ने हंसते हुए जवाब दिया, 'इंडिया जान चुका है।' इस दौरान ऋषभ पंत ने मजाक में कहा, 'फ्री है न अब, थोड़ा ये सब।'चहल और धनश्री की लव स्टोरी धनश्री ने 'झलक दिखला जा-11' में बताया था कि मई-जून 2020 के लॉकडाउन में चहल ने उनसे डांस सीखने के लिए संपर्क किया था। यहीं से दोनों की प्रेम कहानी शुरू हुई और 11 दिसंबर 2020 को शादी हुई। हालांकि, जून 2022 से उनके रिश्ते में दरार आ गई। दोनों ने सोशल मीडिया पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया और चहल ने धनश्री के साथ तस्वीरें हटा दीं। तलाक की कानूनी प्रक्रिया फरवरी 2025 में दोनों ने मुंबई की फैमिली कोर्ट में तलाक के लिए अर्जी दी। कोर्ट ने छह महीने का कूलिंग-ऑफ पीरियड दिया, जिसके खिलाफ चहल ने बॉम्बे हाईकोर्ट में अपील की। 19 मार्च 2025 को हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट को अगले दिन फैसला सुनाने का आदेश दिया। 20 मार्च 2025 को तलाक को मंजूरी मिल गई। धनश्री कोरियोग्राफर और फेमस डेंटिस्ट हैं धनश्री वर्मा कोरियोग्राफर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। इसके अलावा फेमस डेंटिस्ट भी हैं। धनश्री टीवी के पॉपुलर डांस रिएलिटी शो 'झलक दिखला जा 11' में भी नजर आई थीं। धनश्री वर्मा इस डांस रिएलिटी शो के फाइनल तक पहुंची थीं। यूट्यूब चैनल पर उनके 27.90 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। इंस्टाग्राम पर 63 लाख फॉलोअर्स हैं। धनश्री की नेटवर्थ 25 करोड़ रुपए से ज्यादा है।

प्रज्वल रेवन्ना को रेप केस में उम्र कैद,कोर्ट ने पीड़ित को रु7 लाख देने को कहा; पूर्व प्रधानमंत्री के पोते को कल दोषी ठहराया था

मैसूरु। बेंगलुरु की स्पेशल कोर्ट ने शनिवार को पूर्व जेडीएस सांसद और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना को नौकरानी से रेप केस में उम्र कैद की सजा सुनाई। कोर्ट ने रेवन्ना पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। साथ ही पीड़ित को 7 लाख रुपए का मुआवजा देने का भी आदेश दिया। कोर्ट ने शुक्रवार को रेवन्ना को दोषी ठहराया था। रेवन्ना ने कोर्ट में कम सजा देने की अपील करते हुए दावा किया था कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है।दरअसल, रेवन्ना के

परिवार के फार्महाउस में काम करने वाली 47 साल की महिला ने पिछले साल अप्रैल में रेवन्ना के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। इसमेंरेवन्ना पर 2021 से कई बार रेप करने और किसी को भी घटना के बारे में बताने पर वीडियो लीक करने की धमकी देने का आरोप लगाया था। कोर्ट ने 18 जुलाई को इस मामले की सुनवाई पूरी की थी। रेवन्ना के खिलाफ रेप, ताक-झांक, आपराधिक धमकी और अश्लील तस्वीरें लीक करने सहित कई धाराओं के तहत आरोप तय किए थे। उसके खिलाफ रेप के कुल 4 मामले दर्ज हैं। इनमें से यह पहला केस है, जिसमें उसे दोषी ठहराया गया है।पिछले साल प्रज्वल रेवन्ना का नाम कर्नाटक सेक्स स्कैंडल में सामने आने के बाद चर्चा में आया था। उस पर 50 से ज्यादा महिलाओं से यौन उत्पीड़न का आरोप है। उनके खिलाफ रेप, छेड़छाड़, ब्लैकमेलिंग और धमकी देने के आरोपों से जुड़े अब तक 4 एफआईआर दर्ज की गई हैं। पिछले साल, रेवन्ना के सोशल मीडिया पर 2,000 से ज्यादा अश्लील वीडियो क्लिप सामने आए थे।

इस लिस्ट में तुर्की और भारत से काफी पीछे पाकिस्तान,केवल अमेरिका-चीन की चमचागिरी से अस्तित्व बचा हैं

नयी दिल्ली। अमेरिका ने भारत पर 25 फीसदी ट्रेड टैरिफ लगा दिया है। लेकिन, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सबसे अजीबोगरीब बयान दिया है। सोशल मीडिया वेबसाइट 'ट्रुथ सोशल' पर जारी एक संदेश में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका का पाकिस्तान से एक समझौता हुआ है, जिसके तहत दोनों देश पाकिस्तान के तेल के बड़े भंडार को विकसित करने के लिए मिलकर काम करेंगे। फिलहाल हम तेल कंपनी चुनने की प्रक्रिया में हैं, जो इस साझेदारी का नेतृत्व करेगी। कौन जानता है, शायद वो किसी दिन भारत को तेल बेच रहे होंगे। ट्रंप के इस बयान के बाद देश और दुनिया में इस बात को लेकर बहस शुरू हो गई है। सवाल किए जा रहे हैं कि क्या पाकिस्तान के पास वाकई में इतना तेल भंडार है? क्या वो भारत को तेल बेचने की स्थिति में कभी होगा? पूरी बात समझते हैं। पाकिस्तान ऑयल रिजर्व के मामले में काफी- अमेरिका की टॉप खुफिया एजेंसी सेंट्रल इंटेलीजेंस एजेंसी के एक अनुमान के अनुसार, पाकिस्तान के पास 33.2 करोड़ बैरल ऑयल रिजर्व है। इससे पाकिस्तान पूरी दुनिया में ऑयल रिजर्व के मामले में 52वें स्थान पर है। पाकिस्तान में तेल की खोज में कई कई कंपनियां काम कर रही हैं, मगर किसी को कोई कामयाबी नहीं मिल पाई है।बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में स्थानीय स्तर पर निकाला जाने वाला तेल देश की जरूरत का केवल 10-15 फीसदी ही पूरा करता है और बाकी का करीब 85 फीसदी हिस्सा विदेशों से मंगाया जाता है। यूएस एनर्जी इन्फॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन के आकलन के अनुसार पाकिस्तान में 9 अरब बैरल तक पेट्रोलियम भंडार

मौजूद हैं। मगर, इन्हें तब तक सही नहीं माना जा सकता है, जब तक वो इस्तेमाल करने लायक न हो जाएं। वैसे भी पाकिस्तान में पेट्रोलियम रिफाइनरी की हालत भी खस्ता है।पाकिस्तान ऑयल रिजर्व की लिस्ट में तुर्की के ठीक पीछे है। वह छोटे से देश त्रिनिदाद एंड टोबैगो से ही आगे है। वहीं, भारत इस लिस्ट में 23वें स्थान पर है। उसके 450 करोड़ बैरल ऑयल रिजर्व है। पाकिस्तान में अतीत में तेल की खोज के लिए की गई कोशिशें बहुत कामयाब नहीं हो सकी हैं। वजह यह है कि इस क्षेत्र में पूंजी निवेश और जरूरी टेक्नोलॉजी की कमी है। Worldometer के अनुसार, भारत के पास अपने वार्षिक उपभोग स्तर के 2.9 गुना के बराबर प्रमाणित भंडार हैं। इसका मतलब है कि अगर मौजूदा तेल की खपत और अप्रमाणित तेल भंडार को छोड़ दिया जाए तो भारत के पास आयात के बिना भी लगभग 3 साल का तेल बचा रहेगा। वर्ल्डोमीटर के अनुसार, भारत के पास कुल तेल भंडार 4,728,790,000 बैरल है। यह दुनिया में 23वां स्थान रखता है। वहीं, तेल की खपत 4,443,000 बैरल है। वह इस मामले में दुनिया में तीसरी रैंक रखता है।सोशल मीडिया पर लोग पाकिस्तान का मजाक उड़ा रहे हैं। लोग यह कह रहे हैं कि पाकिस्तान के पास न खाना है और न नौकरियां। ऐसे कंगाल देश के पास तेल कहां हैं? बीच-बीच में कई बार तेल भंडार मिलने के दावे किए जाते रहे हैं, मगर उन पर कभी ठोस काम नहीं हो सका है। वहीं, बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में इस समय तेल की खोज देश के चारों प्रांतों में हो रही है। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में तेल की सबसे ज्यादा खोज की जा रही है।पाकिस्तान क्रेडिट रेटिंग एजेंसी की पाकिस्तान में तेल और गैस की खोज और उत्पादन की रिपोर्ट के अनुसार सिंध में इस समय तेल व गैस के कुओं की कुल संख्या 247 है। पाकिस्तान पंजाब में यह संख्या 33 है, जबकि खैबर पख्तनूख्वा में 15 और बलूचिस्तान में तेल के 4 कुओं पर काम हो रहा है। इस रिपोर्ट के अनुसार इन कुओं में से कई में से तेल और गैस निकाली जा चुकी है। वहीं, कुछ पर काम चल रहा है। बलूचिस्तान में संभावनाएं तो हैं, मगर वहां भी पाकिस्तान सरकार ने कोई काम नहीं किया है और न ही निवेश ही कर पाया है।पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था में अमेरिका बड़ी भूमिका निभाता है। पाकिस्तान के स्टेट बैंक के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के आंकड़ों के हिसाब से अमेरिका से विदेशी प्रत्यक्ष निवेश यानी एफडीआई 2.9 करोड़ डॉलर आया।पाकिस्तान स्टेट बैंक के आंकड़ों के हिसाब से अमेरिका भले ही हमारे पड़ोस में बड़ा मार्केट प्लेयर हो, मगर सबसे बड़ा मार्केट प्लेयर चीन है। चीन में इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 40.4 करोड़ डॉलर की एफडीआई आई। चीन ने पाकिस्तान में कई परियोजनाओं में जमकर निवेश किया है।

हरियाणवी फहराएगा यूरोप की सबसे ऊंची चोटी पर तिरंगा:कभी डॉक्टर ने कहा था- पैर काटने पड़ेंगे; बहन भी 2 बार माउंट एवरेस्ट फतह कर चुकी

रेवाड़ी। हरियाणा के पर्वतारोही नरेंद्र यादव यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्ब्रुस को तीसरी बार फतह करने जा रहे हैं। रूस में मौजूद माउंट एल्ब्रुस की ऊंचाई समुद्र तल से 18,510 फीट है। इस अभियान के लिए वे 6 अगस्त को भारत से रूस रवाना होंगे, जहां वे विश्व के अन्य पर्वतारोहियों के साथ जुड़ेंगे। खास बात ये है कि इस अंतरराष्ट्रीय टीम का नेतृत्व नरेंद्र ही करेंगे और 15 अगस्त यानी भारत की आजादी के दिन एल्ब्रुस की चोटी पर तिरंगा फहराएंगे। नरेंद्र अब तक माउंट एल्ब्रुस को साल 2017 और 2023 में फतह कर चुके हैं। तीसरी बार इस उपलब्धि को हासिल करते ही यादव सबसे अधिक बार माउंट एल्ब्रुस पर चढ़ने वाले पहले भारतीय बनेंगे, जो रिकॉर्ड होगा। मूल रूप से रेवाड़ी जिले के गांव नेहरूगढ़ के रहने वाले नरेंद्र यादव की मौसेरी बहन पद्मश्री संतोष यादव भी दो बार माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली पहली भारतीय महिला हैं। नरेंद्र की यह उपलब्धियां इसलिए भी खास हैं, क्योंकि आज से 4 साल पहले पर्वतारोहण के दौरान फ्रॉस्टबाइट (एक ऐसी स्थिति है, जिसमें शरीर का कोई अंग अत्यधिक ठंड के कारण जम जाता है) का शिकार हो गए थे। डॉक्टरों ने उनके पैर काटने को कह दिया था। हालांकि, 2 साल उपचार चला, जिस कारण पैरों की अंगुलियां सीधी ही रहती हैं, मुड़ती नहीं। इसके बावजूद नरेंद्र सातों महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियां फतह करने वाले बन चुके हैं।पिता सेना में सूबेदार रहे, पत्नी कंप्यूटर इंजीनियर : 30 वर्षीय नरेंद्र यादव के पिता कृष्ण कुमार सेना में 17 राजपूत रेजिमेंट से सूबेदार रिटायर हैं। माता रोशनी देवी गृहिणी हैं। बड़े भाई सतपाल हरियाणा पुलिस में हवलदार के पद पर तैनात हैं, जिनकी वर्तमान में गुरुग्राम पोस्टिंग है। नरेंद्र की पत्नी ज्योति यादव कम्प्यूटर इंजीनियर हैं। दोनों की एक साल पहले ही शादी हुई है। बहन संतोष यादव से प्रेरणा लेकर बने पर्वतारोही : नरेंद्र यादव ने बताया कि मौसेरी बहन पद्मश्री संतोष यादव से प्रेरणा लेकर ही उन्होंने पर्वतारोहण शुरू किया था। संतोष यादव ने दो बार माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई की है। संतोष यादव ने साल 1992 में पहली बार माउंट एवरेस्ट को फतह किया। इसके बाद उन्होंने साल 1993 में वह दोबारा एवरेस्ट को फतह करने गईं और सफल रहीं। संतोष यादव ने दुनिया की पहली महिला होने का रिकॉर्ड कायम किया, जिन्होंने 8848 मीटर शिखर माउंट एवरेस्ट को 2 बार फतह किया हो। संतोष कांगशंग की तरफ से माउंट एवरेस्ट पर सफलतापूर्वक चढ़ने वाली दुनिया की पहली महिला भी हैं। 12 साल की उम्र में पर्वतारोहण, दो बार माउंट एवरेस्ट फतह किया : नरेंद्र सिंह यादव आगे बताते है कि उनकी पर्वतारोहण यात्रा 12 वर्ष की उम्र में शुरू हुई थी। अब तक उन्होंने 23 विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। दिसंबर 2024 में वह 30 वर्ष और 10 दिन की उम्र में सेवन समिट्स पूरी करके सबसे कम उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय पुरुष पर्वतारोही बने, जो रिकॉर्ड है। एवरेस्ट पर दो बार चढ़ाई की है। इसमें एक बार बिना किसी पूर्व अनुकूलन के मात्र 6 दिनों में चढ़ाई कर सबको हैरान कर दिया था।अंटार्कटिका में माइनस 52 डिग्री टेंपरेचर में चढ़ाई की : अंटार्कटिका की सबसे ऊंची चोटी माउंट विंसन कंपनियां करती हैं स्पॉन्सर : पर्वतारोही नरेंद्र यादव के पर्वतारोहण के पूरे टूर को देश की नामी कंपनियां स्पॉन्सर करती हैं। नरेंद्र यादव पर्वतारोहण पर अभी तक करीब 5 करोड़ रुपए से अधिक राशि खर्च कर चुके हैं।

के अलावा उत्तर अमेरिका (अलास्का) की सबसे ऊंची चोटी माउंट डेनाली को नरेंद्र यादव अपना सबसे कठिन मिशन मानते हैं। जहां पर माइनस 52 डिग्री तापमान के बीच से चढ़ाई करनी पड़ी। अंटार्कटिका में चढ़ाई के समय करीब एक क्विंटल तक वजन को साथ रखना पड़ता है। इस समय में 5 ऑक्सीजन सिलेंडर की जरूरत पड़ती है। वहीं, कैंपिंग और खाना बनाने का सामान भी साथ लेकर चलना होता है। 'रन फॉर राम' में कर चुके 6211 किलोमीटर दौड़ : उन्होंने 'रन फॉर राम' नाम से एक विशेष अल्ट्रा मैराथन अभियान चलाया है। इसमें वे चार दिशाओं से अयोध्या को जोड़ते हुए अब तक रामेश्वरम, सोमनाथ और बूढ़ा अमरनाथ से अयोध्या तक कुल 6211 किलोमीटर की दौड़ पूरी कर चुके हैं। वे प्रतिदिन लगभग 51 किलोमीटर दौड़ते हैं। अब उनकी अंतिम दौड़ परशुराम कुंड (अरुणाचल प्रदेश) से अयोध्या जी तक जनवरी 2026 में शुरू होगी। यह सम्पूर्ण अभियान प्रभु श्रीराम को समर्पित है। अब तक 5 करोड़ खर्च कर चुके और भविष्य की तैयारी- शुरुआत में माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई पर खुद पैसे खर्च किए थे, लेकिन इसके बाद उन्हें कंपनियों से स्पासंरशिप मिलने लगी। पर्वतारोहण से पहले 20 दिन ट्रेनिंग : नरेंद्र सिंह यादव जब भी किसी पर्वत को फतह करने के लिए जाते हैं तो उससे पहले 20 दिन की ट्रेनिंग करते हैं। फिलहाल भी वे जम्मू में ट्रेनिंग कर रहे हैं। ट्रेनिंग के दौरान वे वजन लेकर चढ़ने और चढ़ाई के दौरान आने वाली कठिनाइयों को लेकर अभ्यास करते हैं। एक्सप्लोरर ग्रैंड स्लैम की तैयारी : नरेंद्र का अगला सपना और भी ऊंचा है। वे एक्सप्लोरर ग्रैंड स्लैम को पूरा करने की तैयारी में हैं, जिसमें सातों महाद्वीपों की चोटियों के साथ-साथ उत्तर और दक्षिणी ध्रुव तक पहुंचना शामिल है। इसके साथ ही वे सातों महाद्वीपों के ज्वालामुखी पर्वतों पर भी चढ़ाई कर भारत का नाम विश्व स्तर पर रोशन करना चाहते हैं।

अमेरिका ने 7 महीने में 1700 भारतीय निकाले,इनमें 1562 पुरुष और 141 महिलाएं,विदेश राज्य मंत्री बोले- बीते 5 साल में 5541 डिपोर्ट किए

नयी दिल्ली। अमेरिका ने साल 2025 में शुरुआती 7 महीने में अबतक 1703 भारतीय नागरिकों को भारत डिपार्ट किया है। इनमें 1562 पुरुष और 141 महिलाएं शामिल हैं। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने लोकसभा में लिखित उत्तर में ये जानकारी दी। उनका जवाब डीएमके सांसद कनिमोझी ने विदेश मंत्रालय के सवाल पर आया, जिसमें पूछा गया था- क्या सरकार जनवरी 2025 से अमेरिका से डिपोर्ट किए भारतीय नागरिकों का डेटा रखती है? सिंह ने कहा- बीत 5 साल (2020 से 2024) के बीच अमेरिका से कुल 5541 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया। इसी अवधि में ब्रिटेन से 311 भारतीयों को वापस भेजा गया है। यहां से 2025 में अबतक 131 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया है। उन्होंने कहा कि डिपोर्ट की वास्तविक संख्या में अंतर आ सकता है, क्योंकि कुछ मामलों में भारतीय नागरिकों के पास वैध यात्रा दस्तावेज

होते हैं, फिर भी ब्रिटेन सरकार उन्हें सीधे डिपोर्ट कर देती है। इसके अलावा अवैध भारतीय प्रवासियों को जारी किए गए आपातकालीन यात्रा दस्तावेज का पूरा उपयोग नहीं हो पाता, क्योंकि वे कोर्ट में अपील करके अपने डिपोर्टेशन को टाल सकते हैं।मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा- अमेरिका और अन्य देशों से डिपोर्ट किए जा रहे भारतीयों के साथ मानवीय व्यवहार हो इसके लिए भारत लगातार उनसे संपर्क में है। 5 फरवरी 2025 के बाद अब तक किसी डिपोर्ट फ्लाइट में यात्रियों के साथ अमानवीय व्यवहार की कोई शिकायत नहीं मिली है। उन्होंने कहा- अमेरिका में हथकड़ी पहनाए जाने, साथ ही महिलाओं-बच्चों के साथ व्यवहार को लेकर भारत सरकार ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। इसके अलावा धार्मिक-सांस्कृतिक संवेदनाओं जैसे पगड़ी पहनने और खानपान की प्राथमिकताओं को लेकर भी औपचारिक तौर पर अमेरिकी प्रशासन से बात की गई है।5 फरवरी 2025 को अमेरिका से डिपोर्ट किए गए 104 भारतीयों को लेकर यूएस मिलिट्री का सी -17 प्लेन पंजाब के अमृतसर एयरपोर्ट पर लैंड हुआ था। इन लोगों के पैर में चेन बांधी गई थी, जबकि हाथ भी बेड़ियों में जकड़े हुए थे। अमेरिकी बॉर्डर पेट्रोल चीफ माइकल बैंक ने अपने एक्स हैंडल पर इसका वीडियो शेयर किया था।टेक्सास के सेंट एंटोनियो एयरपोर्ट पर अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने इन्हें ऐसी हालत में ही मिलिट्री प्लेन में चढ़ाया था। वहां से भारत आने के बीच 40 घंटे का सफर इन लोगों ने बेड़ियों में जकड़े हुए ही तय किया। कुछ लोगों ने मीडिया को बताया कि उन्हें प्लेन में एक जगह बैठे रहने को कहा गया था। उन्हें वॉशरूम तक नहीं जाने दिया गया। जब लोगों ने बहुत जोर दिया तो प्लेन का क्रू अपने साथ वॉशरूम तक लेकर गया और दरवाजा खोलकर अंदर धकेल दिया। लोगों ने बताया कि उन्हें बहुत थोड़ा सा खाना दिया गया, जिसे हाथ बांधकर ही खाना पड़ा। डिपोर्ट किए गए लोगों में महिलाएं और बच्चे भी थे। अमेरिका से भारत के बीच प्लेन ने चार जगह रीफ्यूलिंग के लिए स्टॉप लिया, लेकिन अंदर बैठे लोगों को प्लेन से निकलने की इजाजत नहीं थी।

मेंटल हेल्थ- हसबैंड का ऑफिस कुलीग से अफेयर थाःवो छोड़कर चला गया, शादी ही तो मेरी पहचान थी, उसके बगैर अकेले कैसे रहूं

नयी दिल्ली। समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से एक्सपर्ट- डॉ. द्रोण शर्मा, कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट, आयरलैंड, यूके। यूके, आयरिश और जिब्राल्टर मेडिकल काउंसिल के मेंबर से। सवाल- मेरी उम्र 42 साल है।

पिछले पांच साल मेरे लिए बहुत मुश्किलों भरे रहे हैं। मेरी 10 साल की शादी टूट गई क्योंकि मेरे हसबैंड का अपने ऑफिस में एक कुलीग के साथ अफेयर हो गया। पहले तो काफी समय तक उसने ये बात मुझसे छिपाए रखी। फिर जब पता चला तो वो मुझे छोड़कर चला गया। पांच साल मैं इस उम्मीद में थी कि शायद एक दिन वो वापस लौट आएगा। लेकिन ऐसा हुआ नहीं। फाइनली 5 महीने पहले हमारा डिवोर्स हो गया और इसी के साथ वो आखिरी उम्मीद भी खत्म हो गई। मैं वर्किंग वुमन हूं। फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट हूं, लेकिन मुझे भी पता नहीं था कि इमोशनली मैं कितनी डिपेंडेंट हूं। मुझसे अकेले बिल्कुल जिया नहीं जा रहा। लगता है, मेरे पैरों के नीचे से जमीन खिसक गई है, मेरी पूरी दुनिया उजड़ गई है। मैं क्या करूं कि किसी तरह फिर से नॉर्मल महसूस कर सकूं, फिर से जिंदगी जी सकूं।अपनी कहानी हमसे शेयर करने के लिए आपका शुक्रिया। आपने जो अनुभव किया है, वह काफी तकलीफदेह है। आप जिस धोखा, ट्रॉमा और इमोशनल तकलीफ से गुजरी हैं, उसे देखते हुए आपकी यह भावनात्मक स्थिति बिल्कुल जायज है। अगर मनोवैज्ञानिक नजरिए से देखें तो एक बहुत पर्सनल और इंटीमेट रिलेशनशिप में मिले इस धोखे ने आपको इमोशनल दुख पहुंचाने के साथ आपके आत्म-सम्मान, आइडेंटिटी और सेल्फ वर्थ को भी नुकसान पहुंचाया है।आइए इसे ढंग से डिकोड करके समझने की कोशिश करते हैं और इस पर बात करते हैं कि इस तकलीफ से बाहर कैसे निकला जाए। आपके केस का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण- 1. शोक के चरण (कुबलर-रॉस मॉडल) आप इस वक्त संभवतः दुख के इन 5 चरणों से बार-बार गुजर रही हैं- डिनायल या इनकारः पांच साल तक आप इस उम्मीद में बैठी रहीं कि एक दिन वो वापस लौट आएगा। यह क्लासिक डिनायल का केस है। जब तक दुख बिल्कुल सिर पर न आए, तब तक उससे छिपना और इनकार करते रहना। क्रोधः हालांकि आपने यह साफ नहीं किया है कि आपका गुस्सा अपने हसबैंड के प्रति है या उस दूसरी महिला के प्रति या खुद के प्रति। यह एक दबा हुआ गुस्सा हो सकता है, जो कई बार उदासी के रूप में दिखाई देता है। बारगेनिंग या सौदेबाजीः अपने मन में ये सोचना, 'अगर मैंने चीजें दूसरी तरह से की होतीं तो शायद वह मुझे छोड़कर नहीं जाता।' जिन रिश्तों में इमोशनल डिपेंडेंसी होती है, वहां ऐसी फीलिंग होना आम है। डिप्रेशन या अवसादः आप इस वक्त डिप्रेशन में हैं। दुख, निराशा, खालीपन के एहसास जैसी फीलिंग्स से ये बात बिल्कुल स्पष्ट है। स्वीकृतिः फाइनली तलाक के बाद आप इस सच को स्वीकारने की स्टेज तक पहुंची हैं, लेकिन अभी भी मन में शांति नहीं है, एक खोखली सी जीत की फीलिंग है।2. ओवर इमोशनल डिपेंडेंस आपने लिखा है कि आप फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट हैं, लेकिन इमोशनली आप इस रिश्ते पर बहुत ज्यादा निर्भर थीं। भले आपको इस बात का एहसास न रहा हो। इसका अर्थ है कि आपकी इमोशनल वेलबीइंग इस शख्स पर बहुत ज्यादा निर्भर थी। आपको उसकी मौजूदगी, साथ, अप्रूवल की जरूरत थी। 3. भरोसे का टूटना और रिजेक्शन का एहसास उसके अफेयर का पता चलना एक गहरे भरोसे के रिश्ते का टूटना है। खासतौर पर तब, जब लंबे समय तक यह अफेयर छिपा हुआ था और आपको इस बारे में पता नहीं था। यह एक गंभीर बिट्रेअल ट्रॉमा है। इस ट्रॉमा के कारण- हमारी भरोसा करने की ताकत को लांग टर्म डैमेज हो सकता है। धोखा खाया व्यक्ति रिजेक्शन या ठुकराए जाने को इंटर्नलाइज कर सकता है। उसके मन में यह बात बैठ सकती है कि वो नाकाफी है, नाकाबिल है, कम है। 4. सेल्फ इस्टीम और आइडेंटिटी को नुकसान जब किसी व्यक्ति की पहचान और उसका सेल्फ वर्थ एक रिश्ते से बंधा होता है तो उस रिश्ते के टूटने के कारण ये नुकसान हो सकते हैं- आइडेंटिटी कनफ्यूजनः ये सोचना कि 'इस रिश्ते के बगैर मैं कौन हूं?' लो सेल्फ इस्टीमः खुद को कमतर महसूस करना। ये सोचना कि मैं प्यार के काबिल नहीं हूं। खुद को बेहतर समझने के लिए सेल्फ स्क्रीनिंग टूल आगे बढ़ने से पहले मैं आपको खुद को बेहतर समझने के लिए एक सेल्फ स्क्रीनिंग टूल दे रहा हूं- इमोशनल रिकवरी स्टेटस स्केल टेस्ट। इस टेस्ट में 10 सवाल हैं। इन सवालों को आपको 1 से 5 के स्केल पर रेट करना है। 1 का अर्थ है- बिल्कुल नहीं और 5 का अर्थ है, हमेशा। हर सवाल का जवाब लिखने के बाद आपको अपना स्कोर चेक करना है। सवाल नीचे ग्राफिक में हैं। स्कोर का इंटरप्रिटेशन भी ग्राफिक में दिया है। पहले सवालों के जवाब दीजिए और फिर अपने स्कोर के हिसाब से उसका इंटरप्रिटेशन चेक करिए।चार हफ्ते का सेल्फ हेल्प प्लान- पहला सप्ताहः स्टेबलाइजेशन और ग्राउंडिंग (मन को स्थिर करना, अपनी जमीन मजबूत करना) लक्ष्यः- दुख को स्वीकारना, इमोशनल बाउंड्रीज बनाना, जीवन में एक डेली रूटीन स्ट्रक्चर बनाना। 1. ग्रीफ जर्नलिंग, अपनी भावनाओं को रोज एक डायरी में लिखें। कुछ भी छिपाना नहीं है। हर बात व्यक्त करनी है। जैसे- मैंने क्या खोया है? मुझे किस बात से डर लगता है? मेरा वो कौन सा हिस्सा है, जो अतीत को पकड़कर रखना चाहता है। वो कौन सी चीज है, जो मुझे आगे बढ़ने से रोक रही है। 2. इमोशनल लेबलिंग और ग्राउंडिंग जब भी इमोशनली बहुत परेशान हों तो इस टेकनीक की प्रैक्टिस करें, जिसका नाम है- 'नेम इट टू टेम इट।' इसका अर्थ है कि अपनी हर फीलिंग को एक शब्द देना। कई बार हमें खुद समझ में नहीं आता कि हम जो महसूस कर रहे हैं, वो क्या है। इसलिए उसे नाम देने से उसे समझने और दूर करने में मदद मिलती है। जैसेः मुझे गुस्सा आ रहा है। मुझे रिजेक्शन फील हो रहा है। मैं ठुकराया हुआ महसूस करती हूं।मुझे बहुत अकेलापन लग रहा है। मुझे दुख उसके जाने का नहीं, धोखा खाने का है। उसके न होने से ज्यादा ये बात परेशान कर रही है कि वो मुझसे झूठ बोल रहा था। 3. नींद और न्यूट्रिशन सोने और जागने का एक समय तय करें। रोज उसी समय पर सोएं। (जैसे रात 10:30 से सुबह 6:30) शाम को 5 बजे के बाद कैफीन का सेवन न करें। संतुलित भोजन करें। भूख न हो तब भी खाना स्किप न करें। 4. अतीत की चीजों से दूर रहना उसका सोशल मीडिया चेक न करें। हर उस चीज से दूर रहें, जो उसकी याद दिलाती हो, जैसे कॉमन फ्रेंड्स, कॉमन जगहें, जहां आप साथ जाते रहे हैं। घर में उसका कोई भी सामान हो तो उसे डिसकार्ड कर दें या पैक करके रख दें।दूसरा सप्ताहः खुद को फिर से क्लेम करना, सेल्फ इस्टीम को मजबूत करना लक्ष्यः रिश्ते से बाहर और रिश्ते से इतर अपने सेल्फ वर्थ पर फोकस करना, उसे समझना और बेहतर बनाना।1. 'मैं कौन हूं?' एक्सरसाइज अपने बारे में रोज एक पैराग्राफ लिखें। मैं कौन हूं, क्या कहूं, मेरे होने का मकसद क्या है। ऐसा पैरा, जिसमें गुजरे रिश्ते का और उस व्यक्ति का कोई जिक्र न हो। जीवन में आपकी और भी भूमिकाएं हैं, जैसे एक दोस्त, एक बहन, एक बेटी, एक प्रोफेशनल और सबसे बढ़कर एक इंसान, एक औरत। इन सारी भूमिकाओं पर फोकस करें। 2. खुद से संवाद रोज सुबह आईने के सामने खड़ी होकर खुद से ये बातें कहेंः- मैं प्यार के काबिल हूं। मैं अपने आप में संपूर्ण हूं। उसके मुझे छोड़ देने से मेरा महत्व डिफाइन नहीं होता है। 3. पुरानी रुचियों, हॉबीज को दोबारा शुरू करें उन रुचियों पर फिर से काम शुरू करें, जो आपने पीछे छोड़ दी थीं। कोई बुक क्लब, डांस क्लास या आर्ट ग्रुप जॉइन करें। फिजिकली संभव न हो तो ऑनलाइन करें।4. थैरेपी रीडिंग ऐसी किताबें पढ़ें, फिल्में देखें, जिसमें आपके जैसे अनुभवों से गुजरने वाली महिलाओं की कहानी हो। उनके अपने जीवन को फिर से गढ़ने की यात्रा हो। जैसे- 'वुमन हू लव टू मच' - रॉबिन नॉरवुड 'द जर्नी फ्रॉम एबैनडनमेंट टू हीलिंग'- सूजन एंडरसन शेष यात्रा- ऊषा प्रियंवदा, तीसरा सप्ताहः जिंदगी को रीस्ट्रक्चर करना, नई बाउंड्रीज सेट करना.लक्ष्यः जिंदगी में नए इमोशनल जुड़ाव बनाना, नए रिश्ते, नए दोस्त, नई जमीन। अपने आपको नए सिरे से डिफाइन करना 1. सोशल रीकनेक्शन उन दो पुराने दोस्तों या रिश्तेदारों से कनेक्ट करें, जिन पर आप भरोसा करती हैं। अपने अनुभव साझा करें। खुद को आइसोलेट न करें। 2. एक नया डेली रिचुअल बनाना रोज म्यूजिक सुनते हुए मॉर्निंग वॉक करूंगी। रोज शाम एक कप चाय के साथ डायरी लिखूंगी। 3. बाउंड्री बनाने का अभ्यास भविष्य के रिश्तों के लिए 5 बाउंड्रीज तय करें।वो कौन सी चीजें होंगी, जो आप स्वीकार नहीं करेंगी। जैसे इमोशनल नेगलेक्ट, सेल्फ रिस्पेक्ट के साथ समझौता। 4. माइंडफुलनेस का अभ्यास रोज 10 मिनट मेडिटेशन करें। पुरानी चीजों को छोड़ने, जाने देने और वर्तमान में रहने का अभ्यास करें। चौथा सप्ताहः फिर से भरोसा करना, एक नई शुरुआत की तरफ कदम बढ़ाना, लक्ष्यः फिर से यकीन करना, सिर्फ दूसरों पर नहीं बल्कि खुद पर भी। 1. माफ करना दूसरों से मिली तकलीफों के लिए उन्हें माफ करना जरूरी है। उनके लिए नहीं, बल्कि खुद अपने लिए। खुद को उस दुख से मुक्त करने के लिए। लेटर राइटिंग टेक्नीक- अपने मन की हर बात एक पत्र में उसे लिख दें। वो पत्र जो भेजना नहीं है। 2. इनर चाइल्ड हीलिंग अपने भीतर के बच्चे को हील करें। उससे बात करें, उसे कंफर्ट दें। प्यार, भरोसा और सुरक्षा वाले शब्द दोहराएं। खुद से बहुत प्यार और भरोसे की भाषा में बात करें। 3. दूसरे रिश्ते की तैयारीः बेसिक चेकलिस्ट। क्या आप दूसरे रिश्ते के लिए तैयार हैं। यह जानने के लिए खुद से यह सवाल पूछेंः क्या मैं सचमुच कंपैनियनशिप ढूंढ रही हूं या मुझे उसका इमोशनल रिप्लेसमेंट चाहिए। क्या मैं अकेले रहते हुए भी इमोशनली स्टेबल महसूस कर सकती हूं।4. डेटिंग माइंटसेट रीफ्रेम अगर फिर से डेटिंग की शुरुआत करती हैं तो बेचैनी, अकेलेपन, दुख से भागने के कारण न करें।इसलिए न करें क्योंकि अपना साथ बर्दाश्त नहीं हो रहा है। मन स्थिर हो, भीतर शांति हो, तभी करें। क्यूरिऑसिटी के साथ कदम बढ़ाएं। छोटी-छोटी मुलाकात, कॉफी, बातचीत के साथ शुरुआत करें। जीवन में आगे बढ़ने के 3 स्टेप्स जीवन में रिश्ते सुंदर और जरूरी हैं, लेकिन कोई भी रिश्ता हमारे जीवन से बड़ा नहीं है और वह हमारे होने के महत्व को तय नहीं करता। रिश्ते इसलिए हैं क्योंकि हम हैं। इसलिए सबकुछ के केंद्र में और सबसे महत्वपूर्ण हम खुद हैं। दुख और धोखे से उबरने और जिंदगी में आगे बढ़ने के ये 3 जरूरी स्टेप्स हैं,इमोशनल पेन से उबरने में थोड़ा वक्त लगता है, लेकिन आमतौर पर थोड़ी माइंडफुलनेस और सेल्फ हेल्प के साथ कुछ वक्त में यह सामान्य हो जाता है। लेकिन हमें पता होना चाहिए कि कब स्थिति हमारे नियंत्रण से बाहर हो रही है और हमें प्रोफेशनल हेल्प की जरूरत है।आप पांच साल इन सबसे गुजरकर आई हैं और अब इस बारे में बात कर रही हैं। आपने पहले ही काफी साहस का परिचय दिया है। हीलिंग का मतलब ये नहीं है कि जो कुछ हुआ, हम उसे भूल जाएं। हीलिंग का मतलब है, खुद को नए सिरे से गढ़ना। सब तकलीफों से ऊपर उठकर अपना एक नया वर्जन बनाना। फिर से खुश होकर और खुलकर जीना।

नेशनल फिल्म अवॉर्ड को लेकर मौसमी चटर्जी का दावाःकहा- अवॉर्ड के बदले मांगे गए थे पैसे, किशोर कुमार से भी हुई थी

मुंबई। 1 अगस्त को 71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड की अनाउंसमेंट हुई। इसमें शाहरुख खान और विक्रांत मैसी को बेस्ट एक्टर और रानी मुखर्जी को बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला। शाहरुख और रानी दोनों की करियर के तीन दशक बाद पहली बार ये अवॉर्ड मिला है। फिल्मों को दिए जाने वाले अवॉर्ड्स को लेकर इंडस्ट्री में हमेशा दो राय रही है। इंडस्ट्री में कई दिग्गज एक्टर और एक्ट्रेस हैं, जिन्हें कभी राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार नहीं मिला। वहीं, कई एक्टर्स ने दावा किया है कि उन्हें पैसे के बदले अवॉर्ड ऑफर हुई थी। इंडस्ट्री में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट अपना करियर शुरू करने वाली मौसमी चटर्जी ने 70-80 के दशक में कई हिट फिल्में दी हैं। मौसमी बंगाली और हिंदी सिनेमा का चर्चित चेहरा रही हैं। उन्होंने अपने करियर में 'बालिका बधू', 'अनुराग', 'अंगूर', 'रोटी कपड़ा और मकान' जैसी बेहतरीन फिल्मों में काम किया है। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार को लेकर मौसमी ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्हें दो बार पैसों के बदले अवॉर्ड की पेशकश की गई थी। लहरें रेट्रो के साथ बातचीत में उन्होंने कहा था- 'मुझे मेरी फिल्म अनुराग और रोटी कपड़ा और मकान के लिए ऑफर मिला। मैंने कहा कि मैं अवॉर्ड के लिए पैसे नहीं दूंगी।'इसी इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने ऋषि कपूर को लेकर भी खुलासा किया था कि उन्होंने फिल्म 'बॉबी' के लिए पैसे देकर अवॉर्ड खरीदे थे। पैसे के बदले अवॉर्ड का जिक्र ऋषि कपूर अपनी किताब 'खुल्लम-खुल्लम' में भी बताया था। अपनी किताब में उन्होंने लिखा कि एक पीआर वाले के जरिए 30 हजार में अवॉर्ड खरीदा था। हालांकि, बाद में उन्हें इस बात का पछतावा भी हुआ। पैसे के बदले अवॉर्ड की पेशकेश सिंगर और एक्टर किशोर कुमार को भी हुई थी। ये दावा उनके बेटे अमित कुमार ने विक्की लालवानी को दिए इंटरव्यू में किया था। अमित कुमार ने बताया था कि किशोर कुमार एक समय 'दूर गगन की छांव में' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने के बहुत करीब थे। साल 1964 में आई इस फिल्म को किशोर कुमार ने लिखा और डायरेक्ट किया था।

पहली बार नेशनल अवॉर्ड मिलने पर इमोशनल हुए शाहरुख खान

मुंबई। शाहरुख खान को फिल्म जवान के लिए बेस्ट एक्टर का

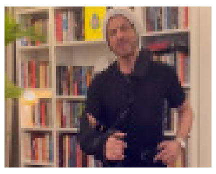

नेशनल अवॉर्ड मिला है। पहली बार नेशनल अवॉर्ड मिलने पर शाहरुख खान ने खुशी जाहिर की है। साथ ही अपने निर्देशकों, टीम और परिवार का आभार व्यक्त करते हुए इस सम्मान को एक अनमोल उपलब्धि बताया। शुक्रवार, 1 अगस्त को अपने इंस्टाग्राम पर शाहरुख खान ने एक वीडियो शेयर किया। इसमें उन्होंने कहा, नमस्कार और आदाब। मुझे यह कहने की जरूरत नहीं कि मैं इस समय कृतज्ञता, गर्व और विनम्रता से भरा हुआ हूं।

सलमान खान ने की बिग बॉस 19 की अनाउंसमेंट,कहा- दोस्तों-दुश्मनों हो जाओ तैयार, इस बार घरवालों की सरकार, ये कंटेस्टेंट्स ले सकते हैं एंट्री

मुंबई। टेलीविजन के पॉपुलर रियलिटी शो बिग बॉस 19 की अनाउंसमेंट हो चुकी है। सलमान खान ने इस साल

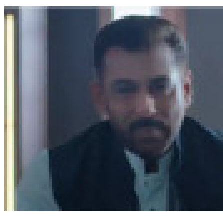

नेता बनकर शो अनाउंस कर बताया है कि इस बार शो की थीम पॉलिटिक्स से मिलती-जुलती होगी। साथ ही सलमान ने ये भी बताया है कि शो 24 अगस्त से शुरू हो रहा है। सलमान खान ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से बिग बॉस 19 का प्रोमो जारी कर लिखा है, 'लौट आया हूं मैं लेकर बिग बॉस का नया सीजन। और इस बार चलेगी, घरवालों की सरकार।' ये हो सकते हैं बिग बॉस 19 के कंटेस्टेंट्स- फैसल शेख- पॉपुलर इन्फ्लूएंसर फैसल शेख उर्फ मिस्टर फैसू इस साल बिग बॉस 19 का हिस्सा बनेंगे। बीते लंबे समय से उनकी और शो के मेकर्स की चर्चा जारी है। इससे पहले फैसल कलर्स चैनल के खतरों के खिलाड़ी में भी नजर आ चुके हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, फैसल के आने के बाद उनकी एक्स गर्लफ्रेंड जन्नत जुबैर भी शो में वाइल्ड कार्ड एंट्री ले सकती हैं। हालांकि दोनों के नाम पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। गुरुचरण सिंह- तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो में रोशन सोढ़ी का किरदार निभाकर पॉपुलर हुए गुरुचरण सिंह से भी मेकर्स की बातचीत जारी है। गुरुचरण तब चर्चा में आए थे, जब वो अचानक लापता हो गए। उनकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करवाई गई थी। कुछ हफ्तों बाद वो घर लौटे और कहा कि वो अध्यात्म की राह पर निकल गए थे। एक्टर ने कई वीडियोज जारी कर बताया कि वो आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं।इनके अलावा खुशी दुबे, गौरव तनेजा, अपूर्वा मुखिजा (रेबेल किड), गौरव खन्ना, धनश्री वर्मा, अरिशिफा खान और मिक्की मेकओवर के भी शो में आने की चर्चा है। हालांकि अब तक मेकर्स ने कंटेस्टेंट्स की लिस्ट की ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की है। इन सेलेब्स ने शो में आने की अटकलों पर लगाया विराम-खबरें थीं कि बॉलीवुड एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत इस साल शो का हिस्सा बनेंगी, हालांकि एक्ट्रेस ने खुद इन अफवाहों पर विराम लगा दिया है।एक्ट्रेस ने बिग बॉस 19 में जाने की अफवाहों के बीच अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से लिखा है, सारी अफवाहों को खत्म कर रही हूं। मैं बिग बॉस में नहीं जा रही हूं और न कभी जाऊंगी।मल्लिका शेरावत से पहले सलमान खान की जय हो को-स्टार डेजी शाह ने भी सोशल मीडिया के जरिए बताया था कि वो बिग बॉस का हिस्सा नहीं बन रही हैं।बिग बॉस के खबरी पेज की मानें तो इस सीजन के लिए अनिरुद्ध आचार्या और कथावाचक जया कुमारी को भी अप्रोच किया गया था, लेकिन दोनों ने ही शो ठुकरा दिया है। फ्लाइंग बीस्ट नाम से मशहूर गौरव तनेजा ने भी बताया है कि उन्होंने शो का ऑफर रिजेक्ट किया है।

मृणाल ठाकुर हुई 33 की,सुसाइड का ख्याल आया,बॉडी शेमिंग की शिकार हुईं, सलमान की फिल्म से निकाली गईं; बॉलीवुड से साउथ तक छाइ

मुंबई। टीवी की दुनिया से बॉलीवुड तक अपनी दमदार एक्टिंग और काबिलियत के बल पर अपनी एक अलग पहचान बना चुकीं एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर के लिए यह सफर आसान नहीं था। करियर के शुरुआती दौर में उन्हें डिमोटिवेटिंग और नकारात्मक अनुभवों का सामना करना पड़ा था। उनके लुक को देख कर कहा जाता था कि हीरोइन नहीं बन सकती हैं। ऐसे कमेंट्स सुनकर मृणाल घर पर आकार खूब रोती थीं। कई बार तो उन्होंने ट्रेन से नीचे कूदकर सुसाइड तक करने की सोची। ऐसे समय में मृणाल के घर वालों ने बहुत सहारा दिया। एक्ट्रेस ने कड़ी मेहनत और समर्पण से अपने स्ट्रगल का समाना किया। उनकी मेहनत रंग लाई और आज एक सक्सेसफुल एक्ट्रेस हैं। 'सुपर 30', 'बाटला हाउस', 'जर्सी' जैसी बॉलीवुड फिल्मों के अलावा मृणाल ने तेलुगु फिल्म 'सीतारामम' से साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी पहचान बनाई है। आज मृणाल के जन्मदिन पर आइए जानते हैं उनके करियर और निजी जीवन से जुड़े कुछ और खास किस्से- क्राइम

रिपोर्टर बनना चाहती थीं मृणाल ठाकुर के पेरेंट्स चाहते थे कि वे डेंटिस्ट बनें और मृणाल ने इसका टेस्ट भी पास कर लिया था। हालांकि, बाद में अपने पिता से परमिशन लेकर मृणाल ने जर्नलिज्म कोर्स में एडमिशन लिया। वो क्राइम रिपोर्टर बनना चाहती थीं। क्राइम रिपोर्टर बनने की प्रेरणा मृणाल को अपने एक पारिवारिक मित्र मराठी चैनल के न्यूज एंकर से मिली थी। उन्होंने मुंबई पर हुए आतंकवादी हमले की रिपोर्टिंग की थी। पेरेंट्स को नहीं पसंद था एक्टिंग में करियर बनाना- पढ़ाई के दौरान ही मृणाल को एक्टिंग के ऑफर मिलने लगे थे। पहले मृणाल के पेरेंट्स उनके एक्टिंग करियर के खिलाफ थे, क्योंकि इससे पढ़ाई पर असर पड़ रहा था। उस समय मृणाल को काम और कॉलेज दोनों संभालना था, लेकिन जब उनकी अटेंडेंस पर इसका असर पड़ा, तो उनके पिता ने उन्हें शो पर पूरा ध्यान देने के लिए कहा। पेरेंट्स चाहते थे कि मराठी फिल्में करें- एक इंटरव्यू के दौरान मृणाल ठाकुर ने कहा था- मैं मराठी हूं तो मेरे मम्मी-पापा चाह रहे थे कि मराठी फिल्मों से शुरुआत करूं। मेरी पहली मराठी फिल्म 'हैलो नंदन' रही, इसके बाद मैंने दो और मराठी फिल्मों में काम किया।हिंदी सीरियल में मृणाल ठाकुर की शुरुआत स्टार प्लस के शो 'मुझसे कुछ कहती....ये खामोशियां' से हुई। इसके बाद उन्होंने कई सीरियल्स में काम किया, लेकिन सीरियल 'कुमकुम भाग्य' में बुलबुल के किरदार से उन्हें खूब लोकप्रियता हासिल हुई। इस सीरियल के बाद से वह बुलबुल के नाम से घर-घर पहचानी गईं। छोटे पर्दे पर सीरियल में काम करने के साथ ही मृणाल ने मराठी सीरियल्स में भी काम किया। इसके अलावा साल 2016 में एक्ट्रेस ने शरद चंद्र त्रिपाठी के साथ नच बलिए में भी हिस्सा लिया।हर नए स्ट्रगलिंग कलाकार की तरह मृणाल का सफर भी बॉलीवुड में आसान नहीं रहा। उनके लुक्स को लेकर खूब मजाक उड़ाया जाता था। एक इंटरव्यू के दौरान मृणाल ने कहा था- जब मैं न्यू कमर थी, तो मेरे साथ बहुत बुरा बर्ताव किया जाता था। मैं घर पर आकर खूब रोती थी, लेकिन मेरे पेरेंट्स ने मुझे हमेशा आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।मृणाल ठाकुर ने कई बार खुलासा किया है कि उन्हें एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में बॉडी शेमिंग का सामना करना पड़ा है। इंडियन एक्सप्रेस को दिए एक इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस ने कहा था- एक बार जब मैं किसी से मिली तो उसने मुझसे कहा, 'ओह मृणाल, तुम बिल्कुल भी सेक्सी नहीं हो। मैंने उससे पूछा कि क्या वह ' कैरेक्टर के बारे में बात कर रहे या मेरे बारे में बोल रहे थे। इस पर उन्होंने कहा कि कैरेक्टर सेक्सी है, लेकिन उन्हें मुझमें ये कहीं नजर नहीं आता। मैंने कहा- सर, एक लुक टेस्ट करें।गांव की गंवार लड़की कहा गया मृणाल ठाकुर ने आगे बताया था- लुक टेस्ट के लिए जब एक फोटोग्राफर आया तो मुझे देखते ही मराठी में कहा कि यह गांव की लड़की कौन है? हालांकि, बाद में उन्होंने माफी मांगी। फिगर के चलते 'मटका' कहकर बुलाया गया- टाइम्स नाउ से बातचीत के दौरान मृणाल ठाकुर ने कहा था- मेरी फिगर के चलते लोग 'मटका' कहकर बुलाते थे। सोशल मीडिया पर मेरी बॉडी और लुक पर भद्दे कमेंट्स किए जाते थे। मेरे कर्वी फिगर के लिए ट्रोल्स किया जाता था। लोकल ट्रेन और बस से सफर करती थीं- स्ट्रगल के दिनों में मृणाल मुंबई की लोकल ट्रेन से सफर करती थीं। एक इंटरव्यू के दौरान मृणाल ने कहा था- उन दिनों मैं टाउन में रहती थी। अंधेरी आने के लिए टाउन से वडाला लोकल ट्रेन से आती और वहां से ट्रेन बदलकर अंधेरी और फिर अंधेरी स्टेशन से बस पकड़ कर इनफिनिटी मॉल आती थी। सारे ऑडिशन अंधेरी में ही होते थे। मैं इनफिनिटी मॉल पहुंचकर इसके बाथरूम में ड्रेस चेंज करती थी, उसके बाद ऑडिशन के लिए जाती थी। ट्रेन से कूदकर सुसाइड के ख्याल आते थे- रणवीर अलाहबादिया को दिए इंटरव्यू में मृणाल ठाकुर ने कहा था- लोकल ट्रेन में गेट के पास खड़े होकर सफर करती थी। एक समय ऐसा भी था जब काम न मिलने की वजह से मन में ख्याल आता था कि ट्रेन से कूदकर सुसाइड कर लूं। मुझे पता था कि वैसा करना सही नहीं है, लेकिन जब आप हिम्मत हार जाते हैं तो ऐसे ख्याल बार-बार मन में आते हैं। मेरा यही कहना है कि धैर्य ही आपका सबसे बड़ा साथी है और यही आपके काम भी आता है।' 'लव सोनिया' से करियर में टर्निंग पॉइंट- मृणाल ठाकुर के करियर में टर्निंग पॉइंट तब आया, जब साल 2018 में उन्होंने इंडो अमेरिकन फिल्म 'लव सोनिया' साइन की। इस फिल्म से उन्होंने इंटरनेशनल लेवल पर शुरुआत की। फिल्म लव सोनिया में मृणाल ने एक ऐसी लड़की का किरदार निभाया था, जो अपनी बहन की तलाश में शहर आती है और वैश्यावृत्ति के धंधे में धकेल दी जाती है। फिल्म में उनकी दमदार

एक्टिंग को सभी की सराहना मिली थी। आज उनकी गिनती बॉलीवुड की सफल अभिनेत्रियों में होती है।फिल्म 'सुल्तान' में पहले अनुष्का शर्मा की जगह मृणाल ठाकुर को कास्ट किया जाना था। इस बात का खुलासा खुद सलमान खान ने किया था कि फिल्म 'सुल्तान' के लिए पहले मृणाल ठाकुर को अप्रोच किया गया था। 'बिग बॉस 15' में जब मृणाल अपनी एक फिल्म प्रमोट करने उनके शो में पहुंची थी, तब सलमान ने उस एपिसोड में उनकी खूब तारीफ की थी। सलमान ने कहा था- मैं आपको मृणाल के बारे में एक दिलचस्प बात बताने वाला हूं। दरअसल 'सुल्तान' की असली स्टार ये ही

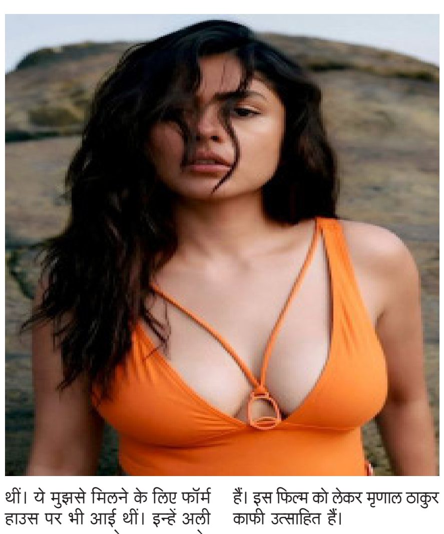

थीं। ये मुझसे मिलने के लिए फॉर्म हाउस पर भी आई थीं। इन्हें अली अब्बास जफर लेकर आए थे, लेकिन दिक्कत ये थी कि उस वक्त ये पहलवान जैसी नहीं लग रही थीं। भले ही ये वो फिल्म न कर पाई, लेकिन मैं जानता था कि मृणाल आगे जाकर बहुत अच्छे किरदार निभाएंगी। आइडीवा को दिए इंटरव्यू में मृणाल ने बताया था कि इंटिमेट सीन्स की वजह से उन्होंने कई फिल्में ठुकरा दी थीं क्योंकि पेरेंट्स इसके खिलाफ थे। उन्होंने कहा था मैं डर जाती थी और किसी भी फिल्म को न कह देती थी, लेकिन मैं कब तक न कह सकती थी? एक समय आया कि मुझे पेरेंट्स से बात करनी पड़ी। मैंने पापा से कहा- पापा, मैं हर फिल्म नहीं छोड़ सकती हूं क्योंकि कभी-कभी ऐसा होता है, ये मेरी भी पसंद नहीं है।मृणाल ने आगे बताया था कि एक वक्त के बाद उन्होंने ये फैसला कर लिया था कि वे किसी फिल्म को इसलिए न नहीं करेंगी क्योंकि उसमें किसिंग सीन है। उन्हें वो करना पड़ेगा जो स्क्रिप्ट के हिसाब से जरूरी होगा।मृणाल ठाकुर मानती हैं कि नेपोटिज्म की वजह से पहचान बनाना मुश्किल रहा है, लेकिन वह इसकी जिम्मेदार स्टार किड्स को नहीं मानती हैं। मृणाल ठाकुर ने एक इंटरव्यू के दौरान 2019 का 21वें जियो मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल के दौरान का एक किस्सा शेयर करते हुए बताया था कि इंटरव्यू में मीडिया ने उन्हें इग्नोर कर दिया था।पिंकविला से बात करते हुए एक्ट्रेस ने बताया था- उस वक्त मैंने क्रिटिक्स अवॉर्ड जीता था। मीडिया सामने थी, लेकिन फिर वो इंटरव्यू बीच में ही छोड़कर जान्हवी कपूर की तरफ दौड़ पड़े। उन्होंने भी एक अलग कैटेगरी में अवॉर्ड जीता था। नेपोटिज्म में स्टार किड्स की गलती नहीं है, बल्कि दर्शकों और मीडिया की गलती है। हम सब यह जानने के लिए बेकरार रहते हैं कि उनकी लाइफ में क्या चल रहा है।सन ऑफ सरदार 2 कल सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस फिल्म में अजय देवगन और मृणाल ठाकुर लीड रोल में हैं। अजय देवगन और मृणाल ठाकुर के साथ ही रवि किशन, दीपक डोबरियाल, नीरू बाजवा, चंकी पांडे, मुकुल देव, संजय मिश्रा, शरत सक्सेना और अश्विनी कलसेकर जैसे कलाकार हैं। इस फिल्म को लेकर मृणाल ठाकुर काफी उत्साहित हैं।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक
डॉ. दीपक अरोरा
मो 0 न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website: www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।